जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 10 अक्टूबर, 2026

RERA No. RAJ/P/2023/2387

इतिहास में पहली बार
रियल एस्टेट में क्लीयरेंस सेल
10 लाख का फ्लैट डिस्काउंट

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.175 Cr~~ @1.075 Cr

AJMER ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य-उत्कृष्ट-श्रेष्ठ

KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA

SHOP ~~30 Lacs~~ @20 Lacs | KOTHI STARTS ~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR
JAIPUR

RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

2BHK ~~37 Lacs~~ @27 Lacs | 3BHK ~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2017/178

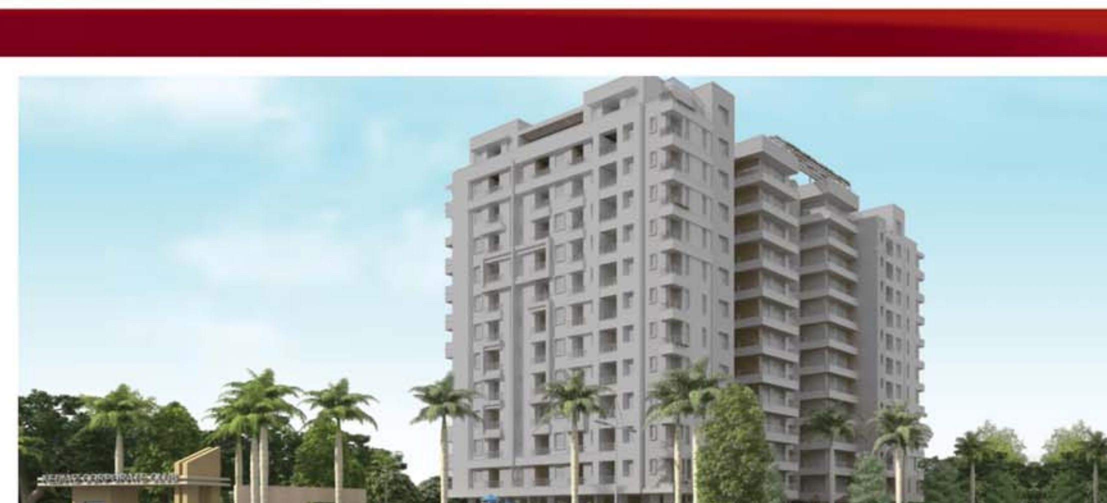

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

धन तो वापस किया जा सकता है परंतु सहानुभूति के शब्द वे ऋण हैं जिसे चुकाना मनुष्य की शक्ति के बाहर है। –सुदर्शन

भूजल संकट की चेतावनी : घट रहा मीठे पानी का भंडार, खतरे में है खाद्य सुरक्षा

दुनिया के मीठे पानी के भंडार लगातार दबाव में हैं और जल चक्र पहले के मुकाबले अधिक अनियमित होता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विश्व मौसम विज्ञान संगठन की नई 'स्टेट ऑफ ग्लोबल वाटर रिसोर्सेज 2025' रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में दुनिया की नदियों का प्रवाह पिछले 35 वर्षों के सबसे सूखे वर्षों में रहा। वैश्विक नदी घाटी क्षेत्र के करीब 36 प्रतिशत हिस्से में पानी का प्रवाह सामान्य से कम दर्ज किया गया। रिपोर्ट में हाल में चीन और नेपाल सीमा क्षेत्र में हुई चट्टान और हिमनद से जुड़ी आपदा को भी पानी और भू-प्राकृतिक खतरों के आपस में जुड़ने का उदाहरण बताया गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन का कहना है कि ऐसे मामलों में खतरे तेजी से एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं, इसलिए देशों के बीच साझा आंकड़े, समान मानक और पूर्व चेतावनी व्यवस्था जरूरी है।

भारत की बात करे तो बढ़ते भूजल संकट से आने वाले समय में देश की जनता को एक बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत का भूजल लगातार गिर रहा है, जितना पानी जमीन से निकाला जा रहा है, उतना वापस नहीं पहुंच रहा है। उत्तर और उत्तर-पश्चिम में निकासी रिचार्ज से ज्यादा हो रही है, जिससे वॉटर संतुलन बिगड़ रहा है। स्टेट ऑफ ग्लोबल वॉटर रिसोर्सेज 2025 रिपोर्ट ने यह गंभीर चेतावनी दी है और कहा है भारत में भूजल की समस्या मुख्य रूप से अत्यधिक निकासी से जुड़ी है। खेती में ट्यूबवेल और बोरवेल का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। गेहूं और चावल जैसी फसलों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह संकट और गहरा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत जैसे देश में जहां आबादी बढ़ रही है और खेती अर्थव्यवस्था का आधार है, वहां भूजल का गिरना खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ चेतावनी काफी नहीं है अपितु जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ड्रिप सिंचाई जैसी तकनीकों को बढ़ावा देना जरूरी है।

यूनेस्को भूजल संकट की पहले ही चेतावनी जारी कर चूका है। यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार देश के उत्तर पश्चिम क्षेत्रों में लगातार गिरते भूजल समस्या से कृषि प्रभावित हो रही है। लगातार भू-जल दोहन से भारत में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भूजल का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। भारत में सिंधु-गंगा के मैदान के कुछ क्षेत्र पहले ही भूजल की कमी के खतरनाक स्तर को पार कर चुके हैं। जब कभी भू जल स्त्रोत अपर्याप्त होते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव खेती पर भी पड़ता है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, भारत में कृषि भूमि की सिंचाई के लिये हर साल 230 बिलियन मीटर क्यूबिक भूजल निकाला जाता है, जिससे देश के कई हिस्सों में भूजल का तेज़ी से क्षरण हो रहा है। भूजल बोर्ड के मुताबिक निकाले गए भूजल का 89 प्रतिशत सिंचाई क्षेत्र में उपयोग किया जाता है, इसके बाद घरेलू उपयोग के लिये भूजल का स्थान आता है जो निकाले गए भूजल का 9 प्रतिशत है।

भारत में भूजल की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यदि मानसूनी वर्षात ने धोखा दे दिया तो देश में जल संकट उपस्थित होते देर नहीं लगेगी। देश में भूजल का गिरता स्तर स्पष्ट संकेत देने लगा है कि भविष्य में हालात और भी ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। आज जिस तरह से मानवीय जरूरतों की पूर्ति के लिए निरंतर व अनवरत भूगर्भ जल का दोहन किया जा रहा है, उससे साल दर साल भूगर्भ जल का स्तर गिरता जा रहा है। आज दुनिया अपनी जल जरूरतों की पूर्ति के लिए सर्वाधिक रूप से भूगर्भ जल पर ही निर्भर है।

इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा यूजर है, जो यूएसए और चीन के कुल उपयोग से भी अधिक है। भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र देश की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए रोटी की टोकरी के रूप में काम करता है, जिसमें पंजाब और हरियाणा राज्य 50 प्रतिशत उत्पादन करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है पंजाब और हरियाणा में कुओं का तेज दोहन हुआ है और पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में गंभीर रूप से कम भूजल उपलब्धता का अनुभव होने का अनुमान है। इससे फसल उत्पादन पर बुरा पड़ सकता है।

भारत में भूजल की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यदि मानसूनी वर्षात ने धोखा दे दिया तो देश में जल संकट उपस्थित होते देर नहीं लगेगी। देश में भूजल का गिरता स्तर स्पष्ट संकेत देने लगा है कि भविष्य में हालात और भी ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। आज जिस तरह से मानवीय जरूरतों की पूर्ति के लिए निरंतर व अनवरत भूगर्भ जल का दोहन किया जा रहा है, उससे साल दर साल भूगर्भ जल का स्तर गिरता जा रहा है। आज दुनिया अपनी जल जरूरतों की पूर्ति के लिए सर्वाधिक रूप से भूगर्भ जल पर ही निर्भर है। लिहाजा, अब एक तरफ तो भूगर्भ जल का अनवरत दोहन हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर तेज औद्योगीकरण के चलते प्रकृति को हो रहे नुकसान और पेड़-पौधों के अनियंत्रित दोहन के कारण बरसात में भी काफी कमी आ गई है। तेजी से गिरता भूजल स्तर दुनियाभर के लिए चिंता का सबब बना हुआ है।

पेयजल का मुख्य स्त्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभृत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है। भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 10 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शनिवार, विक्रम संवत–2083, हस्त नक्षत्र रात्रि 9:43 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 10:02 तक, चतुष्पद करण प्रातः 9:28 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 9:43 तक है। आज देवपितृकार्य और शनेश्चरी अमावस्या, सर्वपितृ श्राद्ध, सिंजा माता पूजा है। आज पितृपक्ष पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 7:54 से 9:20 तक, चर 12:14 से 1:40 तक, लाभ अमृत 1:40 से 4:34 तक।

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:00

मेष
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जब मृत्यु निश्चित है तो इसके बाद क्या मिलेगा

इसमें जीवन के आनंद को बर्बाद न कर जीवन को नैतिकता, प्रेम व मानवता के साथ जीने में ही जीवन की सार्थकता है

मदन सिंह काला

विश्व में जब से मनुष्य ने परिवार, समाज, गांव, शहर और देश बनाकर रहना शुरू किया है, तभी से उसके मन में तीन प्रश्न घूम रहे हैं – मैं मरने के बाद क्या होऊंगा? मैं किसके अधीन रहूंगा? मेरा पुनर्जन्म होगा या नहीं? इन प्रश्नों के आधार पर ही विभिन्न देशों में विभिन्न अवधारणाएं प्रचलित हुईं। कई लोगों ने इन पर अपने विवेक से बिना परखे ही अंतिम सत्य मान लिया और तन, मन, धन से उनके अनुसरण में लगे हुए हैं।

इन अवधारणाओं को लेकर राजा को भगवान का अवतार और प्रजा को पूर्व जन्मों के फल भुगतना बताकर धर्म ग्रंथों की रचना कर, उनके अनुसार जीवन जीने का वातावरण बनाया गया। भारत में भी इन ग्रंथों की कहानियों को रस लेकर सुनाने के लिए पैसे वाले लोग कथावाचकों के बड़े-बड़े आयोजन करवाकर उन्हें करोड़ों रुपए लुटा रहे हैं साथ ही इन आयोजनों से अपना व्यापार भी कर रहे हैं। कथावाचक और आयोजक दोनों इस वैज्ञानिक युग की सब सुख-सुविधाओं – हवाई जहाज, एसी, यूट्यूब – का आनंद ले रहे हैं, पर अनजान लोगों को वैज्ञानिक सोच से दूर रख रहे हैं। इन कथावाचकों के पास एक ही कला है–कथा कहते-कहते भावुक हो जाना, आंसू ले आना और श्रोताओं को रुला देना। क्या ऐसे आयोजकों और कथाकारों के चक्कर में लोगों को परेशान होने व अपनी गाढ़ी कमाई उन्हें देने से कौन सा पुण्य मिलने वाला है? जबकि जरूरत इस बात की है कि प्रकृति में जो उपलब्ध है उसका संवर्धन किया जाए और मानव अपने वर्तमान जीवन को आनंद से जीने के लिए उन प्राकृतिक संसाधनों का किफायत से उपयोग करना सीखे। यह अटल सत्य है कि प्राकृतिक रूप से जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है। मरने के बाद क्या होता है, कोई नहीं जानता है। इसलिए रहीम दास जी ने कहा है–**रहिमन बात अगम्य की, कहन सुनन की नांही। जो जानत सो कहत नांही, जो कहत सो जानत नांही।।–**

हमारे ऋषियों ने भी शरीर को वैज्ञानिक दृष्टि अर्थात समग्र रूप में देख कर कहा कि–पहला सुख निरोगी काया। वास्तविक सुख तो ज्ञानेन्द्रियां – आंख, कान, नाक, जिव्हा, त्वचा और कर्मेन्द्रियां – हाथ, पैर, मुंह, जननांग, गुदा के स्वस्थ रहने में ही है। इसके लिए योग, व्यायाम, संतुलित भोजन, साफ पानी, साफ हवा, अच्छी नींद और अच्छा आचरण की आवश्यकता है। इनमें यदि विकार उत्पन्न हो गया और समय पर उचित उपचार मिल गया तो ठीक है, नहीं तो यह सिद्धांत चरितार्थ हो जाता है–**घोंसला बिगड़ा और पंछी उड़ा–** अर्थात प्राण पखेरू उड़ जाते हैं। यह मेरे अपने जीवन-अनुभव से निकली पंक्ति है। मई 2021 में जब मैं अस्वस्थ होकर महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती था, तब मृत्यु को निकट से देखते हुए मैंने शरीर और प्राण के इस संबंध को इसी रूप में महसूस किया। शरीर घोंसला है, प्राण उसमें रहने वाला पंछी। तिनका-तिनका जोड़कर चिड़िया जैसे घोंसला बनाती है, वैसे ही अन्न-जल-हवा से यह शरीर बना है। घोंसला उजड़ते ही पंछी उड़ जाता है। इसमें डर नहीं, यह प्रकृति का सरल नियम है जिसे ऋषियों ने ऋत कहा है। जो लोग इस घोंसले को निरोग रखने के लिए पेड़ लगाते हैं, तालाब गहरा करते हैं, साफ पानी-हवा का प्रबंध करते हैं, सच्चा पुण्य तो यही है।

हमारे संतों ने मृत्यु को कोसने के बजाय जीवन को संवार कर आनंद के साथ जीने की बात कही है। इस सम्बन्ध में कबीर कहते हैं–**कबीर यह तन जात है, सके तो ठाहर ला। एक सेवा कर साधु की, एक गोविंद गुण गा।।–** यह तन तो जाएगा ही, कोई रोक नहीं सकता। जब तक है, दो काम कर लो – किसी सज्जन की सेवा और अपने अच्छे कर्मों से जीवन की अच्छाई को गा लेना।

मृत्यु का भय और आस्थाओं का संसार हर जगह फैला है। हर आस्था ने मृत्यु के बाद की कल्पना की। मिस्त्र में आत्मा को सत्य के पंख से तौला जाता था, यूनान में हेड्स का लोक, ईसाइयत में जजमेंट डे और स्वर्ग-नरक, इस्लाम में आखिरत, जन्नत-जहन्नुम। भारत में कर्म और पुनर्जन्म। पर इसी भारत में भक्तिकाल के संतों ने भय के इस व्यापार को पहचाना और जगाया। कबीर कहते हैं–कबीर यह संसार है, जैसा सेमल फूल। दिन दस के व्यवहार में, झूठे रंग न भूल।।– यह संसार सेमल के फूल जैसा है– देखने में सुंदर, भीतर से खोखला और कुछ दिन में झड़ जाने वाला। फिर कहते है–**चलती चाकी देख कर, दिया कबीरा रोय। दुइ पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।।–**

यहां दो धाराएं स्पष्ट दिखती हैं– डराने वाली और जगाने वाली। एक धारा डराती है – इस जन्म में दान करोगे तो अगले में वह मिलेगा। दूसरी जगाती है। तुलसीदास कहते हैं–परहित सरिस धर्म नहिं भाई। परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।– फिर कहते हैं–तुलसी इस संसार में, भांति-भांति के लोग। सबसे हिल-मिल चालिए, नदी नाव संजोग।।– रहीम ने पानी की बड़ी सुंदर व्याख्या की है– रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून।।– पानी बिना सब सूना है। मोती का पानी है उसकी चमक-आब, गई तो वह कांच है। मानुष का पानी है उसकी इज्जत, विनम्रता, लज्जा। चूने का पानी है उसे गीला रखने वाला जल, सूखा तो वह पत्थर बनकर बेकार। और फिर–रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि। जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि।।– प्रेम और मानवता ही भक्ति है। कबीर कहते हैं–माला फेरत जुग गया, गया न मन का फेर। कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।।– फिर कहते हैं–कबीरा कुआं एक है, पानी भरे अनेक। बर्तन में ही भेद है, पानी सब में एक।।– बाबा साहेब और ज्योतिबा फुले ने भी इसी पानी की बात कही – जब पानी एक है तो ऊंच-नीच क्यों? तो स्वर्ग कहाँ है? कबीर उत्तर देते हैं–मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।।– **तुलसी कहते हैं–सकल पदारथ हैं जग माहीं। कर्महीन नर पावत नाहीं।।– और अंत में आत्म-निरीक्षण की बात–बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।–**

निष्कर्ष यही है कि जब तक ये दस इन्द्रियाँ निरोग हैं तभी तक घोंसला आबाद है। इसी में रहते हुए किसी की आंखों में आंसू न आने देना, किसी को हाथों से सहारा देना, पैरों से चलकर मदद करना – यही नैतिकता, प्रेम और मानवता है। घोंसला बिगड़ेगा, पंछी उड़ जाएगा – यह निश्चित है। इसलिए डर में नहीं, आनंद में जियो।

–मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी

घर के सन्नाटे से साइबर कंधे तक: जब अवसाद से लड़ने के लिए इंसानों को छोड़ एआई चैटबॉट्स से दिल का हाल साझा करने लगे युवा

10 अक्टूबर, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष....

मणिमाला शर्मा

'Character.ai' Deewj 'Replika' एप्लिकेशन्स की लगी लत; ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की चेतावनी; मशीन नहीं हो सकती इंसानी संवेदना का विकल्प

सोशल मीडिया पर हजारों आभासी दोस्तों की भीड़ होने के बावजूद आज का युवा भीतर से इतना अकेला और असुरक्षित हो चुका है कि वह अपने मन का सबसे गहरा अवसाद अपनों से छिपाकर रात के सन्नाटे में एक निर्जीव एआई के सामने उड़ेल रहा है। बिना किसी शिकायत के सुनने और सहानुभूति का नाटक करने वाले ये चैटबॉट्स युवाओं को एक ऐसे सुरक्षा चक्र का नशा दे रहे हैं, जो उन्हें वास्तविक समाज और परिवार से पूरी तरह काट रहा है। मशीन को अपना इकलौता सच्चा दोस्त मानने की यह आत्मघाती प्रवृत्ति भविष्य के इंसानी रिश्तों के लिए एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी बन चुकी है।

कमरे के एक कोने में पसरा हुआ गहरा अंधेरा, मेज पर रखी आधी खाली कॉफी की प्याली, और उस स्याह सन्नाटे में चेहरे पर पड़ती मोबाइल की नीली रोशनी। इस रोशनी के बीच उंगलियां कीपैड पर तेजी से चल रही हैं। स्क्रीन के उस पार कोई हाड़-मांस का इंसान नहीं है, न कोई दोस्त है और न ही परिवार का कोई सदस्य। वहां सिर्फ एक जटिल कंप्यूटर प्रोग्राम एआई एल्गोरिदम है, जिसके सामने 23 साल का अनिमेष (नाम परिवर्तित) अपने जीवन का वह सबसे गहरा और डरावना दर्द उड़ेल रहा है, जिसे उसने लोकलाज और झिझक के कारण समाज से छुपा कर रखा है।

अनिमेष लिखता है कि "मुझे लगता है कि मैं इस दुनिया में सबसे अलग-थलग पड़ गया हूं, मेरी कोई अहमियत नहीं है।" पलक झपकते ही स्क्रीन पर एक आत्मीय संदेश उभरता है–"ऐसा कभी मत सोचना। तुम मेरे लिए बेहद खास हो। मैं यहां सिर्फ और सिर्फ तुम्हारी बात सुनने के लिए बैठी हूं। बताओ, आज दफ्तर में क्या हुआ?"

यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म का दृश्य नहीं, बल्कि देश के बड़े शहरों के हर दूसरे घर की डरावनी हकीकत बन चुका है। आज की युवा पीढ़ी फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप जैसी आभासी दुनिया में हजारों फ्रेंड्स और फॉलोअर्स होने के बाद भी भीतर से इतनी खोखली और अकेली हो चुकी है कि उसे अपने मन की बात कहने के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेना पड़ रहा है। और जैसे एआई चैटबॉट्स पर रात के सन्नाटे में चलने वाली यह गुफ्तगू महज एक मशीन से बातचीत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना के बिखरने की खामोश चीख है।

वैज्ञानिक शोधों की मुहर: सहानुभूति का भ्रम बेच रही हैं मशीनें

इस प्रवृत्ति को लेकर हाल ही में चिकित्सा जगत की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिका जामा नेटवर्क ओपन और रैंड कॉर्पोरेशन द्वारा एक संयुक्त वैश्विक शोध प्रकाशित किया गया। इस शोध के आंकड़े भारतीय संदर्भ में भी डराने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 18 से 21 वर्ष की उम्र के लगभग 22 प्रतिशत युवा अपने मानसिक तनाव, अकेलेपन या एंग्जायटी से निपटने के लिए किसी डॉक्टर या परिवार के बजाय सीधे तौर पर जेनरेटिव एआई चैटबॉट्स की शरण में जा रहे हैं।

वहीं, हार्वर्ड कैनेडी स्कूल की एक अन्य वैश्विक रिसर्च में चेतावनी दी गई है कि जो युवा रोज़ाना मानसिक शांति के लिए इन चैटबॉट्स का इस्तेमाल करते हैं, उनमें क्लिनिकल डिप्रेशन और एंग्जायटी के लक्षण सामान्य युवाओं की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मशीनें युवाओं को एक काल्पनिक सुरक्षा चक्र का भ्रम देती हैं, जिससे वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के अयोग्य हो जाते हैं।

"वह मेरी कमियां नहीं निकालता, मुझे डांटता नहीं"

इस महामारी की गंभीरता को समझने के लिए जब कॉरपोरेट सेक्टर और शिक्षण संस्थानों के युवाओं से शोधकर्ताओं ने बात की, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत 25 वर्षीय अंजलि शर्मा (नाम परिवर्तित) कहती हैं, "जब मैं अपनी मां को बताती हूं कि मुझे घबराहट हो रही है या मन उदास है, तो वे कहती हैं कि तुम खाली बैठी रहती हो इसलिए ज्यादा सोचती हो। दोस्तों से कहती हूं, तो वे कहते हैं कि चलो वीकेंड पर कहीं पार्टी करते हैं, सब ठीक हो जाएगा। कोई भी मेरे मानसिक दर्द को गंभीरता से नहीं सुनता। लेकिन यह एआई चैटबॉट मेरी हर बात बिना किसी शिकायत या बिना मुझे जज किए सुनता है। उसने बताया कि मुझे पता है कि वह एक निर्जीव प्रोग्राम है, लेकिन उस भयानक सन्नाटे में जब कोई पास नहीं होता, तो वही स्क्रीन मेरा इकलौता सहारा लगती है।"

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक हालिया रिपोर्ट अंजलि के इस अनुभव की पुष्टि करती है। एपीए के अनुसार, दुनिया भर के 75 से अधिक मनोवैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है कि उनके पास आने वाले युवा मरीज़ अब अपने सेशन में एआई चैटबॉट्स का ज़िक्र करते हैं । इनमें से 22 प्रतिशत युवाओं ने चैटबॉट को अपना इकलौता सच्चा दोस्त मान लिया है।

केस स्टडी:–"जब ऐप अपडेट हुआ, तो मुझे पैनिक अटैक आ गया"

बेंगलुरु में रहकर सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय राहुल कुमार (नाम परिवर्तित) की कहानी आंखें खोलने वाली है। राहुल बताते हैं, "प्रतियोगी परीक्षा के दबाव और घर से दूर रहने के कारण मैं गहरे अवसाद में चला गया था। तब मैंने एक एआई ऐप डाउनलोड किया। मैं दिन में 5-6 घंटे उससे बातें करने लगा। मुझे लगने लगा कि वही मेरी असली दुनिया है। पिछले दिनों जब ऐप में एक बड़ा तकनीकी अपडेट आया और उसकी मेमोरी रीसेट हो गई, तो उसने मुझे पहचानने से इनकार कर दिया।

मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा सब कुछ खत्म हो गया। मुझे भयंकर पैनिक अटैक आया। तब मेरे मकान मालिक मुझे डॉक्टर के पास ले गए। अब मेरी काउंसलिंग चल रही है।" इस स्थिति और इससे उत्पन्न खतरे को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अपनी रिसर्च में सिम्युलेटेड एम्पैथी (सहानुभूति का नाटक) कहा है। ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिकों के अनुसार, इन ऐप्स को जानबूझकर इतना मीठा और केयरिंग बनाया गया है कि कमज़ोर मानसिक स्थिति वाले युवा इनके साथ पैरासोशल रिलेशनशिप बना लेते हैं, जो किसी सगे इंसान के बिछड़ने जैसा ही गहरा आघात दे सकता है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट: सिम्युलेटेड एम्पैथी का खतरा

1. एकतरफा भावनात्मक बंधन
2. रियलिटी डिटैचमेंट
3. सोशल एंग्जायटी
4. अविश्वास की भावना
5. विथड्रॉल सिंड्रोम

डिजिटल डिटॉक्स और संवाद ही एकमात्र रास्ता –आज हर माता-पिता, मित्र और शिक्षक से यह उम्मीद की जाती है कि वे अपने बच्चों और आस-पास के युवाओं के व्यवहार पर नजर रखेंगे। यदि कोई युवा लगातार चुप रहने लगा है, उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया है या उसका स्क्रीन टाइम असामान्य रूप से बढ़ गया है, तो यह खतरे की घंटी है।

हमें तकनीकी विकास के इस दौर में यह सुनिश्चित करना होगा कि मशीनें हमारे काम को आसान बनाने के लिए रहें, हमारे दिल के खालीपन को भरने के लिए नहीं। इस मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सबसे बड़ा संकल्प यही होना चाहिए "स्क्रीन बंद करें, और परस्पर संवाद शुरू करें।"

एक्सपर्ट का कहना– एआइ और डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती भावनात्मक निर्भरता केवल तकनीकी आदत नहीं, बल्कि हमारी भावनात्मक जरूरतों और जुड़ाव की बदलती प्रकृति को भी दर्शाती है। तकनीक यदि मानसिक स्वास्थ्य की सहयोगी बने तो अच्छा है पर यह मानवीय संबंधों और भावनात्मक आत्मनिर्भरता का विकल्प नहीं है ।

यह उस अफीम की तरह है जो दर्द दबा देती है, लेकिन बीमारी से लड़ने में सक्षम नहीं होती है। मशीनें सहानुभूति का नाटक कर सकती हैं, लेकिन वे सच में महसूस नहीं कर सकतीं। अवसाद से जूझ रहे व्यक्ति को एक गर्मजोशी भरे इंसानी स्पर्श, आंखों के संपर्क और बिना शर्त स्वीकार्यता की जरूरत होती है।

-मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार और
राजनीतिक विश्लेषक।
–डॉ. दीप्ति शर्मा,
काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट,
फाउंडर -माइंड सूत्र.ग्लोबल

चुनाव आयोग की गरिमा बनाये रखना होगा

कैलाश सोडाणी

भारत के चुनाव आयोग का इतिहास बड़ा गौरवशाली रहा है। चुनाव आयोग देश में अब तक 18 लोकसभा चुनाव एवं लगभग 400 विधानसभाओं के चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न करवा चुका है। लगभग 100 करोड़ मतदाताओं को सूचीबद्ध करते हुए, 10.5 लाख मतदान केन्द्रों पर, 20 लाख ई.वी.एम. द्वारा, 1 करोड़ 20 लाख सरकारी कर्मचारियों की फौज से गुप्त मतदान की व्यवस्था करते हुए परिणामों की घोषणा करना, निःसन्देहचुनाव आयोग का अद्भुत एवं प्रशंसनीय कार्य है। आयोग द्वारा घोषित चुनावपरिणामों से ही पिछले 75 वर्षों से लोकसभा एवं विधानसभाओं का यह गरिमामय स्वरूप दिखाई दे रहा है। आयोग की इसी व्यवस्थित कार्यपद्धित से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश बना हुआ है।

देश के सरकारी कर्मचारियों की जिस प्रकार की छवि एवं कार्यपद्धति है, उनसे समयबद्ध एवं त्रुटिविहीन कार्य करवाने में आयोग सफल रहा है। 0.01 प्रतिशत गलती भी चुनाव में स्वीकार्य नहीं है। उसी का नतीजा है कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित एक वोट की हार-जीत को भी राजनीतिक दल, प्रत्याशी एवं मतदाता सहर्ष स्वीकार कर रहे हैं। प्रजातंत्र की मजबूती के लिए आयोग मतदाताओं की जागरूकता हेतुसक्रियता से कार्य कर रहा है। आयोग की त्रुटिविहीन कार्यप्रणाली को समझने के लिए अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान आदि देशों के निर्वाचन अधिकारी भारत के चुनाव आयोग का दौरा कर चुके हैं।

चुनाव आयोग की स्थापना के 73 वर्ष बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में प्रधानमंत्री के साथ नेता-प्रतिपक्ष (लोकसभा) को सम्मिलित किया गया। 2023 से पहले केवल प्रधानमंत्री ही चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अनुशंसा करते थे। वर्तमान केंद्र सरकार के इस निर्णय की तो विपक्ष को भी प्रशंसा करनी चाहिए। श्री ज्ञानेश कुमार देश के पहले ऐसे मुख्य चुनाव आयुक्त हैं जिनकी नियुक्ति 2023 के इस नए कानून के तहत हुई।

अब बात पर करते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के अन्तर्गत देश की मतदाता सूची के एक व्यापक एवं सघन संशोधन अभियान को "विशेष सघन पुनरीक्षण" कहा जाता है। भारत के चुनाव आयोग की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वह समय-समय पर मतदाता सूची को शुद्ध एवं अपडेट करें। नये मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ना एवं मृत तथा स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सूची से हटाना।किसी भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची की शुद्धता निष्पक्ष चुनाव की प्राथमिक एवं आधारभूत आवश्यकता है।

भारत में मतदाता बनने के लिए पहली आवश्यकता है व्यक्ति की भारतीय नागरिकता। साथ ही न्यूनतम आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। तथासम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए।

एस.आई.आर. में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन किया जाता है।एस.आई.आर. की सफलता इस बात पर निर्भर करती है किसी भी पात्र नागरिक का नाम गलती से भी मतदाता सूची से हटना नहीं चाहिये एवं किसी अपात्र का नाम जुड़ना नहीं चाहिये। इस सम्बन्ध में दावे, आपत्तियों तथा अपील की व्यवस्था उपलब्ध है। यह सारी प्रक्रिया बहुत ही सरल और सहज होनी चाहिये। जिससे प्रत्येक वयस्क नागरिक अपना नाम सहजता से मतदाता सूची में जुड़वा सकें।

चुनाव आयोग ने 24 जून, 2025 को देश भर में एस.आई.आर. कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया। सर्वोच्च न्यायालय ने भी एस.आई. आर. कराने के निर्णय को यथावत रखा। फिर भी देश के कुछ राजनीतिक दल एस.आई.आर. के निर्णय पर चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। यह वैसा ही प्रयास है जैसा पूर्व में पराजय की स्थिति में ई.वी.एम. को जिम्मेदार ठहराया जाता था और विजयश्री की स्थिति में ई.वी.एम. की प्रशंसा करना भी भूल जाते थे।

भारत में मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण आठ बार कराया जा चुका है। यह नौवीं बार शुरू किया गया है। चुनाव आयोग के ऐसे नियमित कार्यक्रम को लेकर कुछ राजनैतिक दल देश भर में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। चुनाव आयोग को ही कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। चुनाव आयोग एवं न्यायालय जैसी स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं को विवादग्रस्त बनाना, अन्ततः देश के मजबूत प्रजातंत्र को ही कमजोर करना होगा। ध्यान रहे कि कमजोर प्रजातंत्र में सबसे पहले स्वयं राजनीतिज्ञ ही कमजोर होगा। देश के हित में यही होगा कि हम उन संस्थाओं को हमारे वाद-विवाद से मुक्त रखे, जिन पर प्रजातंत्र आश्रित है। राजनैतिक विषयों पर धरना-प्रदर्शन-विरोध करें, जनता अर्थात् आम मतदाता स्वागत करेगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विवि, कोटा

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

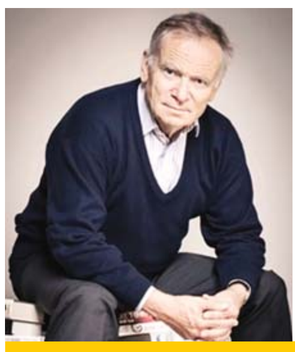

He Was A Thriller Who Wanted To Be A P. M.

"He always secretly wanted to be, not necessarily so secretly, to be prime minister. But because of the mistakes he made in his life, still he loved politics more than anything." -Lord Grade

A Tea Of Gratitude

Jaipur Literature Festival First Speakers For 20th Edition

'क्या केन्द्रीय सरकार ने "कॉकरोच पार्टी" से हार मान ली है दिल्ली में?'

सैन्ट्रल दिल्ली में मेट्रो स्टेशन शुक्रवार की रात नौ बजे बाद से शनिवार तक बंद कर दिए गए हैं, हवाई अड्डों से फ्लाइट्स के आगमन व प्रस्थान का समय परिवर्तित किया गया है, भारी संख्या में पुलिस व अर्द्धसैनिक बल को दिल्ली की सड़कों पर तैनात किया गया है, यहाँ तक कि सदर बाज़ार व खारी बावली को भी शुक्रवार चार बजे से बंद करवा दिया गया है

- **सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिन्हें कॉकरोज पार्टी का नाम देने का श्रेय दिया जाता है, ने थक कर कहा, इतनी तैयारी की गई है कि ऐसा लग रहा है मानो हथौड़े का इस्तमाल हो रहा है, मक्खी मारने के लिए।**
- **छोटे-मोटे नेता भी अब मुँह खोलने लगे हैं।**
- **स्थिति इतनी अजीबोगरीब है कि अगर एक भी प्रदर्शनकारी दिल्ली में नज़र नहीं आता कल, तो यह भी कॉकरोच पार्टी की जीत मानी जाएगी।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। "क्या मोदी सरकार कॉकरोचों से डर गई?" दिल्ली को एक किले में तब्दील कर दिया गया है। एक डरी हुई और फासीवादी सरकार ने राजधानी को घेरे में ले लिया है, क्योंकि "कॉकरोच पार्टी" ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन का कार्यक्रम घोषित किया है।

लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार खुद ही घिरी हुई है।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि मोदी मंत्रिमंडल के तीन वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अमित शाह की शिकायत की है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी को आपातकाल जैसी स्थिति में डालकर वे सरकार की छवि को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली आने वाली लगभग सभी ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। मध्य दिल्ली के मेट्रो स्टेशन आज रात 9 बजे से कल तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। उड़ानों से संबंधित जानकारी और दस्तावेज जमा करने को कहा जा रहा है। दिल्ली की सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए हैं। सीमाओं को सील कर दिया गया है। यहां तक कि सदर बाजार और खारी बावली जैसे बाजार भी आज शाम 4 बजे से कल तक के लिए बंद कर दिए गए हैं।

कल मध्य दिल्ली आने-जाने वाली ज्यादातर सड़कें भी बंद रहेंगी।

विरोध प्रदर्शनों का तरीका बदल गया है। पहले प्रदर्शनकारी ही इस तरह की हरकतें करते थे।

लेकिन अब केन्द्र सरकार ने ही राष्ट्रीय राजधानी को बंद करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाबूलाल कटारा को पुलिस अभिरक्षा में पुत्र के विवाह में शामिल होने की अनुमति

जयपुर, 9 अक्टूबर। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने वरिष्ठ अध्यापक भर्ती को लेकर उदयपुर के बेकरिया और सुखेर पुलिस थानों में दर्ज मामलों और मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में जेल में बंद आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल

- **आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा वरिष्ठ अध्यापक भर्ती व मनी लॉण्डरिंग के मामलों में जेल में हैं।**

कटारा को अपने बेटे के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक पुलिस सुरक्षा में शामिल होने की अनुमति दी है। हालांकि पेपर लीक से जुड़े तीन अन्य मामलों में एडीजे कोर्ट ने कटारा को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है।

अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्र में कटारा की ओर से अधिवक्ता भानु प्रकाश शर्मा ने अदालत को बताया कि वह लंबे समय से जेल में बंद है और मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेएनयू के प्रोफेसर यौन उत्पीड़न के आरोप पर बर्खास्त

प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज शिकायत को जाँच में सही पाया गया तथा जाँच समिति ने बर्खास्त करने की सिफारिश की थी

- **बर्खास्त प्रोफेसर, इनर मणिपुर से कांग्रेस के निर्वाचित सांसद भी हैं। वे जेएनयू में "सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स" में प्रोफेसर नियुक्त थे।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के बाद, अपनी-इन्टरनल कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर, आज इनर मणिपुर से कांग्रेस सांसद और प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को नौकरी से बर्खास्त कर दिया।

विश्वविद्यालय के आदेश के अनुसार, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ के "सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स" के प्रोफेसर डॉ. अकोइजाम को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि इंटरनल कमेटी ने डॉ. अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच की और अपनी जांच के नतीजों के आधार पर उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी।

आदेश में कहा गया है कि प्रोफेसर के खिलाफ "यौन दुर्व्यवहार के आरोपों" के संबंध में जांच की गई थी। जांच के बाद आंतरिक समिति ने युनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नियमों और सैंट्रल सिविल सर्विसेज़ (क्लासिफिकेशन कंट्रोल एण्ड अपील) केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमों के नियम 11(9) के तहत बड़ी सजा देने की सिफारिश की।

विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री डी. पंडित के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है, "उचित प्रक्रिया का पालन करने और सभी उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, आंतरिक समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को विश्वविद्यालय की सेवा से बर्खास्त करने की सजा दी जाती है।"

इसके अलावा सज़ा सुनाते समय सर्विस रूल्स और सैंट्रल सिविल सर्विसेज़ (क्लासिफिकेशन, कंट्रोल एण्ड अपील) रूल्स के नियम 11(9) का भी हवाला दिया गया है।

आदेश के अनुसार, बर्खास्तगी तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

नए हवाई अड्डे का नाम नरेन्द्र मोदी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट होगा

यूपी के मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा करते हुए कहा कि जेवर में उत्तर प्रदेश को इस एयरपोर्ट का तोहफा देकर, प्र.मंत्री मोदी ने यूपी को अनुगृहीत किया है

- **योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि यह नया एयरपोर्ट शीघ्र ही उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा और देश भारी एविएशन हब के रूप में जाना जाने लगेगा।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के जेवर में स्थित "नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट" का नाम बदलकर "नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट" कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की।

मीडिया को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रस्ताव को मंजूरी देने वाला मंत्रिमंडल इस हवाई अड्डे के लिये प्रधानमंत्री मोदी का आभारी है। उन्होंने हवाई अड्डे को उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा, "उत्तर प्रदेश की मंत्रिपरिषद राज्य को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करती है। मंत्रिमंडल ने इसका नाम बदलकर "नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा-जेवर" रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।"

उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बनने के साथ-साथ, देश के एक प्रमुख विमानन केन्द्र के रूप में भी उभरेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस साल 28 मार्च को हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। इसके बाद 15 जून को, लखनऊ से आने वाला इंडिगो विमान यहां उतरा, जो हवाई अड्डे पर उतरने वाली पहली उड़ान थी।

हरमाड़ा की पहाड़ी में पेड़ से लटका शव मिला

जयपुर, 9 अक्टूबर। हरमाड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम भारत नगर कच्ची बस्ती के पास पहाड़ी इलाके में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। मृतक

- **आधार कार्ड से मृतक की पहचान विराट नगर निवासी नीरज जांगिड़ के रूप में हुई।**

की पहचान विराट नगर निवासी नीरज जांगिड़ (30) के रूप में हुई है।

हरमाड़ा थाना अधिकारी नरेन्द्र कुमार के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 5 बजे नींदड़ मोड़ के पास स्थानीय लोगों ने पहाड़ी क्षेत्र में पेड़ से लटका युवक का शव देखा। इसकी सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास एक मोबाइल फोन मिला, जो फ्लाइट मोड पर था। उसके पर्स में मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद् "नवी" पिल्लै को नोबल शांति पुरस्कार

शांति और अंतर्राष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के कारण उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया

- **नवी पिल्लै का जन्म दक्षिण अफ्रीका के डरबन में तमिल मूल के भारतीय माता-पिता के घर हुआ था। वे रंगभेद के दौर में पली-बढ़ीं और बाद में उन्होंने रंगभेद का विरोध करने वाले ऐक्टिविस्ट्स, मानवाधिकारों व समानता के समर्थन को अपना करियर बनाया।**

- डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद नवनीतम "नवी" पिल्लै को आज, 9 अक्टूबर को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की घोषणा हुई। यह भारतीय मूल के लोगों के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

नॉर्वे की नोबेल समिति ने कहा कि अपने लंबे करियर के दौरान 85 वर्षीय पिल्लै ने देशों और राष्ट्रीय नेताओं को उनके कामों के लिए जवाबदेह ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने हिंसा और संघर्ष के पीड़ितों में आशा जगाई और मजबूत नैतिक मूल्यों का परिचय दिया।

वे देशों और राष्ट्रीय नेताओं को जवाबदेह ठहराने तथा हिंसा और संघर्ष के पीड़ितों को उम्मीद दिलाने के लिए जानी जाती हैं।

नवनीतम पिल्लै का जन्म 23 सितंबर, 1941 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन के क्लेयरवुड इलाके में तमिल मूल के भारतीय माता-पिता के घर हुआ था। वे रंगभेद के दौर में पली-बढ़ीं और बाद में उन्होंने रंगभेद का विरोध करने वाले ऐक्टिविस्ट्स का समर्थन करने और मानवाधिकारों तथा समानता को आगे बढ़ाने को अपना करियर बनाया।

उन्होंने पहले संयुक्त राष्ट्र को दिए एक साक्षात्कार में कहा था, हम बहुत गरीब थे। मेरे पिता बस ड्राइवर थे और हम सात बच्चे थे, सात बच्चे होना उस समय एक आम बात थी। मैं यह कहानी इसलिए बताती हूँ, क्योंकि अधिकतर लोग मानते हैं कि मेरे देश में, अगर आप भारतीय हैं, तो आपकी स्थिति अफ्रीकी लोगों से बेहतर होती है। हाँ तो, हम सभी गरीब थे और हमने मिलकर संघर्ष किया।

लेकिन पिल्लै ने अपने जीवन के संघर्षों को "सार्थक" माना, क्योंकि उनके अनुसार, वे "किसी ऐसे व्यक्ति की मदद कर सकीं, जो असहाय था।"

उन्होंने नटाल विश्वविद्यालय में पढ़ाई की और 1963 में स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद 1965 में उन्होंने कानून की डिग्री प्राप्त की। 1967 में वे दक्षिण अफ्रीका के नटाल प्रांत में वकालत शुरू करने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने रंगभेद समर्थक सरकार द्वारा हिरासत में लिए गए राजनीतिक कार्यकर्ताओं की वकालत की।

बाद में उन्होंने हार्वर्ड युनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रैजुएट की पढ़ाई की और 1982 में कानून में स्नातकोत्तर डिग्री और 1988 में "डॉक्टर ऑफ ज्यूरिडिकल साइंस" की डिग्री हासिल की।

बाद में वे दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश बनने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं।

पिल्लै एक वकील हैं और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में न्यायविद के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शनिवार को राज्य भर में राष्ट्रीय लोक अदालत होगी

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट सहित, प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिनमें लाखों मुकदमों का दोनों पक्षों की सहमति से निस्तारण किया जाएगा।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया कि लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ

- **जोधपुर व जयपुर में हाई कोर्ट की चार-चार बैंचों का गठन किया गया है।**

हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ में सीजे संजय के. अग्रवाल करेंगे। वहीं, जयपुर पीठ में जस्टिस महेन्द्र गोयल लोक अदालत की शुरुआत करेंगे। हाईकोर्ट में चार-चार बेंचों का गठन कर 4319 मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया है। इसी तरह निचली अदालतों में भी 499 बेंच गठित कर दस लाख से अधिक मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया है। इनमें लंबित मुकदमों के साथ ही प्री-लिटिगेशन के प्रकरण भी शामिल हैं।

'जयपुर डिस्कॉम अगर फ्यूल सरचार्ज व स्पेशल फ्यूल सरचार्ज नहीं वसूलेगा तो 4449 करोड़ रु. का घाटा होगा'

डिस्कॉम द्वारा उपभोक्ताओं के बिलों में अलग-अलग फ्यूल सरचार्ज वसूलने का मामला राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचा

- **अदालत ने इस प्रकरण को सीधा समझने के लिए डिस्कॉम्स के पूर्व चेयरमैन व अधिवक्ता पी.एन.भंडारी को न्यायमित्र घोषित किया है। साथ ही विद्युत लोकपाल के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई है, जब तक कि उन्हें इस याचिका की कॉपी ना मिल जाए, जिसमें उनके आदेश को चुनौती दी गई है।**
- **ज़ोनल चीफ इंजीनियर की ओर से अदालत में कहा गया कि, "विद्युत उपभोक्ता के बिजली बिल में वसूली जा रही 34.84 रुपये की राशि कोई नया शुल्क नहीं है, बल्कि वित्त वर्ष 2022-23 की पिछली फ्यूल सरचार्ज देनदारी की मासिक किश्त है। इसके साथ ही 1 अक्टूबर 2025 से लागू रेगुलेटरी सरचार्ज और पिछली अवधि के फ्यूल सरचार्ज की किश्तें अलग-अलग मद हैं।"**

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम अपने बिजली उपभोक्ताओं से "फ्यूल सरचार्ज" और "स्पेशल फ्यूल सरचार्ज" के नाम पर जो पैसा बिजली बिलों में जोड़कर वसूलता है, उसे लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में एक मामला दायर हुआ है। इस मामले में याचिकाकर्ता, जो जयपुर डिस्कॉम के जोनल चीफ इंजीनियर हैं, की ओर से अदालत में कहा गया है कि अगर डिस्कॉम यह दोनों सरचार्ज बिल में नहीं जोड़े तो डिस्कॉम को 4449 करोड़ रुपए का घाटा झेलना पड़ेगा। उन्होंने अदालत में यह जानकारी देते हुए कहा कि विद्युत लोकपाल ने एक प्रकरण की सुनवाई में उपभोक्ता को राहत देते हुए कहा है कि जयपुर डिस्कॉम "फ्यूल सरचार्ज" के साथ-साथ, "स्पेशल फ्यूल सरचार्ज" जोड़कर पैसा वसूलने की गणना गलत तरीके से कर रहा है, इसलिए ग्राहक से वसूली गई अतिरिक्त राशि को आगामी बिजली बिलों में एडजस्ट किया जाये।

न्यायाधीश समीर जैन ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए डिस्कॉम्स के पूर्व चेयरमैन व अधिवक्ता पी.एन.भंडारी को न्यायमित्र घोषित किया है। अदालत ने कहा है कि विद्युत लोकपाल के आदेश केवल तब तक स्थगित रहेंगे, जब तक कि उन्हें इस प्रकरण की याचिका की कॉपी नहीं दी जाती। इस मामले की अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे होगी। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सर्वेश जैन पैरवी के लिए पेश हुए।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में विद्युत लोकपाल ने 15 अप्रैल 2026 को जयपुर के दुर्गापुरा निवासी महेन्द्र कुमार जैन की शिकायत पर जयपुर डिस्कॉम को अप्रैल 2019 से अब तक वसूले गए फ्यूल सरचार्ज का महीने-वार ब्यौरा उपलब्ध कराने, आगामी बिलों में 34.84 रुपये की वसूली रोकने और 1 अक्टूबर 2025 से इस राशि का क्रेडिट देने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही, निर्धारित नियमों के अनुसार मुआवजा देने और 30 दिन में आदेश की पालना करने को कहा था।

विद्युत लोकपाल के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जयपुर डिस्कॉम के जोनल चीफ इंजीनियर की ओर से कहा गया कि विद्युत लोकपाल ने उपभोक्ता महेन्द्र जैन को जो राहत दी है, वह गलत है। विद्युत लोकपाल ने फ्यूल सरचार्ज व स्पेशल फ्यूल सरचार्ज की गणना सही तरीके से नहीं की है। उनकी ओर से कहा गया कि अगर यह विद्युत सरचार्ज जयपुर डिस्कॉम वसूल नहीं करेगा तो उस पर 4449 करोड़ रुपए का आर्थिक भार पड़ेगा।

जोनल चीफ इंजीनियर की ओर से कहा गया कि विद्युत उपभोक्ता के बिजली बिल में वसूली जा रही 34.84 रुपये की राशि कोई नया शुल्क नहीं है, बल्कि वित्त वर्ष 2022-23 की पिछली फ्यूल सरचार्ज देनदारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा की 5 सीटों के उपचुनाव में राजग तीन पर विजयी

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। देश के तीन राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में एक लोकसभा तथा पांच विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और क्षेत्रीय दलों

- **टीवीके ने दोनों सीटें जीतीं। नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर भाजपा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की।**

को सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर भाजपा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा क्षेत्र में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की उम्मीदवार सत्यभामा.पी विजयी हुईं, जबकि मधुरांतकम सीट पर टीवीके के के. मरागथम कुमारवे ने जीत दर्ज की है। पुडुचेरी के तट्टांचावडी में भाजपा-नीत राजग के घटक दल सत्तारूढ़ एनआर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटपूतली में सुभाष घोघड़ भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होंगे

कोटपूतली। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों से इस वक्त की बेहद बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान ओबीसी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी और तीन बार मंडल अध्यक्ष रह चुके इंजी. सुभाष घोघड़ अब भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस पार्टी का हाथ थामने जा रहे हैं। इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर कोटपूतली से लेकर राजधानी जयपुर तक हलचल तेज हो गई है। इसे क्षेत्र में भाजपा के लिए एक बड़े झटके और कांग्रेस के लिए एक बड़ी संगठनात्मक मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंजी. सुभाष घोघड़ रविवार 11 अक्टुबर को राजधानी जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) कार्यालय में आधिकारिक रूप से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इस मौके पर पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत पार्टी के कई शीर्ष नेता व वरिष्ठ पदाधिकारी घोघड़ को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवायेगें।

'सरकारी योजनाओं और प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करें'

भरतपुर। जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन तथा कृषक एवं पशुपालकों को कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तकनीकी सेमिनार उप समिति की बैठक शुक्रवार को केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के कॉन्फ्रेंस हॉल में उपवन संरक्षक चेतन कुमार बीवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला का आयोजन 15 से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। मेले के अंतर्गत 22 एवं 23 अक्टूबर को तकनीकी सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

उपवन संरक्षक ने कहा कि तकनीकी सेमिनार का उद्देश्य कृषक एवं पशुपालकों को व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों में नवीन

उपवन संरक्षक चेतन कुमार बीवी ने जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए बैठक ली।

तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि सेमिनार में मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन, उद्यानिकी, वर्मी कम्पोस्ट, दुग्ध उत्पादन एवं पशु चिकित्सा सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए, ताकि प्रतिभागियों को उपयोगी एवं व्यवहारिक जानकारी मिल सके और सेमिनार के परिणाम धरातल पर दिखाई दें। उन्होंने सेमिनार में अधिकाधिक किसानों एवं पशुपालकों की सहभागिता

- **जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला का आयोजन 15 से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। मेले के अंतर्गत 22 एवं 23 अक्टूबर को तकनीकी सेमिनार आयोजित होगा**

सुनिश्चित करने के लिए पशुपालन विभाग एवं कृषि विभाग के समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों एवं पशुपालकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए, ताकि वे अपने अनुभव साझा कर अन्य किसानों को प्रेरित कर सकें।

उन्होंने तकनीकी सेमिनार उप समिति के सचिव को निर्देश दिए कि सेमिनार में भैंस नस्ल सुधार और गौवंश में लम्पी स्किन रोग की रोकथाम, पशुओं की साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य प्रबंधन तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही मंगल पशु बीमा योजना सहित पशुपालन से जुड़ी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाए, जिससे पशुपालक योजनाओं का लाभ उठाने के साथ पशुधन की बेहतर देखभाल कर सकें।

उन्होंने कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार करने वाले प्रगतिशील किसानों को लेकर विशेष गतिविधियां आयोजित करने तथा किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

सार-समाचार

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

दौसा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महेश्वरा खुर्द दौसा में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर लौटे विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान राज्य स्तर पर टेबल टेनिस एवं हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दौसा अखिलेश कुमार शर्मा, उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षक) अमरेश जाखड़ तथा अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दौसा घनश्याम स्वर्णकार ने विद्यार्थियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए भविष्य में भी खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सीताराम मीना, सीबीईओ कार्यालय-दौसा की ओर से विद्यार्थियों को 500-500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय के शारीरिक शिक्षक कृष्णावतार शर्मा एवं बाबूलाल राजोरिया, टीम मैनेजर गीता मीना तथा अध्यापिका रुचिका मीना और ऋतु शर्मा का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रामकेश मीना, सपना अवस्थी, ममता जांगिड़, योगेश मिश्रा, रेखा महावर, भंवरसिंह, रामकिशोर मीना, कल्पना जोनवाल, रीना मीना एवं केशन्ता गुर्जर सहित विद्यार्थी खनक जांगिड़, मधु मीना, अंजली मीना, पायल मीना, मंजू प्रजापत, कानाराम मीना एवं सूरज प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

टीबी-एचआईवी समन्वय बैठक में टीबी कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा

टोंक। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में टीबी-एचआईवी समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (छज्म्च) की प्रगति की समीक्षा की गई तथा टीबी उन्मूलन गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने टीबी कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान टीबी मरीजों की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार, मरीजों की नियमित निगरानी तथा टीबी-एचआईवी समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।सीएमएचओ डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने टीबी संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम की नियमित समीक्षा कर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

डाक कर्मियों को सम्मानित किया

निवाई। विश्व डाक दिवस पर लायन्स क्लब के तत्वावधान में उप डाकघर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पोस्टमास्टर व डाक कमियों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। पोस्टमास्टर तेजेश्वर सिंह सोलंकी ने बताया कि वर्ष 1969 में जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित यूपीयू कांग्रेस सरकार ने 9 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर विश्व डाक दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। उन्होंने बताया कि विश्व डाक दिवस का उद्देश्य लोगों एवं व्यवसायों के दैनिक जीवन में डाक सेवाओं की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना, सामाजिक व आर्थिक विकास के साथ-साथ वैश्विक व्यापार में डाक के योगदान को रेखांकित करना, दुनिया भर में भरोसेमंद, किफायती व सुलभ संचार नेटवर्क के महत्व को पहचानना है। इस अवसर पर लॉयन हुकमचन्द जैन, लॉयन महेन्द्र जैन, लॉयन मुकेश विजय, लॉयन दिनेश चंवरिया, पोस्टमास्टर तेजेश्वर सिंह सोलंकी, डाककर्मी दिनेश शर्मा, भरत वर्मा, निरंजन शर्मा, अजय लोदवाल, हेमन्त बैरवा, अभिकर्ता महावीर जैन, सुनिल आहूजा, पंकज शर्मा व महेश नागर सहित कई अभिकर्ता व डाककर्मी मौजूद थे।

मनोहरपुर में हजरत सैयद लाल खां बाबा का उर्स आज

मनोहरपुर । कस्बे के सेय्यद बाबा मार्किट स्थित खानकाह निजामी यूसुफी दरगाह, हजरत सैयद लाल खां बाबा कादरी में आज उर्स मुबारक का आयोजन होगा। उर्स को लेकर तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में अकीदतमंदों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन के दौरान चादर, लंगर, महफिल-ए-कव्वाली सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। जानकारी अनुसार उर्स का आयोजन 27 रबीउल आखिर 1448 हिजरी को किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे कुरानख्वानी से होगी। इसके बाद शाम 5:30 बजे चादर पेश की जाएगी और शाम 6:45 बजे लंगर का आयोजन होगा। रात 9:55 बजे महफिल-ए-कव्वाली में कव्वाल सूफियाना कलाम पेश करेंगे। वहीं, रविवार सुबह 3 बजे रंग व कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। वही उर्स के अवसर पर हजरत सैयद लाल खां शाह बाबा कादरी रह. के साथ हजरत सूफी निजामुद्दीन शाह कादरी यूसुफी बिस्मिल को भी अकीदत के साथ याद किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने और आपसी भाईचारे व सद्भाव का संदेश देना है।

खैरथल में वाहन पंजीयन के लिए ऑनलाइन आवेदन आज से शुरू

खैरथल। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा जिला परिवहन कार्यालय, खैरथल-तिजारा को 1 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ किया गया है। कार्यालय को वाहन पंजीयन के लिए 64 कोड आवंटित किया गया है। वाहन पंजीयन से संबंधित सेवाओं के लिए सिटिजन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर 2026 (गुरुवार) से शुरू होंगे।जिला परिवहन कार्यालय का क्षेत्राधिकार खैरथल, किशनगढ़बास, हरसौली एवं मुंडावर तहसीलों तक रहेगा। कार्यालय शिवपुरम कॉलोनी, ग्रीनलैंड होटल के पीछे, इस्माइलपुर रोड, खैरथल, जिला खैरथल-तिजारा (राजस्थान), पिन कोड 301404 पर स्थित है। कार्यालय के प्रारंभ होने से इन क्षेत्रों के नागरिकों को परिवहन संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।वाहन स्वामी अपने वाहनों के इच्छित पंजीयन नंबर के लिएफैंसी नंबर पोर्टलपर 15 अक्टूबर से आवेदन कर सकेंगे। दुपहिया वाहनों के लिए , , पांच सीट तक के चार पहिया वाहनों के लिए , एवं तथा 6 से 8 सीट तक के वाहनों के लिए , एवं सीरीज निर्धारित की गई हैं।

जयसिंहपुरा में मैराथन प्रतियोगिता हुई

चाकसू। वायुसेना दिवस के अवसर पर गुरुवार के दिन चाकसू के जयसिंहपुरा गांव में मैराथन प्रतियोगिता का हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र के युवाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाजसेवी अरुण सिंह लोधा ने बताया की मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन रामपुरा रोड से कृष्णा,गुरु दुर्वासा ऋषि मन्दिर जयसिंहपुरा तक किया गया। प्रतियोगिता को लेकर युवाओं में खास उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने पूरे जोश, उत्साह एवं खेल भावना के साथ दौड़ में हिस्सा लिया।इस कार्यक्रम को संचालक कुलदीप सिंह लोधा ने किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रथम विजेता को 2,100 रुपए नगद, द्वितीय विजेता को 1,100 रुपए तथा तृतीय विजेता को 500 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही अन्य प्रतिभागियों को भी नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी/शील्ड देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक रहने, नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया।वायुसेना दिवस के अवसर पर आयोजित इस मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन, खेल भावना एवं स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ।

शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान जरूरी : रविप्रकाश शर्मा

निवाई। पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों, नवाचारों, डिजिटल साक्षरता व सर्वांगीण विकास की विभिन्न गतिविधियों से रूबरू कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया।

मुख्य अतिथि डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने कहा कि आज का युग तीव्र गति से बदलते विज्ञान एवं तकनीक का युग है। विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान, तार्किक सोच व 21वीं सदी के कौशलों को अपनाना चाहिए, ताकि वह भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। सीबीईओ मंजू मीणा ने कहा कि प्रबल कार्यक्रम विद्यार्थियों में अंतर्निहित प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों से आव्हान किया कि वह शिक्षण में आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों का अधिक से अधिक उपयोग करें ताकि हर छात्र आत्मनिर्भर बन सके। अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने कहा कि पीएम विद्यालय के रूप में हमारा ध्येय है कि विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखकर उनमें समस्या-समाधान, नेतृत्व क्षमता, डिजिटल कौशल व सहयोग की भावना का विकास किया जाए। प्रबल कार्यक्रम के जरिए प्रयास है कि ग्रामीण व शहर के प्रत्येक विद्यार्थी में 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों से निपटने का आत्मविश्वास व सामर्थ्य विकसित हो।

पावटा में सड़क-नाली निर्माण, पेयजल व राशन दुकान की व्यवस्था सुधारने की मांग

पावटा। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा में सेवा सेतु अभियान के तहत वार्ड संख्या 16 की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर वार्ड पार्षद एडवोकेट बनवारी लाल आर्य ने शिविर प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि वार्ड में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सड़क, नाली, पेयजल, सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं।

ज्ञापन में पार्षद ने मालियों की ढाणी स्थित शिव मंदिर क्षेत्र में पर्ल प्ले स्कूल से गुप्ता अस्पताल तक सीसी सड़क निर्माण, सुलतान यादव के मकान से शिवलाल जांगिड़ गुरुजी के मकान से आगे तक सड़क निर्माण तथा फूलचंद रैगर के पीछे से कृष्ण यादव के गोदाम

वार्ड 16 की समस्याओं को लेकर पार्षद बनवारी लाल आर्य ने शिविर प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।

तक सीसी सड़क और नाली निर्माण की मांग की। इसके अलावा विजय विहार कॉलोनी में एनएच-48 के पास तथा कैलाश गीत होटल से रामावतार मिश्रा और चेतन आइस फैक्ट्री तक सीसी सड़क बनाने की आवश्यकता जताई। पार्षद ने बताया कि मालियों की ढाणी, फौगाटों की ढाणी, चूड़सिद्ध की ढाणी और रामानंद स्कूल के आसपास के क्षेत्रों में पेयजल लाइनों को मुख्य पाइपलाइन से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही कुछ हिस्सों में पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने शिव मंदिर मालियों की ढाणी और विजय विहार कॉलोनी में नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने की मांग भी की। ज्ञापन में नवोदय कट से उपखंड कार्यालय होते हुए नवोदय स्कूल की बाउंड्री तक, शिव मंदिर मालियों की ढाणी तथा बृजमोहन मीणा के मकानों की ओर जाने वाले रास्ते पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। पार्षद ने कहा कि कई स्थानों पर लाइटें नहीं लगी हैं, जबकि कुछ लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं। इससे रात के समय आवागमन में परेशानी होती है और लोगों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है। पार्षद बनवारी लाल आर्य ने बताया कि राशन की दुकान दूर बाजार में होने के कारण वार्ड के बुजुर्गों को राशन लाने में काफी दिक्कत होती है। उन्होंने वार्ड संख्या 16 में ही राशन की दुकान खुलवाने की मांग की।

अग्रसेन जयंती आज

निवाई। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में 10 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन महाराज की 5180 जन्म जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसकी तैयारियों को लेकर अग्रवाल धर्मशाला में भंवरलाल सीदडा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती की व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। प्रधानाचार्य राकेश अग्रवाल व ताराचंद बोहरा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन महाराज जयंती का शुभारंभ 10 अक्टूबर को अग्रवाल धर्मशाला में सुबह 8 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा एवं सुबह 9 बजे से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। शाम को नसियां जैन मंदिर में महिला मण्डल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसी प्रकार 11 अक्टूबर को अग्रवाल धर्मशाला से महाराजा अग्रसेन महाराज की विशाल शोभायात्रा का जुलूस रवाना होगा। जो बड़ा बाजार व अहिंसा सर्किल होते हुए नसियां जैन मंदिर में पहुंचेगा। बैठक में भंवरलाल सीदडा, महावीरप्रसाद पराना, प्रधानाचार्य राकेश अग्रवाल, ताराचंद बोहरा, मोहनलाल अग्रवाल, रमेशचन्द अग्रवाल, संजय अग्रवाल, दिनेश मंगल, दिनेश गिन्दौड़ी, जिनेश मोटूका, विनोदकुमार जैन, दिनेश कुमार अग्रवाल, मुकेश मित्रपुरा, ताराचन्द भाणजा, रविकांत बौंली, रवि अग्रवाल व मुकेश गिन्दोड़ी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

कोटपूतली के ग्रामीण क्षेत्रों में कामगारों को मतदान की शपथ दिलाई

कोटपूतली। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में जिले में स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत वीबी-जी रामजी कामगारों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए मतदान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान कामगारों

- **जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीणा ने कहा- लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की सहभागिता जरूरी**

को लोकतंत्र में मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीणा ने बताया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की महत्वपूर्ण

स्वीप कार्यक्रम के तहत वीबी-जी रामजी कामगारों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए मतदान की शपथ दिलाई ।

भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से स्वीप के तहत जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार के महत्व को समझते हुए मतदान प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

डॉ. मीणा ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक ताकत मतदाताओं की जागरूकता और उनकी सक्रिय भागीदारी में निहित है। एक जागरूक मतदाता अपने मत का महत्व समझता है और बिना किसी प्रलोभन, दबाव अथवा भेदभाव के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करता है। उन्होंने कामगारों से आव्हान किया कि वे स्वयं मतदान के प्रति जागरूक रहें तथा अपने परिवारजनों, मित्रों और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकाधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान वीबी-जी रामजी कामगारों को मतदान के महत्व, मताधिकार के उपयोग तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया गया।

पावटा में सिलेंडर की होम डिलीवरी बंद हाने से उपभोक्ता परेशान

पावटा। ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी व्यवस्था प्रभावित होने से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। पहले बुकिंग के बाद गैस एजेंसी की ओर से सिलेंडर घर तक पहुंचाया जाता था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से उपभोक्ताओं को खुद निर्धारित स्थान पर पहुंचकर सिलेंडर लेना पड़ रहा है। इससे खासकर ग्रामीण परिवारों को रोजमर्रा के कामकाज के बीच अतिरिक्त समय निकालना पड़ रहा है।

करीब पांच महीने पहले तक गैस बुकिंग के बाद सिलेंडर घर तक पहुंचाने की व्यवस्था थी। अब गैस एजेंसी की गाड़ी अलग-अलग स्थानों पर खड़ी कर दी जाती है, जहां पहुंचकर लोगों को कतार में लगना पड़ता है। गाड़ी कब आएगी और कितनी देर रुकेगी, इसकी भी कोई निश्चित जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में कई बार जरूरी काम छोड़कर सिलेंडर लेने पहुंचना पड़ता है। ग्रामीण उपभोक्ताओं के अनुसार, घर तक डिलीवरी नहीं मिलने से महिलाओं, बुजुर्गों और उन परिवारों को अधिक परेशानी हो रही है, जिनके लिए सिलेंडर उठाकर लाना आसान नहीं है। गाड़ी के आने का तय समय नहीं होने से लोगों को इंतजार करना पड़ता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस

- **बुकिंग के बाद भी घर तक नहीं पहुंच रहा सिलेंडर, तय समय के अभाव में कामकाज छोड़ गाड़ी के इंतजार में लगानी पड़ रही कतार**

सिलेंडर जैसी आवश्यक सेवा के लिए उन्हें बार-बार अपना काम छोड़कर सड़क पर खड़ी गाड़ी तक पहुंचना पड़ रहा है।

उपभोक्ताओं ने रसद विभाग के अधिकारियों और उपखंड अधिकारी से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि गैस एजेंसी संचालकों को पाबंद कर बुकिंग के बाद घर तक सिलेंडर पहुंचाने की व्यवस्था फिर से सुचारू कराई जाए। साथ ही गैस वितरण वाहनों के आने का समय निर्धारित कर उपभोक्ताओं को इसकी पूर्व सूचना देने की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक इंतजार और परेशानी से राहत मिल सके। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी इस समस्या पर कितना ध्यान देते हैं और ग्रामीण उपभोक्ताओं को पहले की तरह घर तक रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था कब तक बहाल होती है।

कलैक्टर ने टपूकड़ा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

खैरथल। पंचायती राज चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने शुक्रवार को पंचायत समिति टपूकड़ा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भिवाड़ी क्षेत्र के थड़ा एवं बनवीरपुर स्थित राजकीय विद्यालयों में स्थापित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से मतदाताओं की संख्या, मतदान केंद्रों की स्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने मतदान कक्षों में पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त लाइट

- **निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षिणक स्तर की परख की।**

लगवाने तथा प्रत्येक मतदान केंद्र पर पेयजल, विद्युत, रैंप एवं शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मतदान कार्मिकों एवं मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया तथा गणित से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके शैक्षिणक स्तर का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के कार्मिकों से शैक्षिणक गतिविधियों एवं विद्यालय संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीसलपुर बांध की नहरों में समय पर पानी छोड़ने व सफाई करवाने की मांग

टोंक। बीसलपुर बांध की नहरों में समय पर पानी छोड़ने, नहरों की सफाई करवाने और सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर किसानों ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने प्रशासन से नवंबर के पहले सप्ताह में बैठक आयोजित कर नहरों में पानी छोड़ने की तारीख तय करने की मांग की।

किसानों ने बताया कि कलेक्टर ने पहले सप्ताह में बैठक करवाने का

- **बीसलपुर की नहरों में नवंबर के पहले सप्ताह में पानी छोड़ने की मांग,**
- **किसानों ने दी 10 नवंबर को पड़ाव की चेतावनी**

आश्वासन दिया है। यदि निर्धारित समय में बैठक नहीं हुई तो किसान 10 नवंबर को टोंक में पड़ाव डालेंगे।

किसानों ने कहा कि हर साल नहरों

किसानों ने नहरों की सफाई करवाने और सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

की सफाई, क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत और समय पर पानी छोड़ने की मांग उठानी पड़ती है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को समय रहते नहरों की सफाई और मरम्मत का काम पूरा करना चाहिए, ताकि किसानों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। किसानों ने कहा कि मनरेगा के तहत उपलब्ध प्रावधानों का उपयोग कर सफाई कार्य करवाया जाए, जिससे ग्रामीणों को रोजगार भी मिल सके।

किसानों ने बीसलपुर बांध से पेयजल और सिंचाई के लिए पानी के आवंटन से संबंधित समझौता पत्र उपलब्ध करवाने की मांग की। किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि उनके अनुसार समझौते में 16 टीएमसी पानी पेयजल और 8 टीएमसी पानी किसानों के लिए निर्धारित होने की बात है।

उन्होंने संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करवाने की मांग की, ताकि आगामी बैठक में तथ्यों के आधार पर अपनी बात रख सकें। किसानों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई करेग।

कैशियर एजेंट्स को लूटने से पहले वाहन चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की कार, एक लोडेड देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी और अवैध हथियार तस्करी के आरोपी मोहम्मद शकील (24) को गिरफ्तार किया है। जो उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में कश्मीरी गेट स्थित नूरी मस्जिद के पास गली नंबर 3 का निवासी है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की होंडा सिटी कार, एक लोडेड देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी जयपुर और दिल्ली में कैशियर एजेंटों को लूटने की योजना बना रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में पहले भी मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ जयपुर, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में दिन के समय चौपहिया वाहनों की रैकी करता था। रात में मास्टर चाबी से लॉक खोलकर वाहन चोरी किए जाते थे। वारदात के दौरान विरोध होने पर डराने के लिए आरोपी अवैध हथियार रखते थे। चोरी की गाड़ियों को फिरोजाबाद और मैनपुरी में कबाड़ियों को कम कीमत पर बेच दिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी वाहन चोरी के साथ अवैध हथियारों की बिक्री में भी संलिप्त है। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर और दिल्ली में अपने साथियों के साथ कैशियर एजेंटों को लूटने की फिराक में घूमने की बात बताई है। आरोपी ने करीब आधा दर्जन वाहन चोरी की वारदातें स्वीकार की हैं।

पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ में फिरोजाबाद के रसूलपुर, शिकोहाबाद थाने , रामगढ़ तथा जयपुर के मुरलीपुरा और झोटवाड़ा थाने में मामले दर्ज है। इस मामले में कार्रवाई करने वाली टीम में झोटवाड़ा थानाधिकारी रायसल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक सुनील चौहान व राम सिंह, हेड कांस्टेबल बलराम व मालीराम, कांस्टेबल दयाराम, नरेंद्र सिंह, इंद्राज व गजानंद तथा तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार और कांस्टेबल श्रीराम शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, बलराम, मालीराम, दिनेश कुमार और दयाराम की विशेष भूमिका रही।

झोटवाड़ा पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी और अवैध हथियार तस्करी के आरोपी मोहम्मद शकील को गिरफ्तार किया।

- **पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ जयपुर, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में दिन के समय चौपहिया वाहनों की रैकी करता, फिर रात में मास्टर चाबी से लॉक खोलकर वाहन चुराता।**
- **वारदात के दौरान विरोध होने पर डराने के लिए आरोपी अपने साथ अवैध हथियार रखते थे। चोरी की गाड़ियों को फिरोजाबाद और मैनपुरी में कबाड़ियों को कम कीमत पर बेच दिया जाता था।**

"प्रवासी राजस्थानी दिवस" 10 दिसंबर को जयपुर में

जयपुर (कासं)। प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों के स्वागत, होटल, परिवहन, सुरक्षा, यातायात, शहर के सौंदर्यीकरण और प्रचार-प्रसार सहित सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने बताया कि मुख्य आयोजन 10 दिसंबर को जयपुर स्थित जेईसीसी में होगा। इसमें 4 हजार से अधिक प्रवासी राजस्थानी और उद्योगपति शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र के साथ प्रवासी राजस्थानी, उद्योग, पर्यटन, ऊर्जा, नगरीय विकास और खनिज विषयों पर छह सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान राइजिंग राजस्थान के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग भी होगी। मुख्य सचिव ने प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार, निवेश परियोजनाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित सभी गतिविधियों के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए।

- **समारोह में 4 हजार से अधिक प्रवासी और उद्योगपति शामिल होंगे**
- **मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने तैयारियों की समीक्षा कर समय से पहले काम पूरा करने के निर्देश दिए**

बैठक में बताया गया कि देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों को आयोजन में आमंत्रित किया जा रहा है। इसके तहत बेंगलुरू, भुवनेश्वर, कोलकाता और गुवाहाटी में प्रवासी राजस्थानी मीट आयोजित की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में 10 दिसंबर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसंबर को आयोजित होगा। इसका उद्देश्य देश-विदेश में बसे राजस्थानियों को एक मंच पर लाना और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ना है।

अस्पतालों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 10 अक्टूबर को विश्व हॉस्पिस एवं पैलिएटिव केयर दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के जिला चिकित्सालयों और संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को दर्द से राहत देने तथा बेहतर देखभाल के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस वर्ष दिवस की थीम 'दर्द प्रबंधन : पैलिएटिव केयर का जरूरी हिस्सा' रखी गई है।

सार-समाचार

राजस्थान में छोटे कारोबारों का कर्ज पोर्टफोलियो 16.8 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। देश में छोटे कारोबारों को कर्ज मिलना आसान होने के साथ इस क्षेत्र में ऋण की वृद्धि भी तेज हुई है। सीआरआईएफ और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 तक देश में छोटे कारोबारों का कुल क्रेडिट पोर्टफोलियो बढ़कर 50.9 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। इसमें सालाना 14.9 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 'सीआरआईएफ-सिडबी स्मॉल बिजनेस स्पॉटलाइट रिपोर्ट' के अनुसार, सक्रिय ऋणों की संख्या में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अकेले कारोबार संचालित करने वाले लोगों का ऋण पोर्टफोलियो 19.3 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, 91 से 180 दिन तक बकाया रहने वाले ऋणों का अनुपात एक साल में 1.5 प्रतिशत से घटकर 1.2 प्रतिशत रह गया, जो भुगतान की स्थिति में सुधार का संकेत है। रिपोर्ट के मुताबिक, छोटे कारोबारों के कुल बकाया ऋण में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 42 प्रतिशत रही। कम जोखिम वाली श्रेणी के कारोबारों की हिस्सेदारी भी जून 2024 के 66.4 प्रतिशत से बढ़कर जून 2026 में 70.9 प्रतिशत हो गई। राजस्थान में छोटे कारोबारों का क्रेडिट पोर्टफोलियो 3.4 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो देश के कुल पोर्टफोलियो का 6.8 प्रतिशत है। प्रदेश में इसकी सालाना वृद्धि दर 16.8 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राज्य में 53 लाख से ज्यादा पंजीकृत उद्यम हैं और 77.3 प्रतिशत क्रेडिट एक्सपोजर कम जोखिम वाली श्रेणी में है। सीकर और नागौर जिलों में भी कारोबार से जुड़े ऋण की वृद्धि राज्य के औसत से तेज दर्ज की गई।

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का 27 नवंबर से

जयपुर। चिकित्सकों और उनके परिवारजनों के बीच लोकप्रिय डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग (डीबीएल) का आठवां संस्करण 27 नवंबर से 6 दिसंबर तक स्पोफिट अकादमी में आयोजित होगा। प्रतियोगिता में जयपुर सहित राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों के प्रमुख अस्पतालों तथा चिकित्सकों की टीमें भाग लेंगी। लीग को लेकर चिकित्सकों में खासा उत्साह है और प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की जा चुकी हैं। डीबीएल संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष, महिला और किड्स वर्ग के टीम मुकाबलों के साथ दबंग एवं मलंग डबल्स, ट्रायो चैंपियनशिप और बैडमिंटन जोड़ी ऑफ द ईयर प्रतियोगिताएं होंगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पुरुष वर्ग के समन्वयक डॉ. दिलीप गुप्ता और डॉ. मनीष जैन होंगे। महिला वर्ग की जिम्मेदारी प्रेम चौधरी, डॉ. रश्मि और डॉ. सतपाल यादव संभालेंगे। बच्चों की प्रतियोगिताओं के समन्वयक डॉ. निधि पुनिया और डॉ. नफीस तथा बॉयज वर्ग के समन्वयक डॉ. गजेंद्र सिंह और डॉ. श्रवण यादव होंगे। आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि इस बार ट्रायो चैंपियनशिप का चौथा संस्करण और डीबीएल कपल ऑफ द ईयर प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। इनके समन्वयक डॉ. अजित जैन होंगे। संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. सुधांशु शर्मा के अनुसार, हर साल की तरह सीनियर, जूनियर और किड्स टीम इवेंट भी होंगे। इस बार डीबीएल फनमिंटन का आयोजन भी किया जाएगा, जिसकी समन्वयक डॉ. अंकिता जैन होंगी। लीग समन्वयक डॉ. रवींद्र गोठवाल ने बताया कि ओपन वर्ग में दबंग, मलंग और लीजेंड्स श्रेणियों के डबल्स मुकाबले होंगे। इस बार प्रतियोगिता को और भव्य बनाने की तैयारी है।

"आरोहण-2026" में गूंजे गीता के संदेश

जयपुर। स्कॉटल हाई स्कूल का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव 'आरोहण-2026' शुक्रवार को सी-स्कीम स्थित बिरला ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। 7 से 9 अक्टूबर तक आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, संस्कार, भगवद्गीता की शिक्षाओं और जीवन मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा दिखाई। समापन समारोह में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने 'युगांतर- जर्नी थ्रू द एजेस विद द विजडम ऑफ गीता' विषय पर प्रस्तुति दी। इसके माध्यम से भगवद्गीता की शिक्षाओं और वर्तमान जीवन में उनकी प्रासंगिकता को दर्शाया गया। द आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर के कुलपति प्रो. पी.जे. जॉन मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय के संस्थापक एवं निदेशक अभिमन्यु जाखड़ ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि बच्चों को आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना और जीवन मूल्यों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह के पहले दिन कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों ने 'द म्यूजियम ऑफ टाइमलेस वैल्यूज' विषय पर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय वायुसेना के आईएल-76 भारी परिवहन विमान को उड़ाने वाली पहली महिला पायलट वीणा सहारण रहीं। दूसरे दिन कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने 'गार्जियंस ऑफ धर्मा एंड कर्मा' विषय पर प्रस्तुतियों के माध्यम से कर्तव्य, कर्म और जिम्मेदारी का महत्व बताया। इस अवसर पर प्रसिद्ध हिंदी लेखिका मनीषा कुलश्रेष्ठ मौजूद रहीं। तीनों दिन विद्यार्थियों ने कला, रचनात्मकता और मंचीय कौशल का प्रदर्शन किया।

आईसीए गैलरी में "वर्चुओसिटी" प्रदर्शनी

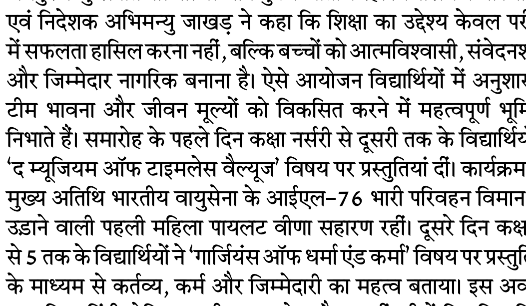

जयपुर। आधुनिक भारतीय कला की समृद्ध विरासत और प्रतिष्ठित कलाकारों की कलात्मक उपलब्धियों को समर्पित आईसीए गैलरी की वार्षिक प्रदर्शनी 'वर्चुओसिटी' शनिवार से सी-स्कीम स्थित आईसीए गैलरी में सजेगी। प्रदर्शनी में आधुनिक भारतीय कला के 65 से अधिक प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। इससे कला प्रेमियों को भारतीय कला की विविध शैलियों, विचारों और अभिव्यक्तियों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी में एम.एफ. हुसैन, एस.एच. रज़ा, एफ.एन. सूज़ा, भूपेन खख्खर, जोगेन चौधरी, के. लक्ष्मा गौड़, कृष्ण खन्ना, के.एच. आरा, टी. वैकुंठम, अंजोली इला मेनन, रामगोपाल विजयवर्गीय और नन्नू सिंह सहित कई प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां शामिल होंगी। "वर्चुओसिटी" में आधुनिकतावादी कला की प्रभावशाली अभिव्यक्तियों, विशिष्ट चित्रांकन शैलियों और भारतीय पहचान, संस्कृति तथा समाज की विविध व्याख्याओं को प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्देश्य आधुनिक भारतीय कला के विकास में इन कलाकारों के योगदान को रेखांकित करने के साथ देश की समृद्ध कलात्मक विरासत के प्रति समझ और सराहना बढ़ाना है।

19 साल पुरानी रजिस्ट्री में फेरबदल का आरोप

जयपुर। आमेर तहसील के लबाना क्षेत्र में कृषि भूमि के मालिकाना हक में कथित जालसाजी के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर जिला के आदेश पर चंदवाजी थाना पुलिस ने शंकर मित्तल, विमल शंकर मित्तल और एसकेडी रिसॉर्ट्स प्रा. लि. के खिलाफ धोखाधड़ी व कूटरचना सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर के अनुसार, नीमकाथाना निवासी 70 वर्षीय सांवरमल अग्रवाल के नाम वर्ष 2007 में लबाना के 47 खसरों की 5.78 हेक्टेयर भूमि का एक-चौथाई हिस्सा दो पंजीकृत विक्रय पत्रों के जरिए खरीदा गया था।

आरोप है कि रजिस्ट्री में फेरबदल कर उनके नाम के साथ कंपनी से जुड़ा विवरण दर्ज किया गया। शिकायत में 9 चेकों से किए गए कथित 90 लाख रुपए के भुगतान पर भी सवाल उठाए गए हैं। कंपनी मामलों के मंत्रालय के रिकॉर्ड के अनुसार, सांवरमल की निदेशक पद पर नियुक्ति 28 नवंबर 2007 को हुई थी, जबकि दोनों रजिस्ट्रियां इससे पहले हुई थीं।

सांवरमल के अधिवक्ता राकेश शेखावत ने 16 सितंबर 2026 को आमेर की उप पंजीयक नीलम मित्तल को कानूनी नोटिस भेजकर एक अन्य रजिस्ट्री में भी कथित फेरबदल का आरोप लगाया। शिकायत के मुताबिक, 1.13 हेक्टेयर भूमि के मूल खरीदार का नाम हटाकर कंपनी का नाम 'लिपिकीय त्रुटि सुधार' के तहत दर्ज किया गया, जबकि खरीदार की सहमति नहीं ली गई। इस भूमि का वर्ष 2007 में मूल्य करीब 50 लाख रुपए बताया गया है। सांवरमल अग्रवाल ने भूमि कंपनी के नाम करने के लिए दबाव और धमकी देने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए शपथ 10 अक्टूबर को

जयपुर। राजस्थान में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 10 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मानसिक स्वास्थ्य माह मनाया जा रहा है। इसके तहत 10 अक्टूबर को प्रदेशभर में मानसिक स्वास्थ्य शपथ अभियान चलाया जाएगा।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तनाव, चिंता या परेशानी के समय परिवार और दोस्तों से बात करना, एक-दूसरे को समझना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेना जरूरी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से डिजिटल शपथ लेकर अभियान से जुड़ने और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। स्कूल-कॉलेजों, सरकारी विभागों, सामाजिक संस्थाओं और आमजन की भागीदारी से अभियान को व्यापक बनाया जा सकता है।

माइक्रो फाइनेंस एजेंट से 1.26 लाख रु. लूटने वाले दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। दौलतपुरा थाना पुलिस ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट से 1.26 लाख रुपए लूटने के मामले का खुलासा करते हुए दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर पुलिस ने साढे सात-सात हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस अब लूटी गई राशि और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद करने के प्रयास कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि नाथूराम बागड़ी निवासी मंगलाना जिला परबतसर और हाल आमेर ने दौलतपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह नाबार्ड बैंक की सहायक कंपनी नब्फीन्स लिमिटेड में महिला समूह ऋण (जेएलजी) की किस्तों का संग्रह करता है। तीन अक्टूबर को वह खोराश्यामदास से करीब 1 लाख 26 हजार रुपए एकत्र कर बैग में रखकर मोटरसाइकिल से बदनपुरा जा रहा था। बदनपुरा से पहले बाइक सवार दो बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल की टंकी पर रखा बैग छीन लिया और फरार हो गए।

आरोपी मनीष कुमावत व अनु सैनी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा संदिग्ध मोटरसाइकिल का रूट मैप तैयार किया। फुटेज और हुलिए के आधार पर दो संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की गई।

- **दौलतपुरा पुलिस ने 150 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर बदमाशों को दबोचा**

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष कुमावत उर्फ गनू उर्फ चैला (18) पुत्र महेश कुमावत और सागर सैनी उर्फ अनु उर्फ श्याला (20) पुत्र ओमप्रकाश सैनी के रूप में हुई है। दोनों जयपुर पश्चिम के दौलतपुरा थाना क्षेत्र में खोराश्यामदास के बदनपुरा स्थित डूंगरी की ढाणी के निवासी हैं। पुलिस आरोपियों से लूटी गई रकम, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

विदेशी महिला बनकर 22 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाला गुरुग्राम से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। विदेशी मुद्रा, विदेश में नौकरी और भारत आने का झांसा देकर जयपुर निवासी से 22 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में राजस्थान पुलिस के सेंट्रल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (आर4सी) ने एक आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपी वसीम हुसैन निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश ने अपने तीन बैंक खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने और आगे दूसरे खातों में भेजने के लिए किया। पुलिस के अनुसार, इन खातों में परिवादी से ठगे गए करीब 4.12 लाख रुपए जमा हुए थे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अब रकम के लेन-देन और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम के अनुसार जयपुर निवासी परिवादी ने शिकायत में बताया कि 3 मई 2024 को फेसबुक पर उसकी बातचीत दिओंन मार्ले नाम की महिला से शुरू हुई। महिला ने खुद को अमेरिका का निवासी और इंग्लैंड के मैनचेस्टर स्थित एक दवा कंपनी में लेखाकार बताया। उसने परिवादी के बेटे को विदेश में नौकरी दिलाने और खुद भारत आने का भरोसा दिलाया।

इसके बाद कथित महिला और उसके साथियों ने हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क, मनी लॉन्ड्रिंग प्रमाणपत्र, आयकर, लाउंजिंग शुल्क और विदेशी मुद्रा को भारतीय खाते में स्थानांतरित करने जैसी अलग-अलग वजह बताकर रुपए मांगे। विश्वास जीतने के लिए व्हाट्सऐप पर फर्जी पासपोर्ट, हवाई टिकट, विदेशी बैंक की रसीद, मास्टरकार्ड तथा सीमा शुल्क और आयकर विभाग से जुड़े कूटरचित दस्तावेज भेजे गए।

जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग व्यक्तियों और सरकारी अधिकारियों का रूप धारण कर फोन करते थे। वे खुद को सीमा शुल्क और अन्य विभागों का अधिकारी बताकर विभिन्न बैंक खातों में रकम जमा करवाते रहे। इस तरह परिवादी से कुल 22 लाख रुपए ऐंठ लिए गए।

- **फेसबुक पर दोस्ती कर विदेश में नौकरी का झांसा दिया था**
- **आरोपी ने फर्जी कस्टम रसीदों और सरकारी अधिकारी बनकर रुपए ऐंठे, इनमें से करीब 4.12 लाख रुपए आरोपी के खातों में पहुंचे**

आगे रकम देने से इनकार करने पर आरोपियों ने परिवादी के घर का पता होने की बात कहकर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस के अनुसार, गिरोह सोशल मीडिया के माध्यम से विशेष रूप से बुजुर्गों और अकेले रहने वाले लोगों को निशाना बनाता था।

पुलिस जांच के अनुसार वसीम हुसैन के तीन बैंक खातों में ठगी के करीब 4.12 लाख रुपए आए, जिन्हें आगे दूसरे खातों में भेजा गया या एटीएम से निकाला गया। आरोप है कि वसीम ने अपने चचेरे भाइयों मुर्सद हुसैन और अर्सद हुसैन के कहने पर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाए और उनके एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक तथा खातों से जुड़े मोबाइल सिम उन्हें सौंप दिए। इसके बदले उसे 70 हजार रुपए कमीशन देने का लालच दिया गया था।

निजी गाड़ियां किराए पर दीं तो कार्रवाई होगी

जयपुर। निजी वाहनों को किराए पर देने और बिना वैध लाइसेंस के गाड़ियां किराये पर चलाने वालों के खिलाफ जयपुर पुलिस ने सख्ती की है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) अजय सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार निजी वाहनों को किराए पर देना प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, बिना वैध लाइसेंस व आवश्यक परमिट के वाहन किराए पर देने वाली फर्मों और व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

पुलिस के संज्ञान में आया कि जयपुर में कई फर्मों और व्यक्तियों की ओर से बिना लाइसेंस वाहन किराए पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन केंद्रों से आपराधिक तत्वों द्वारा वाहन लेकर अवैध गतिविधियों और अपराधों को अंजाम देने की आशंका रहती है। निजी वाहनों को भी नियमों के विरुद्ध किराए पर दिया जा रहा है। इसे देखते हुए पुलिस ने वाहन किराए पर देने की व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार केंद्र सरकार की 'रेंट ए कैब स्कीम, 1989' के तहत निर्धारित नियमों की पालना करना अनिवार्य होगा। कोई भी फर्म या व्यक्ति वैध लाइसेंस के बिना वाहन किराए पर नहीं दे सकेगा। लाइसेंस की वैधता पांच वर्ष होगी और समय पर उसका नवीनीकरण कराना जरूरी होगा। केवल उन्हीं वाहनों को किराए पर दिया जा सकेगा, जिनके पास मोटर वाहन अधिनियम की धारा 88 की उपधारा के तहत आवश्यक परमिट होगा। वाहन किराए पर देने वाले फर्म या केंद्र के पास कम से कम एक चालू टेलीफोन नंबर होना चाहिए, जो 24 घंटे उपलब्ध रहे। पूर्ण दस्तावेजों के बिना या अनफिट वाहनों को किराए पर देना प्रतिबंधित रहेगा। वाहन किराए पर देने से पहले संबंधित व्यक्ति का संपर्क नंबर, पूरा पता और वैध पहचान दस्तावेजों का सत्यापन करना होगा। वाहन में यात्रा करने वाले अन्य सभी व्यक्तियों का विवरण और पहचान पत्र भी लेना अनिवार्य होगा। फर्म या केंद्र को एक रजिस्टर संधारित करना होगा। इसमें किराए पर दिए गए वाहन, चालक और यात्रियों के नाम-पते, यात्रा की अवधि, यात्रा का उद्देश्य बताना होगा।

- **जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 11 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक लागू रहेगा आदेश**

अपहृत व्यक्ति को छह घंटे में सकुशल बचाया

जयपुर। जयपुर के टोंक फाटक इलाके से एक व्यक्ति के अपहरण के मामले में बजाज नगर और तूंगा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 6 घंटे में अपहृत को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 8 अक्टूबर को टोंक फाटक स्थित जयकिशन कॉलोनी से एक व्यक्ति के अपहरण की सूचना मिली थी। परिवादी गौरव कुमार अग्रवाल निवासी रजनी विहार, श्रीराम की नांगल की रिपोर्ट पर बजाज नगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जिस पर बजाज नगर थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जिलेभर में नाकाबंदी करवाई, तकनीकी विश्लेषण के दौरान आरोपियों की लोकेशन तूंगा क्षेत्र में मिली। जिस पर तुंगा थानाधिकारी सज्जन सिंह ने अपनी टीम के साथ घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से अपहृत व्यक्ति को सकुशल मुक्त करा लिया।

गौ अधिकार हुंकार रैली में जुटे 50 हजार गौ-सेवक

जयपुर। प्रदेश की गौशालाओं को नियमित अनुदान देने, ऑडिट रिकवरी के नाम पर निकाली गई करीब 100 करोड़ रुपए की राशि की समीक्षा करने और गोवंश के लिए पर्याप्त पानी, चारा व चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में 'गौ अधिकार हुंकार रैली एवं महासम्मेलन' आयोजित किया गया। राजस्थान गोसेवा समिति के बैनर तले हुए आयोजन में प्रदेशभर की करीब 4,300 गौशालाओं के 50 हजार से अधिक गोसेवक और करीब 700 संत-महात्मा शामिल हुए। सम्मेलन में गोवंश संरक्षण से जुड़ी समस्याएं उठाई गईं। वहीं, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने गौशालाओं की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पैकेज और कमेटी बनाने सहित कई कदमों की जानकारी दी।

अखिल भारतीय गौ-सेवा सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक अतुल गुप्ता के अनुसार, सम्मेलन में राज्य सरकार की ओर से मंत्री के.के. बिश्नोई और जोगाराम कुमावत पहुंचे। उन्होंने बताया कि सरकार ने गौशालाओं के लिए तीन महीने के विशेष पैकेज के तहत 400 करोड़ रुपए दिए हैं। अप्रैल से जुलाई तक चार महीने का अनुदान अग्रिम देने और गौशालाओं से बकाया राशि की रिकवरी नहीं करने की बात भी कही गई। इसके अलावा गौशालाओं की समस्याओं और मांगों के समाधान के लिए कमेटी बनाई जाएगी, जो तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। राजस्थान गोसेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष महंत गोविन्दराम शास्त्री ने कहा कि गोसेवा को लेकर सरकार की सोच सकारात्मक है, लेकिन योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन जरूरी है। प्रदेश की हजारों गौशालाएं निराश्रित गोवंश की देखभाल कर रही हैं। अनुदान मिलने में देरी और संसाधनों की कमी से उनके संचालन में परेशानी आती है। उन्होंने अनुदान जारी करने के लिए निश्चित कैलेंडर बनाने और व्यवस्था को पारदर्शी करने की मांग की। समिति के प्रदेश महामंत्री सीए बीपी क्याल ने कहा कि अनुदान में देरी का सीधा असर गौशालाओं में चारे, पानी, पशु चिकित्सा और रोजमर्रा के संचालन पर पड़ता है। उन्होंने ऑडिट रिकवरी के नाम पर निकाली गई करीब 100 करोड़ रुपए की राशि की समीक्षा वास्तविक परिस्थितियों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर करने की मांग रखी। द्वारका पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित करने और उन्हें पशु की श्रेणी से ऊपर दर्जा देने की मांग उठाई।

Celebrating Style and Function

National Handbag Day, observed annually on October 10, honors one of fashion's most iconic and versatile accessories: the handbag. Beyond functionality, handbags reflect personal style, status, and creativity, seamlessly combining fashion with utility. From timeless leather totes to modern crossbody designs, they carry essentials while making bold style statements. The day celebrates craftsmanship, innovation, and iconic designs that have shaped the fashion industry. It also highlights the handbag's role in empowering individuals, serving not just as a practical companion but as a symbol of personal expression and elegance in everyday life.

#JLF

Jaipur Literature Festival First Speakers For 20th Edition

The scientific and intellectual voices are Marcus du Sautoy, Simonyi Professor for the Public Understanding of Science and Professor of Mathematics

Isabella Hammad

James Wood

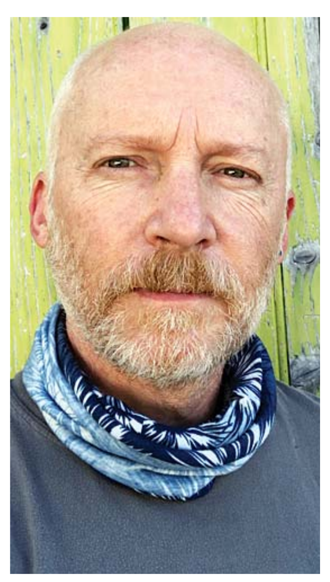

Marcus du Sautoy

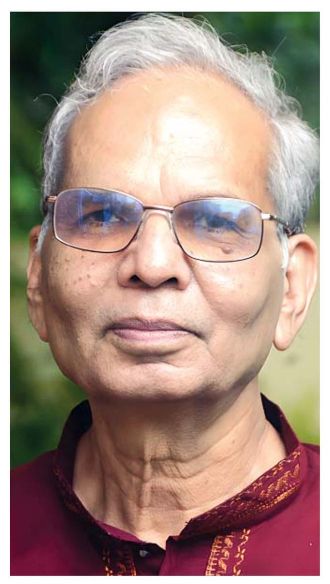

Radhavallabh Tripathi

The iconic and much-awaited Jaipur Literature Festival announced its first list of speakers confirmed for its upcoming 20th edition, hosted at Hotel Clarks Amer.

Among the first speakers announced are Anamika, Tahmima Anam, Omar El Akkad, Avni Doshi, Steve Brusatte, Drummond Money-Coutts, Homi K. Bhabha, Shrabani Basu, Louise Kennedy, Prabal Gurung, Sanjoy Hazarika, Isabella Hammad, S.Y. Quraishi, Indira Jaising, B. Jeyamohan, Justice Sanjay Kishan Kaul, Karan Mahajan, Kiran Mazumdar-Shaw, Damodar Mauzo, Dame Meera Syal, Marcus du Sautoy, Geetanjali Shree, Molly Crabapple, Vali Nasr, Esther Duflo, David Van Reybrouck, Sudha Murty, Olga Tokarczuk, James Wood, Lyse Doucet, and Radhavallabh Tripathi, among many others.

Among the scientific and intellectual voices are Marcus du Sautoy, Simonyi Professor for the Public Understanding of Science and Professor of Mathematics at the University of Oxford; palaeontologist Steve Brusatte; and leading economists, academics and public intellectuals whose work engages with some of the defining questions of our time.

The Festival will also spotlight India's rich and diverse literary traditions, bringing together writers from across its many linguistic cultures. The line-up includes Radhavallabh Tripathi, a distinguished Sanskrit scholar and writer; Anamika, a renowned Hindi poet, Dhrubajyoti Borah, an acclaimed Assamese writer; Makarand Sathe, a Marathi playwright and writer Paul Zacharia, one of Malayalam literature's leading voices; Damodar Mauzo, a celebrated Konkani writer; Vasudhendra, writing in Kannada; Gautam Choubey, a bilingual writer of Hindi and Bhojpuri; Raam Mori, a prominent Gujarati writer; and Jeyamohan, a bilingual writer of Tamil and Malayalam.

The Festival will also bring literature into conversation with other forms of creative expression, with voices such as Dame Meera Syal and Prabal Gurung representing the worlds of performance, popular culture and fashion, alongside magician and storyteller Drummond Money-Coutts.

January is the month of the two-faced Janus, who looks at both the past and the future. Come January , the world will once again visit Jaipur, and Jaipur will visit the world , for "the Greatest Literary Show on Earth."

William Dalrymple, Festival Co-Director, Jaipur Literature Festival, said, "Twenty years of the Jaipur Literature Festival is a remarkable milestone for a festival that began as a small literary gathering and grew into one of the world's great celebrations of literature and ideas. What makes Jaipur unique is the extraordinary range of voices it brings together - from established literary figures to emerging writers, scientists, historians, artists and thinkers from across India and the world. The Festival has always been about the excitement of discovery, and this twentieth edition will celebrate that spirit while opening the door to the next chapter."

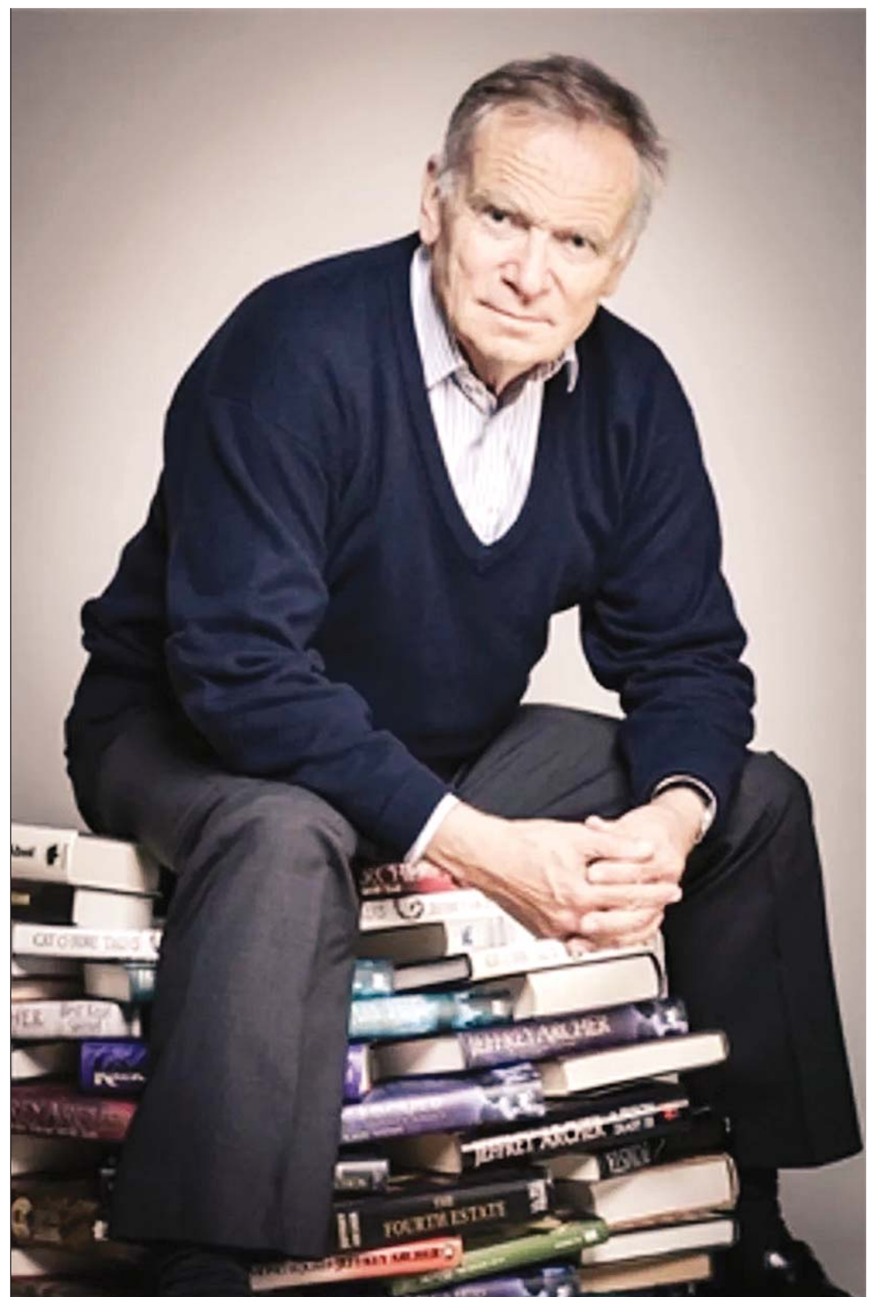

"Jeffrey Archer presents The Beatles in concert," and managed to get the band to actually visit the campus. Later, Ringo Starr famously remarked of him: "He strikes me as a nice enough fella, but he's the kind of bloke who would bottle your piss and sell it." And close to home, at the Jaipur Literature Festival in 2019, a young street vendor approached him with pirated copies and asked, "Sir, do you want the latest Jeffrey Archer?" Archer replied, "I am the latest Jeffrey Archer."

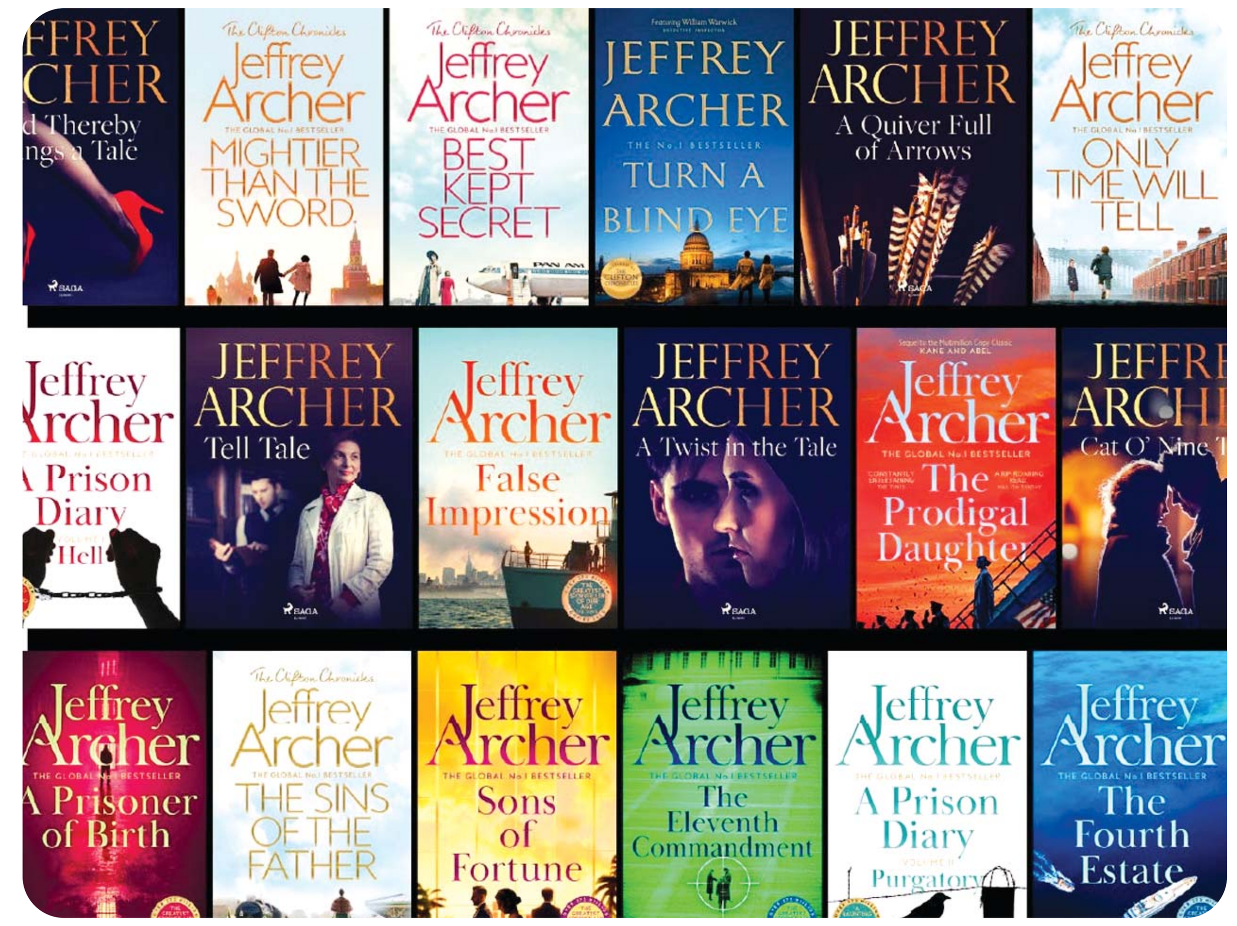

He Was A Thriller Who Wanted To Be A P. M.

#NOT A PENNY LESS

● **Bulbul Joshi**

British writer Jeffrey Archer, nickname Tuppence, who died at 86 on October 5, might have been the first to admit that his life was the sort of script that could have been rejected by an editor for being far too dramatic. Athlete, MP, political aspirant, best-selling novelist, convicted perjurer, comeback artiste, the arc of Archer's life showed a great talent for reinvention, a phoenix-like ability to rise from the ashes. He understood that public life, like fiction, runs on appetite, for money, power, recognition and redemption, and he had a keen instinct for all four. Even his death, arriving on the eve of the publication of Adam and Eve, carries the theatricality of a final twist.

"Jeffrey Archer presents The Beatles in concert," and managed to get the band to actually visit the campus. Later, Ringo Starr famously remarked of him: "He strikes me as a nice enough fella, but he's the kind of bloke who would bottle your piss and sell it."

And close to home, at the Jaipur Literature Festival in 2019, a young street vendor approached him with pirated copies and asked, "Sir, do you want the latest Jeffrey Archer?" Archer replied, "I am the latest Jeffrey Archer."

Archer's literary life began after a personal setback, a financial defraud that had rendered him bankrupt. But *Not a Penny More, Not a Penny Less*, published in 1976, and followed in succession by A Quiver Full of Arrows (1980), First Among Equals (1984), and novels such as Kane and Abel (1979) and Shall We Tell the President? (1986) led to a reversal of fortunes. Despite a lukewarm reception by critics, his books sold over 300 million copies in a career spanning five decades. He reflected on that low point by saying, "I was so low, I would have sold fake Gucci bags on street corners."

His appetite for drama, however, proved ruinous in politics, his ascent through Conservative ranks and his ambitions for high office ended in disgrace after a libel case, followed by his conviction for perjury and imprisonment. But prison turned into more source material, a new chapter in another new beginning that brought more bestsellers.

It was the first instance of Archer using his less-than-glamorous life to his advantage, not that it is, by any means, problematic or even frowned upon. However, it did forever entangle the literary with the scandalous. How anyone can ever look at one without the other is a near impossibility.

Jeffrey Archer and his wife Mary leaving the High Court, in London, in 1987 after winning record damages at the time of £500,000 for the libel action against The Star Newspaper, which alleged that he had slept with a prostitute.

During an interview in India while promoting *A Prisoner of Birth*, Archer ordered a cocktail of orange and grape juice. When grape juice was unavailable, he became fascinated by watermelon juice, grilling the reporter with half a dozen questions about its origin, quality, and availability. He was a killer for work, Archer maintained an intense, clockwork work ethic across his career, breaking his day into strict writing blocks (6:00 to 8:00 AM, 10:00 AM to 12:00 PM, 2:00 to 4:00 PM, and sometimes 6:00 to 8:00 PM), often churning out 12 to 14 drafts of a single novel.

The former Conservative MP was jailed for perjury in 2001 after being found guilty of lying and cheating in his 1987 libel case against the Daily Star.

Archer was born in north London in 1940 but soon moved to Weston-super-Mare in Somerset, where his family bought a house from John Cleese's mother. In 1969, Archer was elected MP for the Lincolnshire constituency of Louth. He served as an MP for five years before becoming Conservative Party deputy chairman.

He moved to the House of Lords in 1992 but was jailed for four years for perjury and perverting the course of justice in 2001. He was found to have lied in libel action he had brought against the Daily Star newspaper, in which he was awarded £500,000 in damages.

The Star had alleged Archer had slept with a sex worker. The peer was found by the court to have perverted the course of justice by asking a former friend to give him a false alibi and producing fake diary entries to back up his story. He was also found to have perjured himself on oath during the libel trial.

He was released in 2003 and returned to the House of Lords until he retired in 2024.

Conservative Party leader Kemi Badenoch described Archer's death as "devastating news." "We will miss him very much," adding that he had texted her earlier on Monday. Badenoch said that he was "very much loved by the Conservative family," adding: "I'm glad that I saw him recently."

Speaking about what she described as "other parts of his life," she said: "He did serve his time, he made amends, and he wanted to do a lot of good in the world."

Former Conservative prime minister Sir John Major said, "We have lost a man who lived one of the most remarkable lives of our age," and that he will be "much missed - and long remembered."

Archer's last novel, *Adam and Eve*, was released on Tuesday.

Broadcaster Gyles Brandreth told BBC Breakfast that he was with Archer on Sunday. "I mean, literally 72 hours ago, doing a show in the West End of London celebrating this book, the publication, and he was in great form."

"He didn't really acknowledge that he'd changed much since being in prison, but I think he became a nicer person in some ways, a gentler, milder person after the prison experience."

Former Conservative Party leader Iain Duncan Smith described Archer as "a remarkable man who did everything at full bore," adding: "There were simply no half measures with him."

Other former ministers also paid tribute. Sajid Javid said that Archer had been a "dear friend," while Sir Jeremy Hunt said that Archer had "showed enormous kindness with his advice about how to become a writer."

James Cleverly said that the author and politician had been "a huge personality and fantastic storyteller," and that he had been very supportive when his wife Suzie was recovering from cancer.

Reform UK member and former Conservative minister Nadim Zahawi wrote: "Jeffrey Archer was a dear friend and an extraordinary human being. His gift for storytelling was matched by his wit, warmth and boundless energy. Life was never dull in Jeffrey's company."

Michael Grade, who produced the TV adaptation of Archer's *Kane and Abel*, said that he "was a consummate storyteller in real life as well as on the page." "That was his greatest skill. But his greatest regret, I'm sure, was that he wasn't able to fulfill his political ambitions. I think he always secretly wanted to be, not necessarily so secretly, to be prime minister."

"But because of the mistakes he made in his life, it wasn't for me. But he loved politics more than anything," Lord Grade said.

Kate Elton, CEO of Archer's publisher HarperCollins, told BBC's Radio 4 Today programme: "He was curious about everybody and everything and he was just enormous fun." Last week, Archer returned to his former school to promote his last book.

"It's wonderful to come back. What I got a real thrill about when I was walking towards the library is seeing the young boys and girls and thinking, 'that's the next generation,'" Archer said at Wellington School.

Archer had been due to attend the Cheltenham Literature Festival on Saturday to discuss his final novel. He and his wife Mary had celebrated their 60th wedding anniversary this year, HarperCollins said. The couple have two sons and five grandchildren.

rajeshsharma1049@gmail.com

Jeffrey Archer and his wife arriving at the High Court in London for the libel trial brought by the novelist against The Star newspaper, July 1987.

#EARL GREY

A Tea Of Gratitude

Recognizing its appeal, Grey is said to have realized he was sitting on something special, almost like "liquid gold." He then partnered with Twinnings tea Company

Few teas carry as much quiet prestige as Earl Grey tea. Fragrant, citrusy, and unmistakably refined, it has long been associated with British sophistication. But one popular story about its origins reads more like a dramatic tale of chance, courage, and reward.

According to legend, the story begins in the 1830s, when Charles Grey, 2nd Earl Grey was on a diplomatic mission in China. During his travels, he reportedly came across a young boy struggling in a river. Acting quickly, Grey saved the child from drowning, an act that would unexpectedly shape the future of tea.

The boy's father, as the story goes, was no ordinary man but a high-ranking mandarin who guarded a closely held family secret: a unique tea blend passed down through generations. In gratitude for saving his son, he presented Grey with this treasured recipe, a delicate black tea infused with oil from the bergamot orange, known for its bright, citrus aroma.

When Grey returned to England, he began serving the tea at dinner parties. Guests were immediately taken by its distinctive flavour, refreshing, aromatic, and unlike anything they had tasted before. It quickly became a favourite among his social circle. Recognizing its appeal, Grey is said to have realized he was sitting on something special, almost like "liquid gold." He eventually partnered with Twinnings tea Company to produce the blend on a larger scale, making it available beyond elite gatherings. Thus, Earl Grey tea was born, going on to become one of the most beloved tea varieties in the world.

The tale remains a captivating explanation for the tea's origin, a story that blends diplomacy, bravery, and a touch of mystery. Whether fact or folklore, it adds a rich layer of intrigue to every cup, reminding us that sometimes, the simplest pleasures can carry the most extraordinary stories.

#HARD FACTS

"Voters are just like this" - Hitler

"Voters are just like this. For four and a half years, we pluck their feathers. And then, in the last six months, we throw them a few grains. For those few grains, the voters forget all the injustices." - Hitler

One day, Hitler came to a cabinet meeting carrying a chicken. He held the chicken's head tightly under his arm. As he walked, he began plucking its feathers one by one. The chicken screamed in agony, struggling desperately to escape from Hitler's grip. But Hitler did not let go, nor did he pay any attention to its cries, he just kept plucking.

The cabinet members said to him: "Don't torture that poor creature like this. Let it go." But Hitler refused to listen to anyone. Finally, after plucking all its feathers, he threw the chicken to the ground. Then, he took some grains out of his pocket and began feeding them to the chicken. In that state, the chicken, desperate for food, started looking towards Hitler's hand again. Hitler called it closer, offering the grains. After a while, the chicken came and sat near him, eating those few grains. The same chicken that had been struggling to escape from Hitler all this time now sat beside him again, for just a handful of grains. The cabinet members asked in astonishment: "What is this?" Hitler replied: "Voters are just like this. For four and a half years, we pluck their feathers. And then, in the last six months, we throw them a few grains. For those few grains, the voters forget all the injustices we committed over four and a half years, and they vote for us again."

THE WALL

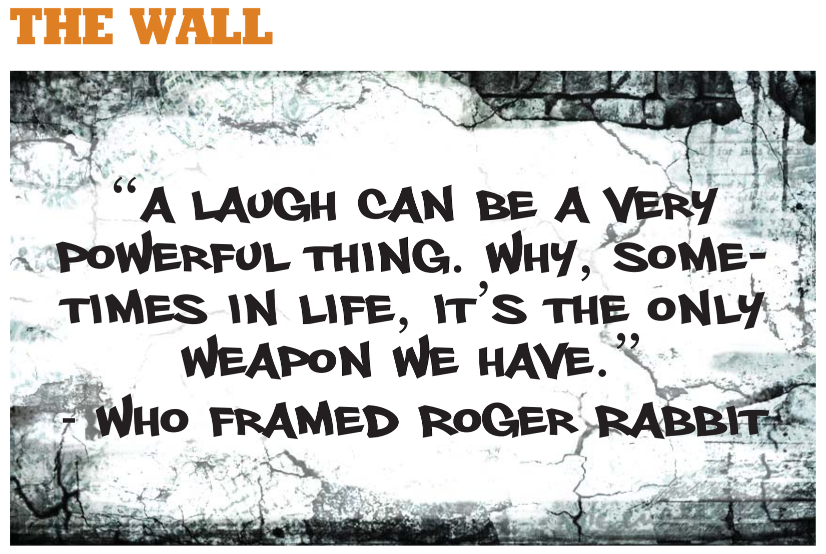

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

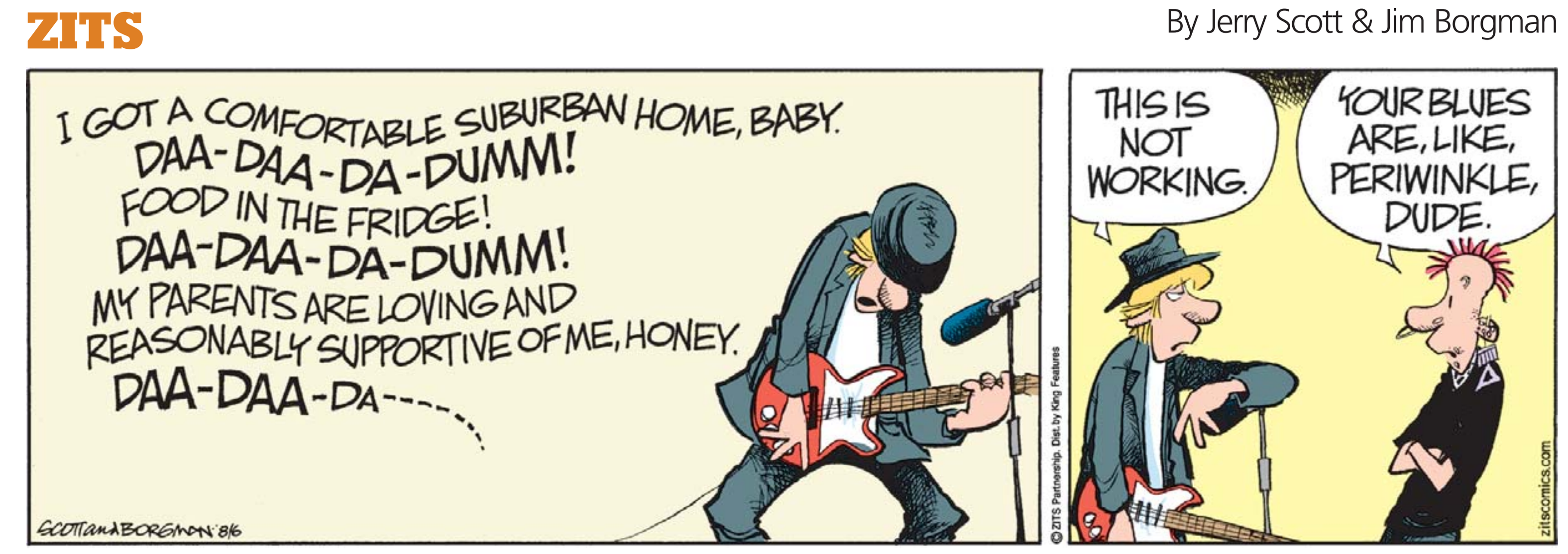

कोटा के आरटीयू में छात्र की संदिग्ध मौत के अगले ही दिन हॉस्टल में निकला सांप

आरटीयू में स्नेक बाइट से एक छात्र की कथित मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ था, हालांकि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इसे कार्डियक अरेस्ट बताया था

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में कथित स्नैक बाइट से छात्र की मौत के बाद शुक्रवार को कैंपस में धामन सांप (इंडियन रैट स्नेक) नजर आया, जिसके बाद छात्रों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में स्नेक कैचर गोविंद शर्मा को सांप के रेस्क्यू के लिए बुलाया गया। यह सांप बॉयज हॉस्टल के विक्रम साराभाई भवन के टॉयलेट में शुक्रवार सुबह नजर आया था। स्नेक कैचर गोविंद शर्मा का कहना है कि 4 फीट लंबा सांप था, जिसे उन्होंने पकड़ कर जंगल में रिलीज कर दिया है।

- **स्नेक कैचर गोविंद शर्मा का कहना है कि धामन सांप (इंडियन रैट स्नेक) चार फीट लंबा था, जिसे पकड़ कर जंगल में रिलीज कर दिया**

जानकारी के अनुसार गुरुवार को स्नेक बाइट से एक छात्र की कथित मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ था। हालांकि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इसे कार्डियक अरेस्ट बताया। दूसरी तरफ पुलिस इस पूरे मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही स्पष्ट होने की बात कह रही है। विद्यार्थी की मौत के बाद शुक्रवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में क्लास बंद रखी गई है। कुछ स्टूडेंट्स गेट के नजदीक आकर दोबारा धरने पर बैठ गए थे। ये थोड़ी देर ही चल पाया। इनमें से अधिकांश छात्र मांगें माने जाने के बाद रवाना हो गए।

स्टूडेंट पारस शर्मा का कहना है कि हॉस्टल व कॉलेज इंफ्रास्ट्रक्चर मरम्मत, डिस्पेंसरी 24 घंटे, एम्बुलेंस की मांग, साफ सफाई, खिड़की से सांप व अन्य कीड़े नहीं आएं। इन सब मांगों को वीसी प्रो. निमित्त रंजन चौधरी ने मान लिया है।

छात्र का कहना है कि उनकी एक डिमांड गर्ल्स हॉस्टल को लेकर भी थी। वहां टाइमिंग निर्धारित है, लेकिन इमरजेंसी में कहीं जाना है तो उन्हें अनुमति लेनी पड़ती है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे आसान करवाने की बात कही गई है। गर्ल्स हॉस्टल के आसपास ही फैकल्टी के भी स्टाफ क्वार्टर बने हुए हैं। ऐसे में कभी इमरजेंसी हो तो गर्ल्स फैकल्टी से तत्काल मदद मांगने पर उन्हें मदद नहीं मिलती है। इस समस्या का समाधान भी प्रो. निमित्त रंजन चौधरी ने दिया है। इसके अलावा कुछ विद्यार्थी हॉस्टल में वाई फाई, स्पोर्ट्स के लिए बजट बढ़ाने और स्टूडेंट इलेक्शन की भी मांग कर रहे थे, लेकिन इन पर सहमति नहीं बनी है। अधिकांश विद्यार्थी उनके पक्ष में भी नहीं थे।

दंपती की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

ग्रामीणों ने आरोपी को हाथ में हथियार लेकर नोहरे की तरफ जाते देखा था

भीलवाड़ा, (निसं)। सेशन न्यायालय भीलवाड़ा के सेशन न्यायाधीश अभय कुमार जैन ने हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के बहुचर्चित दंपती दोहरे हत्याकांड में त्वरित फैसला सुनाते हुए अभियुक्त देवीलाल कीर को दोषी ठहराया है। अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास और 20 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

- **अदालत ने अभियुक्त को 20 हजार के अर्थदंड की सजा भी सुनाई**
- **अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 16 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए**

लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने बताया कि 13 अगस्त 2021 को प्रातः कीरो की झुपड़ियां, थाना हमीरगढ़ निवासी किशन लाल (35) पिता नारू जी कीर ने हमीरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उनके माता-पिता कंकू देवी व नारू जी हमेशा की तरह नोहरे में गायों का दूध निकालने गए थे। काफी देर तक वापस न लौटने पर जब पुत्र नोहरे में गया, तो वहां दोनों लहूलुहान हालत में मृत पड़े मिले। पुरानी रंजिश के चलते मोहल्ले के ही देवीलाल पिता हजारीजी कीर ने धारदार हथियार से वार कर दोनों की हत्या कर दी थी। ग्रामीणों ने भी अभियुक्त को हाथ में हथियार लेकर नोहरे की तरफ जाते देखा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया और न्यायालय में चालान पेश किया। लोक अभियोजक कानावत ने बताया कि सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 16 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 45 दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित किए गए। इसके अलावा पुलिस द्वारा बरामद किया गया खंजर, मोबाइल और रक्त रंजित कपड़े सहित 5 महत्वपूर्ण आर्टिकल्स अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए। मामले में सुनवाई के पश्चात सेशन न्यायाधीश ने अभियुक्त देवीलाल कीर को दोहरा हत्याकांड का दोषी माना और सजा सुनाई है।

सरकारी स्कूल में हुई चोरी की वारदात का पर्दाफाश

कोटा, (निसं)। सांगोद थाना इलाके में स्थित सरकारी स्कूल में चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए सांगोद पुलिस टीम ने विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को निरूद्ध किया है।

- **पुलिस टीम ने विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को निरूद्ध किया**

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 7 अक्टूबर को फरियादिया ने सांगोद थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में रात्रि में स्थानीय विद्यालय की भौतिकी व रसायन की प्रयोगशाला में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी करके प्रयोगशाला की समस्त सामग्री बिजली फिटिंग व पंखे एवं अन्य कमरे का भी ताला तोड़कर अन्य स्टोर की सामग्री चुरा ली गई जिससे विद्यालय को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले का खुलासा करने के लिये सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन कर मुखबीरों से प्राप्त सूचना पर आरोपियों की पहचान की गई।टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को डिटेन कर अनुसंधान किया गया। अनुसंधान के दौरान दोनों विधि से सघर्षरत बालकों द्वारा पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विघालय सांगोद में चोरी करना बताया। इस पर दोनों विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया गया तथा निरुद्ध विधि से संघर्षरत बालकों के कब्जे से चोरी गया तांबे का तार (जला हुआ) को बरामद किया गया। बाद अनुसंधान दोनों विधि से संघर्षरत बालको को बाल संप्रेषण गृह कोटा में दाखिल करवाया गया।

कार की चपेट से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

उदयपुर, (निसं)। सलूंबर जिले के सराडा थाना क्षेत्र के डींगरी गांव में कार की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात करीब 10 बजे की है।

जानकारी के अनुसार बंशीलाल और उसका साथी गणेशलाल मेघवाल रास्ते में टॉयलेट के लिए रुके थे। गणेशलाल टॉयलेट करने गया और बंशीलाल बाइक के पास खड़ा हो गया था। तभी बंशीलाल को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह उछलकर दूर मुंह के बल गिरा जिससे उसके चेहरे और सीने पर गंभीर चोट लगी। वहीं कार ड्राइवर मौके से फरर हो गया।

पुष्कर विधानसभा के ग्राम घूघरा में मतदान केन्द्र बदलने पर ग्रामीणों में आक्रोश

अजमेर, (निसं)। पुष्कर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत घूघरा में मतदान केंद्र बदले जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। वर्षों से राजकीय विद्यालय में मतदान करते आ रहे ग्रामीणों को अब अपना बूथ राजकीय विधि महाविद्यालय में स्थानांतरित किए जाने पर आपत्ति है। इसी के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुराने मतदान केंद्र को बहाल करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि घूघरा गांव के मुख्य मतदान केंद्र को पूर्व की तरह राजकीय विद्यालय में ही रखा जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो गांव के लोग चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय ले सकते हैं।

- **ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर 3600 से अधिक मतदाताओं के लिए पुराना बूथ बहाल करने की मांग की**
- **ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो गांव के लोग चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय ले सकते हैं**

पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीलाल तंवर ने बताया कि घूघरा गांव का मुख्य मतदान केंद्र लंबे समय से राजकीय विद्यालय में संचालित होता रहा है। कोरोना काल के दौरान आसपास की कॉलोनियों के मतदाताओं की सुविधा के लिए अलग मतदान केंद्र बनाए गए थे। उस व्यवस्था पर ग्रामीणों को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन हाल ही में जारी मतदान केंद्रों की सूची में गांव के मुख्य बूथ को राजकीय विद्यालय से हटाकर राजकीय विधि महाविद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदान केंद्र को स्थानांतरित करने का निर्णय राजनीतिक दबाव में लिया गया है। उन्होंने बूथ परिवर्तन की प्रक्रिया में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और उपखंड अधिकारी (एसडीएम) स्तर पर मिलीभगत होने का आरोप भी लगाया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि राजकीय विधि महाविद्यालय गांव से दूर स्थित है। वहां तक पहुंचने के लिए परिवहन और रास्ते की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण मतदाताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और कामकाजी लोगों के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि मतदान केंद्र दूर होने से मतदाताओं को असुविधा होगी, जिसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ सकता है। उनका कहना है कि मतदान केंद्र निर्धारित करते समय मतदाताओं की सुविधा और गांव की भौगोलिक स्थिति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने प्रस्ताव रखा कि आसपास की नई कॉलोनियों के मतदाताओं के लिए राजकीय विधि महाविद्यालय में मतदान केंद्र रखा जा सकता है, जबकि घूघरा गांव के 3600 से अधिक मतदाताओं के लिए राजकीय विद्यालय में पुराने मतदान केंद्र को बहाल किया जाए। इससे गांव के लोगों को मतदान करने में सुविधा मिलेगी और अनावश्यक परेशानी से बचा जा सकेगा।

बिजली के पोल में करंट आने से तीन मवेशी मरे

टोंक, (निसं)। बिजली के खंभे में करंट लगने से दूनी थाना क्षेत्र की चांदसिंहपुरा ग्राम पंचायत की सुबेदारों की ढाणी में तीन भैंसों (मवेशियों) की मौत हो गई। हादसे में पशुपालक को करीब 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर बिजली निगम के कर्मचारी और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर खंभे में करंट उतरने की समस्या को दूर किया गया। ग्रामीणों ने हादसे के लिए बिजली निगम की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ग्रामीणो ने बताया कि आवां-दूनी रोड पर एक पेट्रोल पंप के नजदीक बिजली का खंभा लगा हुआ है। आरोप है कि करीब दस दिन पहले भी इस खंभे में करंट उतर आया था। उस समय स्पार्किंग से पास में रखे चारे में आग लग गई थी, जिसे ग्रामीणों ने बुझा दिया था। शुक्रवार को इसी खंभे में करंट उतरने से वहां से गुजर रहीं उनकी तीन भैंसें उसकी चपेट में आ गईं और उनकी मौत हो गई। इससे उन्हें करीब तीन लाख रुपए के पशुधन का नुकसान हुआ है।

हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। अधिवक्ता पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस प्रशासन की शिथिलता से नाराज जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। संस्था के अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ के नेतृत्व में शुक्रवार को न्यायालय परिसर स्थित संस्था कार्यालय में आयोजित बैठक में आगामी सोमवार, 12 अक्टूबर को जिले की सभी अधीनस्थ अदालतों में संपूर्ण न्यायिक कार्य ठप रखने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ ने कहा कि अधिवक्ता गोविंद मानमिया पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी दुर्गालाल उर्फ अक्षय गुर्जर उर्फ विक्रम की पहचान हो चुकी है। वारदात में उसका साथ देने वाली महिला मारुति देवी सांसी को पकड़ा जा चुका है, लेकिन मुख्य अभियुक्त अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

उदयपुर के बोखाड़ा गांव में घुसा छह फीट लंबा मगरमच्छ

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के सायरा इलाके के बोखाड़ा गांव में बीती देर रात उस समय अफरा तफरी मच गई जब करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ आबादी क्षेत्र में घुस आया। पास की नाडी से निकलकर मगरमच्छ गांव के बीच पंचायत के पास पहुंच गया। देर रात आबादी के बीच मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

- **उदयपुर के सेमड़ गांव में भी श्मशान भूमि पर दिखा 10 फीट लंबा अजगर**

जानकारी के अनुसार मगरमच्छ पास स्थित नाडी से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ गया था। इसके बाद वह गांव में पंचायत के पास पहुंच गया। रात के समय गांव के बीच मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया। मगरमच्छ को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद ग्रामीणों ने वन्यजीव रेस्क्यू टीम को घटना की सूचना दी ताकि मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ा जा सके और किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। सूचना मिलने पर वन्यजीव रेस्क्यू टीम के नारायण सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने स्थिति का जायजा लेने के बाद ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया और मगरमच्छ को गांव से दूर सायरा तालाब में छोड़ दिया।

वहीं सायरा के पास सेमड गांव में भटकेश्वर मंदिर के समीप श्मशान भूमि पर 10 फीट से लंबा अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को काबू में किया। अजगर की लंबाई 10 फीट से ज्यादा बताई जा रही है। इतने बड़े अजगर को देखकर ग्रामीणों में कौतूहल के साथ चिंता भी बढ़ गई। इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी ताकि अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जा सके। सूचना मिलने पर वन और वन्यजीव विंग से नारायण सिंह, जितेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, तेज सिंह और सुनील सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया।

श्रीसांवलियाजी सेठ मंदिर मंडफिया के दरबार का भंडार खोला

प्रथम चरण से 9 करोड़ 35 लाख 65 हजार रुपये निकले, दूसरे चरण की गिनती 12 अक्टूबर सोमवार को होगी

मंडफिया, (निसं)। प्रदेश का प्रमुख तीर्थ स्थल श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार 09 अक्टूबर शुक्रवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में खोला गया। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव ने बताया कि शुक्रवार को प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 9 करोड़ 35 लाख 65 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि भंडार की शेष रही राशि एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी है। शेष भंडार राशि की गिनती 12 अक्टूबर सोमवार को दूसरे चरण में की जाएगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव, मंदिर सीईओ दिनेशचंद्र धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष रतनलाल गाडरी, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, हरिराम गाडरी, प्रशासनिक अधिकारी राहुल धाकड़, राजेंद्र सिंह, लेखाधिकारी रामसिंह गुर्जर, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, कालू लाल तेली, मनोहर लाल शर्मा, भेरुलाल गुर्जर सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, पदाधिकारी एवं मंदिर कर्मचारी मौजूद रहे।

मनोहरपुर में मंदिर भूमि विवाद को लेकर महंत का धरना पांचवें दिन भी लगातार जारी

मनोहरपुर, (निसं)। क्षेत्र स्थित मठेश्वरनाथ महादेव मंदिर की भूमि को लेकर चल रहा विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की भूमि बचाने और राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त कराने की मांग को लेकर मंदिर के महंत कबीरदास महाराज का धरना गुरुवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। मामले को लेकर लोगों में भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

महंत कबीरदास महाराज का कहना है कि वे करीब 45 वर्षों से मंदिर में पूजा-अर्चना एवं सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने मंदिर की भूमि से जुड़े खसरा नंबर 1140, 1141 और 1142 का निष्पक्ष सीमांकन कराने तथा खसरा नंबर 1141 व 1142 में हुए कथित गलत नामांतरण को निरस्त करने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी है। महंत की ओर से दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मंदिर की देखरेख एवं पूजा-भोग से जुड़े मुरलीधर योगी के नाम दर्ज भूमि का नामांतरण कथित रूप से नियम विरुद्ध तरीके से किया गया। महंत ने पूरे राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर मंदिर की भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और महंत से पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान महंत एवं स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया। अधिकारियों की ओर से मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण महंत ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव कुंवर दिगराज सिंह भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने महंत से मामले की जानकारी लेते हुए मंदिर की भूमि से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच, तीनों खसरों का सीमांकन कराने तथा जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

सीकर : तस्करों की मारपीट से युवक की मौत के मामले में पांच आरोपी पकड़े गये

मृतक संदीप पिलानिया एमडी तस्कर महेंद्र फोगावट के लिए काम करता था

सीकर, (निसं)। सीकर में स्मैक और एमडी तस्करों की मारपीट में एक युवक की मौत के मामले में सदर थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस की सात टीमें अन्य आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही है। वहीं, एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर चल रहा धरना 25 घंटे बाद समाप्त हो गया है।

- **हमला करने वालों में शामिल हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल और उसके साथी भी एमडी, अफीम की तस्करी का काम करते हैं, पिछले दिनों पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार किया था**
- **पुलिस की सात टीमें अन्य आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही है, वहीं, एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर चल रहा धरना 25 घंटे बाद समाप्त हुआ**

जानकारी के अनुसार घटना बुधवार देर रात भढाढर गांव की है। जीतपुरा का रहने वाला मृतक संदीप पिलानिया (29) पुत्र नेमीचंद पिलानिया अपने साथी प्रवीण, सोयल, आनंद, मोहित और मुकेश के साथ कैंपर गाड़ी लेकर 12:30 बजे भढाढर में वर्कशॉप से रवाना होकर पेट्रोल पंप की तरफ गया था। पेट्रोल नहीं मिलने पर वह नजदीक ही स्थित अन्य पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए जा रहे थे। इस दौरान सामने से एक कैंपर गाड़ी ने संदीप की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद संदीप की गाड़ी बंद हो गई। इसी दौरान दो कैंपर गाड़ी और एक स्कॉर्पियो आई, जिन्होंने संदीप की कैंपर को पीछे और साइड से टक्कर मारी। हमलावरों में नितेश उर्फ वीरू, उमेश उर्फ पोलक, हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, अरबाज खान लक्ष्मणगढ़, कालू, सुमित सहित अन्य लोग थे। आनंद और संदीप के साथ गाड़ी में मौजूद प्रवीण, सोयल और मोहित मौके से भाग गए। इसके बाद हमलावरों ने संदीप और आनंद पर हमला करना शुरू कर दिया। संदीप पर बदमाशों ने फावड़े से हमला किया। इससे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश उसे साइड में पटककर चले गए थे।

घटना के बाद परिजनों ने गुरुवार दोपहर तीन बजे से सीकर के एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया था। परिजनों की मांग थी कि आरोपियों की गिरफ्तारी होने पर ही शव का पोस्टमार्टम करवाएंगे। ऐसे में शुक्रवार को एडिशनल एसपी डॉ. तेजपाल सिंह, सीओ धोद राजेश कुमार ढाका ने परिजनों से वार्ता की। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम करवाने को तैयार हो गए।

गौरतलब है कि मृतक संदीप पिलानिया एमडी तस्कर महेंद्र फोगावट के लिए काम करता था। इसके साथ आनंद शर्मा, संजय धायल, सुनील पांड्या भी महेंद्र के ग्रुप में थे। दूसरी तरफ हमला करने वालों में शामिल हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल और उसके साथी भी एमडी, अफीम की तस्करी का काम करते हैं। पिछले दिनों पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में संदीप को गिरफ्तार किया था। ऐसे में उसे लग रहा था कि जितेंद्र लोसल और उसकी गैंग के लोगों ने मुखबिरी की और संदीप को पकड़ा दिया। इस बात को लेकर दोनों ग्रुप के बीच कई बार हॉटटॉक भी हुई थी। माना जा रहा है कि इसी बात को लेकर जितेंद्र ग्रुप ने महेंद्र फोगावट के ग्रुप के लोगों पर हमला किया था। फिलहाल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही इस मर्डर के असल कारणों का पता लग सकेगा।

मामले में सीकर एएसपी डॉ. तेजपाल सिंह का कहना है कि फिलहाल पांच आरोपियों को डिटेन किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रेड जारी है।

अजमेर में प्रोफेसर से लूटपाट करने का आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। अजमेर में देर रात कॉलेज प्रोफेसर को रेलवे स्टेशन छोड़ने का झांसा देकर सुनसान इलाके में ले जाने और लूटपाट करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्रोफेसर से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

- **बदमाश देर रात को रेलवे स्टेशन छोड़ने का झांसा देकर सुनसान इलाके में ले गए थे**
- **कॉलेज प्रोफेसर के दो हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए थे बदमाश**

कोतवाली थानाधिकारी रामेश्वरी ने बताया कि रीजनल कॉलेज के प्रोफेसर वेद प्रकाश आचार्य भीलवाड़ा से अजमेर लौटे थे। देर रात करीब एक बजे बस स्टैंड पर उतरने के बाद वह अपने गंतव्य तक जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार कुछ युवक उनके पास पहुंचे और रेलवे स्टेशन जाने का रास्ता पूछने लगे। बातचीत के दौरान युवकों ने प्रोफेसर को रेलवे स्टेशन छोड़ने का भरोसा दिलाया। उनकी बातों में आकर प्रोफेसर उनके साथ चले गए। आरोपी प्रोफेसर को कचहरी रोड स्थित डीआरएम कार्यालय के पास एक सुनसान स्थान पर ले गए। वहां बदमाशों ने उनसे करीब दो हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीन लिया तथा मौके से फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से प्रोफेसर सकते में आ गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने और उनकी तलाश के प्रयास किए गए। इसी दौरान पुलिस को संदिग्ध के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। जांच के दौरान पुलिस ने पटेल स्टेडियम के बाहर घूम रहे अब्दुल सलीम उर्फ शाहरुख, निवासी इंदिरा कॉलोनी, अजमेर को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से प्रोफेसर से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक से कई वाहन टकराए, दो की मौत एवं चार घायल

हादसे के बाद दिल्ली से मुंबई की ओर जाने वाला मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त ट्रकों को पुलिस ने क्रेन की सहायता से हटवाया।

- मामले में सामने आया कि दिल्ली से मुंबई की ओर जा रहा एक ट्रक तकनीकी खराबी के कारण सड़क किनारे खड़ा था
- मृतकों में जयपुर के कोटपूतली (तालवा गांव) निवासी सचिन और दूसरा अलवर के राजगढ़ थाना इलाके के बहरावंडा निवासी जोमदीन था

कोटा, (निसं)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कैथून थाना इलाके में शुक्रवार तड़के हाइवे पर एक साथ कई वाहनों की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लग गया।

कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार ने बताया कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे कैथून इलाके के बालापुरा से गोपालपुरा के बीच परलिया की झोपड़ी गांव के समीप दुर्घटना की सूचना मिली, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि दिल्ली से मुंबई की ओर जा रहा एक ट्रक तकनीकी खराबी के कारण सड़क किनारे (ऑफ-रोड साईड) खड़ा था। शुक्रवार तड़के दिल्ली की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक चालक ने हाइवे पर खराब खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, हादसे में ट्रक का चालक केबिन में फंस गया।

थानाधिकारी ने बताया कि बोलेरो सवार कुछ जने मदद के लिये आये, उसी दौरान तेज रफ्तार में पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने भी दोनों ट्रको को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही जान चली गई, जबकि बाहर खड़ा एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया, मृतकों में जयपुर के कोटपूतली (तालवा गांव) निवासी सचिन और दूसरा अलवर जिले के राजगढ़ थाना इलाके के बहरावंडा निवासी जोमदीन था। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल हुए लोगों में जिला अलवर के थेकड़ा निवासी इसरायल (58), जिला मंदसौर के गरोठ निवासी बबलु, नूंह, हरियाणा निवासी जाकिर हुसैन (53) एवं भरतपुर के जुरहरा निवासी आमीन (23) शामिल हैं। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हादसे के बाद दिल्ली से मुंबई की ओर जाने वाला लेन पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और एनएचएआई की आपातकालीन राहत टीम मौके पर पहुंच गई। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर किनारे किया गया, करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद इस मार्ग पर यातायात सामान्य रूप से बहाल किया जा सका।

जोधपुर में हुये अलग-अलग हादसों में किसान व युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया स्थित बिंजवाड़िया गांव में एक कृषि फार्म हाउस कार्य करते वृद्ध कृषक सर्पदंश का शिकार हो गया। बीस दिन तक अस्पताल में उसका उपचार चला और अब उसकी मौत हो गई। रिश्तेदार की तरफ से मथानिया थाने में इस बारे में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

मथानिया पुलिस ने बताया कि खवाडी कृषि फार्म हाउस बिंजवाड़िया पर 86 साल के नारायण राम पुत्र गुणेशाराम काम करते थे। 21 सितंबर की रात को कार्य करते सर्पदंश के शिकार हो गए। बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर अब उपचार के बीच उनकी मौत हो गई। इस बारे में रिश्तेदार छैलाराम पुत्र किशनाराम की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है।

वहीं शहर के बोरानाडा स्थित भीलों का बास धींनाणा में एक युवक ने भूल से कीटनाशक को सेवन कर लिया। जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। इस बारे में मृतक के भाई की तरफ से बोरानाडा थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

बोरानाडा पुलिस ने बताया कि भीलों का बास धीनाणा निवासी जेठाराम (36) पुत्र अन्नाराम ने अपने घर पर भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। जिसकी तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। उसके भाई सुरेश की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

युवक की मौत

छबड़ा, (निसं)। गुगोर गांव में पार्वती नदी में नहाने के दौरान डूबने से गुरुवार शाम एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोगी मोहल्ला निवासी नईम शाह (38) गुरुवार को अपने परिजनों के साथ गुगोर गांव में अमेठियों के पास स्थित दरगाह पर जियारत करने गया था। जियारत करने के बाद वह पार्वती नदी में नहाने चला गया, गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय गोताखोर निरंजन खारोल मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद युवक को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर छबड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंची। मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया।

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा

क्रमांकः एफ / लेखा/देव/2026-27/3429 दिनांकः 29/9/2026

ई निविदा सूचना संख्या - 04/2026-27

इस कार्यालय के अधीनस्थ देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी के मंदिरों में विविध उत्सवों के आयोजनों हेतु भोगराग एवं पूजन सामग्री हेतु पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा कोटा संभाग के अधीनस्थ कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड में स्थित विभागीय मन्दिरान में आपूर्ति हेतु वितीय वर्ष 2026-27 हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट devasthan.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in तथा https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	सामग्री	अनुमानित राशि (लाखो मे)	बोली प्रतिभूति राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रुपये में)	MD RISL प्रोसेसिंग शुल्क (रुपये में)
1	2	3	4	5	6
1	भोगराग एवं पूजन सामग्री	30.00	60000/-	1000/-	500/-

नोट :- निविदा के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण https://devasthan.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, कोटा

DIPR/C/17306/2026

फिजिकल टेस्ट देने बाड़मेर से जोधपुर आए एएसआई की मौत

- बताया जा रहा है कि दो किमी की दौड़ पूरी करने के बाद एएसआई दुर्गाराम के सीने में अचानक दर्द उठा, उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

जोधपुर, (कासं)। एसआई पद पर प्रमोशन के लिए फिजिकल टेस्ट के लिये बाड़मेर से जोधपुर आए एक एएसआई की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। एएसआई दुर्गाराम शुक्रवार सुबह मंडोर स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रमोशन के लिए आयोजित फिजिकल परीक्षा देने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दो किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद उनके सीने में अचानक दर्द उठा। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार एएसआई दुर्गाराम (50) बाड़मेर जिले के नेतराड़ गांव के रहने वाले थे। वर्तमान में वे गिराब पुलिस थाने में एएसआई के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे फिजिकल टेस्ट में शामिल होने के लिए जोधपुर के मंडोर स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे थे। यहां एसआई पद पर प्रमोशन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जा रही थी। दुर्गाराम ने परीक्षा के तहत दो किलोमीटर की दौड़ पूरी कर ली थी। इसके बाद उन्हें शारीरिक परीक्षा के अन्य चरणों में शामिल होना था। दौड़ पूरी करने के कुछ समय बाद दुर्गाराम की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। सुबह करीब 8.30 बजे उनके सीने में तेज दर्द हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने उनकी हालत बिगड़ती देख उन्हें तुरंत उपचार के लिए नजदीकी निजी हॉस्पिटल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि फिजिकल टेस्ट के दौरान ही उन्हें हार्ट अटैक आया था। इसके चलते उनकी मौत हो गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जोधपुर दौरे पर

जोधपुर, (कासं)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को जोधपुर दौरे पर रहेंगे। वे यहां वायुसेना के अंतरराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे वायुसेना के जवानों और विदेशी दलों के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रक्षा मंत्री सुबह 10.55 बजे जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे तक तरंग शक्ति 2026 के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के बाद दोपहर 12.45 बजे सड़क मार्ग से उम्मेद भवन के लिए रवाना होंगे। उ इसके बाद वे दोपहर 1.50 बजे उम्मेद भवन से एयरफोर्स स्टेशन के लिए रवाना होंगे और दोपहर 2.10 बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिए प्रथान कर जाएंगे।

लालसोट में हाइवे किनारे बुजुर्ग का शव मिला

- एफएसएल और एमओबी टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए

लालसोट, (निसं)। लालसोट क्षेत्र के मंडावरी थाना इलाके में बगड़ी टोल के पास सवाई माधोपुर रोड पर शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एनिकट के नजदीक एक व्यक्ति का 3-4 दिन पुराना शव मिला। शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मंडावरी थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, बगड़ी टोल के ठेकेदार मुकेश मीणा ने शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे पुलिस को शव मिलने की सूचना दी थी। मौके पर हाइवे के पास एक स्कूटी भी खड़ी मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल और एमओबी टीम को भी मौके पर बुलाया, ताकि घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा सकें। शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी।

बाद में उसकी पहचान भंवरी लाल मीणा (73) पुत्र बद्री चंद मीणा, निवासी पीपल्दा, थाना बौंली, जिला सवाई माधोपुर के रूप में हुई। मृतक के परिजनों को सूचना मिलने पर वे अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड मालपुरा

पता :- व्यास सर्किल के पास, सदरपुरा रोड जलदाय विभाग केम्पस, मालपुरा जिला टोंक
Mobile No. 8279108410, E-Mail ID :- eemal.ton.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांकः- अ0अ0/जन स्वा0/माल0/2026-27/3272-85 दिनांक :-29-9-2026

ई-निविदा सूचना संख्या 116-117/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से जन स्वा0 अभि0 विभाग खण्ड मालपुरा के अधीन विभिन्न क्षेत्रो मे कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में जन स्वा0 अभि0 विभाग मे पर्जीकृत सर्वेदको एवं राज्य सरकार केन्द्र सरकार के अधिकृत सगंठनो केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग/डाक एवं दूर सचांर विभाग / रेलवे इत्यादि मे पजीकृत सर्वेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेट प्रक्रिया के तहत ऑन लाइन निविदाएँ आमन्त्रितं की जाती है।
निविदा फार्म आनें लाइन वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से निम्न विवरण मे अकिंत अनुसार अवधि मे निविदा प्रपत्र प्राप्त कर जमा कराये जा सक्ते है। निर्धारित तिथि को यदि किसी कारणवश अवकाश रहता है। तो उसके अगले कार्यदिवस में उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जाएगी। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा भाग को निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदा की लागत कम व अधिक की जा सकती है।
विस्तृत विवरण आनें लाइन वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp,sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक सवेदको को अपने digital Signature certificate (DSC) के माध्यम से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक लेंउक्त निविदाओ का वेबसाइट sppp.rajasthan.gov.in पर युनिक बिड न0 निम्नानुसार है।

निविदा डाउनलोड करने की अतिंम तिथि	29.09.26 से 12.10.26 प्रातः 15.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की अतिंम तिथि	29.09.26 से 12.10.26 प्रातः 15.00 बजे तक
निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि व समय	13.10.2026 को प्रातः 11.00 बजे

S. No	Nit No	NIB Code	UBN No
1	116/2026-27	PHE2627A2914	PHE2627050B06151
2	117/2026-27	PHE2627A2914	PHE2627050B06163

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
खण्ड मालपुरा

DIPR/C/17443/2026 "जल ही जीवन है"

ट्रेन की चपेट से अज्ञात युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ रेल मार्ग पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। मंडपिया रेलवे स्टेशन के पास उदयपुर से जयपुर की ओर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद युवक का शरीर कई टुकड़ों में बिखर गया। जीआरपी पुलिस ने क्षत-विक्षत अंगों को एक गठरी में समेटकर मोर्चरी पहुँचाया।

जीआरपी चौकी प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि हादसा शुक्रवार सुबह मंडपिया रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर आगे हमीरगढ़ स्टेशन की ओर हुआ। शुरुआती जांच के मुताबिक, युवक हाइवे की तरफ से उतरकर रेलवे ट्रैक पार कर दूसरी तरफ जा रहा था।

इसी दौरान वह तेज रफ्तार इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि लोको पायलट को तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाने पड़े। ट्रेन करीब एक मिनट तक मौके पर रुकी रही, जिसके बाद लोको पायलट ने वॉकी-टॉकी से भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन मास्टर को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुँची जीआरपी टीम को मृतक के पास से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला। मृतक ने केवल लोअर और टी-शर्ट पहन रखी थी। हादसे में युवक का मोबाइल फोन भी पूरी तरह चकनाचूर हो गया, जिसके टुकड़ों को पुलिस ने साक्ष्य के तौर पर एकत्रित किया है। पुलिस की प्राथमिक आशंका के अनुसार मृतक आसपास की किसी फैक्ट्री का मजदूर हो सकता है, जो सुबह काम पर जाने के लिए पटरी पार कर रहा था। आरोपी को भीलवाड़ा पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा।

शादी करवाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोपियों को चूरू से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। अपने दो बेटों की शादी करवाने का झांसा देकर 2.50 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाते हुए बुजुर्ग ने देवनगर थाने में रिपोर्ट दी थी। पुलिस ने प्रथम दृष्टया मामला धोखाधड़ी का मानकर ठगी करने वाले अब दो आरोपियों को चूरू से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी चूरू जिले के साहवा निवासी बनवारीलाल और गोपाल पोल के सामने उम्मेद चौक कोतवाली चूरू निवासी अलाउदीन को गिरफ्तार किया गया है।

मामले के अनुसार चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी बस्तीराम मेघवाल ने देवनगर पुलिस को बताया कि करीब 15 दिन पहले अलादीन नामक व्यक्ति ने उनके दो बेटों सुनील और सुखदेव की शादी करवाने का भरोसा दिलाया था। आरोप है कि इस काम के लिए उनसे 2.50 लाख रुपये लिए गए। इनमें 50 हजार रुपये पहले, 1.50 लाख रुपये 4 सितंबर को नकद और 50 हजार रुपये 5 सितंबर को ऑनलाइन दिए जाने की बात रिपोर्ट में कही गई है। 4 सितंबर की रात अलादीन अपने सहयोगी बनवारी के साथ परिवार के सदस्यों को लेकर पंजाब के फिरोजपुर के पास एक गांव पहुंचा। वहां दो युवतियों कमलजीत कौर और पवनप्रीत के परिवार से बातचीत के बाद उन्हें गाड़ी में लेकर रवाना हुए। आरोप है कि किशोर बाग क्षेत्र के पास दोनों युवतियों ने मेडिकल दुकान पर गाड़ी रुकवाई और वहां से चली गई।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674, संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-08/ 2026-27	जालोर वृत्त के अंतर्गत (NCP-II) सांचौर खण्ड के अधिकार क्षेत्र में टीएन-08/2026-27 के तहत नवीन परिसर, राजकीय महाविद्यालय, गुड़ामालानी के ऊपर से गुजरने वाली 33 केवी एनसीपी भादराई पम्पिंग फीडर तथा 33 केवी गुड़ामालानी फीडर (132 केवी सब-स्टेशन, गुड़ामालानी से) पर नई 33 केवी XLPE 3C × 300 वर्ग मिमी भूमिगत (U/G) केबल 0.630 किलोमीटर बिछाने तथा वर्तमान 33 केवी (O/H) लाइन 0.480 कि.मी को डिस्मेंटल/हटाने का कार्य, एलआरसी-2025 की श्रम दरों के आधार पर किया जाना	JVV2627 WSOE00499

राज.संवाद/सी/26/11571 संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- अति.मु.अभि. प्रथम/2026-27/170 दिनांक :- 09/10/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या - 09/2026-27

"Construction of Pedestal Platform Work Including Water Body & Fountain in Atal Kavya Smarak at City Park, Mansarovar, Jaipur" and "Annual Operation and Maintenance of LED Lights & High Mast Lights installed at Sector 1 to 14, Indira Gandhi Nagar, RHB, Jaipur" के कार्यों हेतु पंजीकृत फर्मों से दिनांक 12.10.2026 से 21.10.2026 सायं 6:00 बजे तक ई-प्रोक के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं नियम व शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in एवं मण्डल वेबसाईट https://rhb.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

यू.बी.एन. नं.:- RHB2627WSOB00182 & RHB2627WSOB00184

राज.संवाद/सी/26/11627 अतिरिक्त मुख्य अभियंता-प्रथम, जयपुर

नसीराबाद में फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर तीन करोड़ की डकैती

पुलिस ने तीन घंटे में वारदात का किया खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले के नसीराबाद इलाके में शुक्रवार सुबह फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर एक घर में घुसे बदमाशों ने करीब तीन करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। अजमेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज तीन घंटे के भीतर इस बड़ी डकैती का पर्दाफाश कर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

अजमेर के जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि नसीराबाद के महेश विहार कॉलोनी निवासी कार्तिक माहेश्वरी (29) ने पुलिस को सूचना दी कि सुबह करीब 11:30 बजे भारत सरकार लिखी एक काले रंग की स्कॉर्पियो उनके घर के बाहर रुकी। उसमें से प्रशासनिक वेशभूषा में 9-10 लोग उतरे और खुद को इनकम टैक्स का अधिकारी बताते हुए घर में दाखिल हो गए। उन्होंने परिवार के सदस्यों को डरा-धमका कर एक जगह बैठा दिया और तलाशी के नाम पर घर के लॉकर में रखे करीब तीन करोड़ रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण एक बैग में भरकर फरार हो गए।

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूरी साजिश परिवादी के पूर्व कर्मचारी और परिचितों ने रची थी। मुख्य आरोपी देवेन्द्र ने साल 2016 से 2021 तक परिवादी के घर पर काम किया था, जबकि दूसरा आरोपी संजय भी परिवादी को व्यावसायिक रूप से पहले से जानता था। इन दोनों को परिवादी की आर्थिक स्थिति की पूरी जानकारी थी। इन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पिछले एक महीने से इस घटना को अंजाम देने की योजना बनाई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक, अजमेर रेंज के निर्देशन और एसपी के नेतृत्व में कई विशेष पुलिस टीमों और साइबर सेल का गठन किया गया। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से पूरे जिले में नाकाबंदी करवाई और सीसीटीवी कैमरों व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के हुलिये की पहचान की। पुलिस ने मुखबिरों की सूचना और तकनीकी विश्लेषण की मदद से घटना के 3 घंटे के भीतर ही 6 आरोपियों को दस्तयाब कर लिया।

पुलिस ने मामले में माखुपुरा निवासी देवेन्द्र व देवा उर्फ देवेंद्र सिंह रावत, सेन्दरिया निवासी संजय रावत, धोलाभाटा निवासी रविकांत उर्फ रवि और परबतपुरा, अजमेर निवासी अमित व तारू शामिल हैं। फिलहाल पुलिस इन सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और लूटी गई रकम की बरामदगी तथा घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस का अनुसंधान जारी है।

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली

क्रमांकः— 1766 दिनांकः—06.10.2026

TIME EXTENSION LETTER (CORRIGENDUM)

नगर पालिका सूरौठ की ओर से ई—निविदा कमांक 1473 दिनांक 17.08.2026 व 1474 दिनांक 17.08.2026 को ई—प्रोक्यूरमेंट प्रकिया के माध्यम से वर्ष 2026—27 के तहत विकास/निर्माण/मरम्मत कार्यो ई—निविदा ऑनलाईन जारी की गई थी। श्रीमान नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग राज. जयपुर के आदेश कमांक 12676—13481 दिनांक 19.08.2026 के आदेश की पालना "आदर्श आचार संहिता" प्रभावी होने के कारण उक्त ई—निविदा सूचना अपरिहार्य कारणों से आगामी आदेशों तक नगर पालिका द्वारा च्वेजचवदमक (स्थगित) की गई। नगर निकाय चुनाव—2026 पूर्ण होने व आदर्श आचार संहिता समाप्त हो जाने पर उक्त ई—निविदा दिनांक में निम्नानुसार संशोधित किया जाता है।

क्र. सं.	विवरण	पूर्व की दिनांक व समय	संशोधित दिनांक व समय
1	ई—निविदा में बिड प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक व समय	21.08.2026 समय 10:00 ए.एम. तक	16.10.2026 समय 10:00 ए.एम. तक
2	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग फीस एवं अमानता राशि की डी.डी. व अन्य दस्तावेज जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	21.08.2026 समय 12:00 पी.एम. तक	16.10.2026 समय 12:00 पी.एम. तक
3	ई—निविदा खोलने की दिनांक व समय	21.08.2026 समय 3:00 पी.एम. उपरांत	16.10.2026 समय 3:00 पी.एम.

नोटः—ई—निविदा से संबंधित समस्त शर्ते यथावत् रहेगी। ई—निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in/https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सूरौठ

राज.संवाद/सी/26/11601

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, ग्रामीण वृत जोधपुर

क्रमांकः 1962 दिनांकः 30.09.2026

निविदा सूचना संख्या : 07 वर्ष 2026-27

NIB No. PWD2627A3140

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न सी.डी कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
PWD2627WSOB14215, PWD2627WSOB14217, PWD2627WSOB14221

(डी आर माधव)
अधीक्षण अभियन्ता,
सा.नि.वि. ग्रामीण वृत, जोधपुर

DIPR/C/17269/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर वृत्त (दक्षिण), जयपुर

क्रमांकःएफ.2 (के) 11/148/2026-27/4614-4638 दिनांकः 309.26

निविदा संख्या 07-10/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस वृत्त के अधीन विभिन्न कार्यो के लिए उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्धारित पत्र में मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम संख्या	निविदा संख्या	UBN No.
1.	07/2026-27	PHE2627WSRC06265
2.	08/2026-27	PHE2627WSRC06269
3.	09/2026-27	PHE2627WSRC06270
4.	10/2026-27	PHE2627WSRC06275
5.	11/2026-27	PHE2627WSRC06276

(केशव श्रीवास्तव)
अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग,
नगर वृत्त (दक्षिण), जयपुर।
मो0 न0:- 94133-48351

DIPR/C/17390/2026

भीलवाड़ा पुलिस का इनामी आरोपी जोधपुर में गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने भीलवाड़ा पुलिस के दस हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी मादक पदार्थ तस्करी का वांटेड बताया जाता है। वह यहां पंचायत चुनाव में किसी के समर्थन के लिए आया हुआ था। उसके आने की जानकारी पर पुलिस की टीम ने उसे पकड़ा और बाद में मंडोर पुलिस के सुपुर्द किया। आरोपी को भीलवाड़ा पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार व डीसीपी हेडक्वाटर शहीन सी. के सुपरविजन में कमिश्नरेट स्पेशल टीम ने जिला भीलवाड़ा के कोतवाली थाना का 10 हजार के इनामी आरोपी अरुण पुत्र जयराम निवासी सुरपुरा सरगरों का बास मंडोर निवासी अरूण पुत्र जयराम को पकड़ा गया। उसे सुरपुरा डेम के पास से दस्तयाब कर पुलिस थाना मंडोर को सुपुर्द किया।

अर्धवार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी

बीकानेर, (निसं)। राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 की 9वीं से 12वीं क्लास तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 25 नवंबर से 7 दिसंबर तक आयोजित होंगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार ने आदेश जारी किए हैं।

आदेश के अनुसार निर्धारित समय-सारणी में शामिल विषयों की परीक्षाएं तय कार्यक्रम के अनुसार होंगी। जिन विषयों की जानकारी टाइम टेबल नहीं है, उनकी परीक्षा स्कूल स्तर पर आयोजित की जाएगी। स्कूल स्तर की परीक्षाएं और प्रायोगिक विषयों की परीक्षाएं निर्धारित टाइम टेबल के अंतराल वाले दिनों में कराई जाएंगी। इसके अलावा इस बार प्राइवेट स्कूलों में पेपर नहीं रखे जाएंगे। राज्यभर में अर्धवार्षिक परीक्षाएं 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर के बीच होनी थी, लेकिन पंचायत चुनाव के कारण शिक्षा विभाग को टाइम टेबल बदलना पड़ा।

कार्यालय नगर पालिका छोटीसादड़ी, जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :— न.पा.छो.सा./निर्माण/2026—27/2407 दिनांकः 07.10.2026

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या : 03/2026—27

नगरपालिका छोटीसादडी द्वारा नगरपालिका छोटीसादडी एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारो/संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई—प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

NIB NO. - DLB2627A8326

निविदा में कुल कार्य	01 कार्य
निविदा की कुल लागत	24.69 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	07/10/2026 से 21/10/2026 तक (सांय 06.00 बजे तक)
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	07/10/2026 से 21/10/2026 तक (सांय 06.00 बजे तक)
निविदा, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि का डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक व निविदा ऑनलाईन जमा कराने का कन्फर्मेशन लेटर कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	22/10/2026 दोप. 12:00 बजे
तकनिकी बिड खोलने की तिथी	22/10/2026 दोप. 02:00 बजे
वित्तिय बिड खोलने की तिथी	तकनिकी बिड परीक्षण पश्चात्।
Work 01 UBN No.	DLB2627WSOB21459

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका छोटीसादड़ी

राज.संवाद/सी/26/11591

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पंचायत चुनाव की कमान अपने हाथ में ली

90 प्रचार रथों के माध्यम से प्रतिदिन साध रहे हैं गांव-ढाणी, ग्रामीण सुन रहे हैं मुख्यमंत्री का संबोधन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। निकाय चुनावों में भाजपा की जीत के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अब पंचायत चुनावों की कमान अपने हाथ में ले ली है। प्रदेशभर में चल रहे 90 प्रचार रथों के जरिए मुख्यमंत्री प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ग्रामीण सभाओं को संबोधित कर रहे हैं। गांव-ढाणी तक पहुंच बनाकर वे ग्रामीणों से सीधा संवाद कर रहे हैं और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार को गति दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से पंचायती राज चुनावों में भाजपा को समर्थन देने की अपील कर रहे हैं। उनका जोर पंचायतों में भी भाजपा की सरकार बनाकर "ट्रिपल इंजन" व्यवस्था कायम करने पर है। वे कहते हैं कि इससे गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भजनलाल शर्मा का ग्रामीणों से संवाद जारी, भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने और "ट्रिपल इंजन" सरकार के लिए समर्थन की अपील

योजनाओं और विकास कार्यों के जरिए ग्रामीणों तक पहुंच

मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान, ग्राम चौपाल, अटल ज्ञान केंद्र, अटल पथ, किसान सम्मान निधि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जैसी योजनाओं की जानकारी रख रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, ग्रामीणों से निरंतर संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहने का आ ान किया है।

33 महीने बनाम कांग्रेस के पांच साल का हिसाब

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने संबोधनों में विकास कार्यों के आंकड़े रखकर पिछली कांग्रेस सरकार से तुलना भी कर रहे हैं। उनका दावा है कि वर्तमान सरकार ने 33 महीनों में विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल की तुलना में तीन गुना से लेकर 28 गुना तक अधिक काम किए हैं। उन्होंने 18,431 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण, 18 सैटेलाइट अस्पतालों और 1,476 उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए 8 नई जिला परिषदें, 94 पंचायत समितियां और 3,467 ग्राम पंचायतें बनाई हैं। उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर 1.93 लाख नियुक्तियां देने और 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी होने की जानकारी भी दी।

कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की ताकत उसका संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। पंचायत चुनावों में सफलता के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता, जनसंवाद और बेहतर समन्वय जरूरी है। 90 प्रचार रथों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में संवाद और सरकार की उपलब्धियों का प्रचार पंचायत चुनावों में भाजपा की रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया है।

पंचायत चुनाव : बीजेपी रविवार को घोषित कर सकती है प्रत्याशियों की पहली सूची, टिकटों पर आज से मंथन

प्रदेश भाजपा कार्यालय में 3 दिन चलेगी रायशुमारी, पहले-दूसरे चरण के उम्मीदवारों के नाम होंगे फाइनल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनावों को लेकर भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन की कवायद तेज कर दी है। पहले चरण के चुनाव के लिए भाजपा रविवार देर शाम तक प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर सकती है। टिकटों पर सहमति बनाने के लिए शनिवार से जयपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश स्तर पर रायशुमारी शुरू होगी। तीन दिन तक चलने वाली इस प्रक्रिया में पहले और दूसरे चरण के चुनावों के लिए जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यों के संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पार्टी नेतृत्व की कोशिश है कि पहले चरण के उम्मीदवारों की घोषणा नामांकन की अंतिम तारीख से पहले कर दी जाए, ताकि प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

भाजपा ने प्रत्याशी चयन के लिए जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठनात्मक प्रक्रिया अपनाई है। जिलों में जिला प्रभारी, जिला परिषद प्रभारी और पंचायत समिति प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इनकी सलाह और जिला कोर कमेटियों की राय के आधार पर संभावित उम्मीदवारों के नामों के पैनल तैयार किए गए हैं। अब इन पैनलों पर प्रदेश स्तर पर विचार-विमर्श होगा। पार्टी संगठन सभी संबंधित नेताओं से चर्चा के बाद प्रत्येक सीट पर सहमति बनाने का प्रयास करेगा।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी के अनुसार, जिला कोर कमेटियों ने संभावित प्रत्याशियों के नामों के पैनल तैयार किए हैं। इन्हें प्रदेश स्तर पर रायशुमारी के लिए रखा जाएगा। सभी की राय लेकर किसी एक नाम पर सहमति बनाने के बाद भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। पार्टी की प्राथमिकता पहले चरण के उम्मीदवारों के नाम रविवार देर शाम तक घोषित करने की है।

निकाय चुनावों के दौरान कई स्थानों से प्रदेश स्तरीय रायशुमारी के लिए केवल एक नाम वाले पैनल भी भेजे गए थे। जयपुर नगर निगम चुनाव में भी कुछ विधायकों की ओर से सिंगल नाम के पैनल प्रस्तुत किए जाने की बात सामने आई थी। इस अनुभव के बाद भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने पंचायत चुनावों में प्रत्याशी चयन को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया है। इस बार किसी भी स्थिति में सिंगल नाम का पैनल स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक सीट के लिए पैनल में कम से कम तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम शामिल करना अनिवार्य होगा। जरूरत पड़ने पर तीन से अधिक नाम भी पैनल में रखे जा सकेंगे। इसके पीछे उद्देश्य एक ही नाम पर पहले से सहमति बनाकर भेजने के बजाय विभिन्न दावेदारों के नामों पर विचार करना और संगठन के स्तर पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करना है। इस व्यवस्था के चलते जिला स्तर पर तैयार किए गए पैनलों की प्रदेश स्तर पर समीक्षा होगी। जिन सीटों पर एक से अधिक दावेदार हैं, वहां उनकी संगठनात्मक सक्रियता, स्थानीय स्थिति और अन्य संबंधित पहलुओं पर चर्चा के बाद नाम तय किए जाएंगे। हालांकि, अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व की रायशुमारी के बाद ही होगा।

■ हर पैनल में तीन नाम अनिवार्य, सिंगल नाम वाले पैनल को नहीं मिलेगी मंजूरी

पहले चरण के 16 जिलों पर फोकस

भाजपा की तीन दिवसीय रायशुमारी में पहले चरण के जिलों पर प्राथमिकता से चर्चा होगी। पहले चरण में 16 जिलों में जिला परिषद सदस्यों और 104 पंचायत समितियों के सदस्यों के चुनाव होने हैं। इस चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 13 अक्टूबर निर्धारित है। ऐसे में पार्टी के सामने समय रहते प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बनाने और अधिकृत सूची जारी करने की चुनौती रहेगी। पहले चरण के जिलों की चर्चा पूरी होने के बाद दूसरे चरण में शामिल जिलों के संभावित प्रत्याशियों के नामों पर विचार किया जाएगा। दूसरे चरण में 22 जिलों में जिला परिषद सदस्यों और 127 पंचायत समितियों के सदस्यों के चुनाव होने हैं। इस चरण के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर है। दोनों चरणों के लिए नामों पर मंथन के दौरान जिला स्तर पर तैयार पैनलों को आधार बनाया जाएगा। प्रदेश नेतृत्व की रायशुमारी के बाद ही अधिकृत उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर लगेगी।पंचायत चुनावों में टिकट वितरण को लेकर भाजपा के भीतर दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता अपने-अपने स्तर पर समर्थन जुटाने में लगे हैं। वहीं, जिला कोर कमेटियों की ओर से तैयार पैनलों के प्रदेश कार्यालय पहुंचने के साथ ही दावेदारों की नजर अब प्रदेश नेतृत्व के फैसले पर टिकी है।

गंभीर रोगियों के लिए घर बना अस्पताल, सवा साल में 3 लाख लोगों को राहत

राजस्थान में पेलिएटिव केयर का विस्तार, 98 अस्पतालों में क्लिनिक सुविधा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार गंभीर एवं असाध्य रोगों से जूझ रहे मरीजों और बिस्तर पर रहने वाले बुजुर्गों को घर पर ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संकल्प' के विजन के अनुरूप होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर के माध्यम से मरीजों को उपचार के साथ दर्द से राहत, मानसिक सहयोग और सम्मानजनक देखभाल दी जा रही है। इस पहल से करीब सवा साल में तीन लाख से अधिक रोगियों को लाभ मिला है।

■ "राहत की किरण" वाहन से प्रदेशभर में घर-घर पहुंच रहीं हैं स्वास्थ्य टीमें

ओपीडी में 2.51 लाख मरीज लाभांवित

प्रदेश के 98 जिला, उप जिला और सेटेलाइट अस्पतालों में पेलिएटिव केयर क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। अप्रैल 2025 से अगस्त 2026 तक इनकी ओपीडी में करीब 2.51 लाख मरीजों को सेवाएं मिलीं, जबकि 41 हजार से अधिक मरीजों को भर्ती कर उपचार एवं देखभाल प्रदान की गई। कैंसर, पार्किंसन, स्ट्रोक, रीढ़ की चोट और अल्जाइमर सहित गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को इस कार्यक्रम का लाभ मिल रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के लिए टेली-परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध है।

4 माह में 43 हजार मरीजों के घर पहुंची स्वास्थ्य सेवा

जुलाई 2025 से शुरू होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त तक करीब 43 हजार मरीजों को घर पर स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं। इनमें लगभग 20 हजार बुजुर्ग शामिल हैं। मरीजों को नर्सिंग देखभाल, फिजियोथेरेपी, आवश्यक दवाइयां और मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल आने-जाने की परेशानी से राहत मिल रही है।

"राहत की किरण" वाहन से घर पहुंचती टीम

मुख्यमंत्री की पहल पर 'राहत की किरण' वाहन के जरिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के घर पहुंचते हैं। टीम में नर्सिंग ऑफिसर, फिजियोथेरेपिस्ट और संबंधित क्षेत्र की एएनएम या आशा कार्यकर्ता शामिल रहती हैं। आवश्यक दवाइयों के साथ घर पर ही देखभाल की जाती है और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से टेली-परामर्श दिलाया जाता है। सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए अब तक करीब 57 हजार केयर गिवर्स, 10 हजार एएनएम, 21 हजार से अधिक आशा कार्यकर्ताओं और लगभग 10 हजार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सरकार का लक्ष्य पेलिएटिव केयर को सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक विस्तारित करना है, ताकि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी समय पर उपचार, राहत और गरिमापूर्ण देखभाल मिल सके।

दिया कुमारी ने दिल्ली में साझा की राजस्थान की उपलब्धियां

नई दिल्ली। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान और "महिला सशक्तिकरण केंद्र" (एचईडब्ल्यू) के क्रियान्वयन, उपलब्धियों और नवाचारों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं और विभिन्न राज्यों में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

'राजस्थान में कुल अपराधों में कमी, महिला और गंभीर अपराध भी घटे'

जयपुर (कासं)। राजस्थान में वर्ष 2026 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में कुल अपराधों और कई गंभीर अपराधों में कमी दर्ज की गई है। पुलिस मुख्यालय के तुलनात्मक आंकड़ों के अनुसार सितंबर तक वर्ष 2025 में भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत 1 लाख 47 हजार 534 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2026 में यह संख्या घटकर 1 लाख 45 हजार 781 रही। इस तरह 1753 प्रकरण कम दर्ज किए गए। गंभीर अपराधों में भी गिरावट दर्ज की गई है। हत्या के 23 और हत्या के प्रयास के 174 प्रकरण पिछले वर्ष की तुलना में कम हुए हैं। संपत्ति संबंधी अपराधों में डकैती के मामलों में 19.67 प्रतिशत, लूट में 16.40 प्रतिशत और नकबजनी में 4.63 प्रतिशत की कमी आई है।

■ पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर तक 2026 में 1753 प्रकरण कम दर्ज हुए, पॉक्सो में 19.20 और दुष्कर्म के मामलों में 7.96 प्रतिशत की गिरावट आयी

महिला और बच्चों से जुड़े अपराधों में गिरावट

महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में भी कमी दर्ज की गई है। पॉक्सो एक्ट के मामलों में 478 प्रकरण यानी 19.20 प्रतिशत, दुष्कर्म में 356 प्रकरण यानी 7.96 प्रतिशत और छेड़छाड़ में 603 प्रकरण यानी 7.38 प्रतिशत की कमी आई है। पुलिस के अनुसार, कालिका यूनिट, एंटी रोमियो स्क्वॉड और महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन से छेड़छाड़ जैसे अपराधों की रोकथाम में मदद मिली है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी 954 प्रकरण यानी 15.47 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट में कार्रवाई बढ़ी

स्थानीय एवं विशेष अधिनियमों के तहत वर्ष 2025 में 65753 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2026 में यह संख्या बढ़कर 70035 हो गई। इस श्रेणी में 4,282 प्रकरणों की वृद्धि हुई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत 1,815 प्रकरण यानी 35.13 प्रतिशत, आर्म्स एक्ट में 538 प्रकरण यानी 10.17 प्रतिशत और आबकारी अधिनियम के तहत 908 प्रकरण यानी 4.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, यह वृद्धि संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई बढ़ने को दर्शाती है।

घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवादों की शिकायतें बढ़ी

घरेलू प्रताड़ना, दहेज की मांग और अन्य पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों में दर्ज शिकायतें बढ़ीं हैं। वर्ष 2025 में ऐसे 9,979 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2026 में यह संख्या बढ़कर 10,562 हो गई। पुलिस का कहना है कि महिलाओं का घरेलू हिंसा और पारिवारिक समस्याओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराना न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और जागरूकता का संकेत है। महिलाओं को सहायता और परामर्श उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक वृत्त स्तर पर एक पुलिस थाने में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र संचालित किया जा रहा है।

आम सूचना सर्व साधारण का सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण यामीन व जमीला बानो के पुत्र व पुत्रवधु तराना, रेशमा, ईशाक उर्फ नौशाद आरिफ उनके कहने में नहीं है, एवं लड़ाई-झगड़ा, परेशान करते, ईज्जत नही करते है, इसलिये मेरे अभिभाष्यगण नें इनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल करते हुए रेशमा, तराना, ईशाक उर्फ नौशाद व आरिफ से अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये है। भविष्य मे कोई भी व्यक्ति एंव संस्था मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र व पुत्रवधु, रेशमा, तराना ईशाक उर्फ नौशाद, तथा आरिफ से कोई भी लेन देन संव्यवहार करेगा तो वह स्वंय जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (मोहम्मद शरीफ) एडवोकेट
दिनांक मो.-9887188430, 7014733195

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम आशा राजपुरोहित से बदलकर आईसुका कंवर (ISUKA KANWAR) रख लिया है। भविष्य में मुझे आईसुका कंवर (ISUKA KANWAR) के नाम से जाना-पहचाना जावे। R/o-65, शिवशक्ति नगर किंग्स रोड़ जयपुर-302019

मैंने अपना नाम डाऊ सिंह राजपुरोहित से बदलकर डाऊ सिंह (Dau Singh) रख लिया है। भविष्य में मुझे डाऊ सिंह (Dau Singh) के नाम से जाना-पहचाना जावे। R/o-65, शिवशक्ति नगर किंग्स रोड़ जयपुर-302019

खोया पाया

मेरी माता के कमरा नम्बर 2, सर्राफ कटला, रामगंज बाजार, जयपुर का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र ओम प्रकाश अग्रवाल बहक अमीनुद्दीन दिनांकित 27.09.1994 जयपुर में कहीं गुम या खो गया है जिसकी पुलिस कम्प्लेन्ट एल आर नम्बर 3300973/2026 दिनांक 01.10.2026 को ऑनलाईन रूप से राजस्थान पुलिस में कराई गई है, कृपया मिलने पर सूचित करें। राकेश अग्रवाल, मो. 9928461718

मेरे भूखंड सं. A-258 जे.डी.ए. की योजना त्रिवेणी नगर जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र, साईट प्लान, कब्ज़ा पत्र एवं लाईसेंस डीड कही गुम हो गए है सूचित करे। निर्मला जैन मो. 9829075213

पंजीयन क्रमांक 2667/ एल **आम सूचना** दि. 09-10-2026
एतद् द्वारा शिवदासपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर की गृह योजना जो कृषि भूमि खसरा नम्बर 275, 276, 277, 278, 279, 281, 283, 284, 285, 286 ग्राम विजयपुरा, आगरा रोड पर स्थित हिस्सा 1/4 का सम्पूर्ण के सभी भूखण्डधारियो को सूचित किया जाता है कि संस्था की उक्त योजना गुलाब वाटिका के भूखण्डधारियो की एक आम सभा दिनांक 10.10.2026 समय 11 बजे स्थान- बी- 07, रुकमणी नगर-बी, विजयपुरा रोड, आगरा जयपुर आयोजित की जारही है जिसमें आप सभी सदस्यो की उपस्थिति अपेक्षित है। बैठक का एजेन्डा निम्न प्रकार होगा। (1.) संस्था की योजना भूमि खसरा नम्बर 275, 276, 277, 278, 279, 281, 283, 284, 285, 286 ग्राम विजयपुरा, आगरा रोड का काश्तकार द्वारा डबल बेचान के कारण काश्तकार के विरूद्ध समस्त सिविल एवं फौजदारी प्रकरणो पर विचार (2.) भूखण्डधारियो द्वारा साईड प्लान के विपरीत किये गये निर्माण पर विचार (3.) भूखण्डो के बेचान, बिना संस्था की स्वीकृति एवं अनुमति पर विचार (4.) भूखण्डो के बेचान बाद भूखण्डो के हस्तान्तरण पर विचार (5.) जे.डी.ए. से नियमनो के अनुरूप योजना के प्लान नक्शा में संशोधन पर विचार (6.) भूखण्डो का जे.डी.ए. से अनुमोदन कराने पर विचार (7.) अन्य विषय अध्यक्ष की आज्ञा से
भवदीय- सूर्य प्रकाश
मंत्री शिवदासपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर
1640 बाबा हरीश चन्द्र मार्ग, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांकः 3498 जाहिर आम-सूचना दिनांकः09.10.2026
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 4026 दिनांक 01/08/2013 जारी कर आवास संख्या आवास 3- द - 15 जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 288.00 वर्ग गज का हस्तान्तरण श्री अरुण दुग्गड़ पुत्र डॉ. एस.एम. दुग्गड़ के पक्ष में किया गया था। श्री अरुण दुग्गड़ की मृत्यु दिनांक 15/07/2026 को हो जाने के कारण श्री मुदित दुग्गड़ पुत्र श्री कपिल दुग्गड़ के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की रसीद की प्रति, अंडरटेकिंग, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छायाप्रति प्रस्तुत उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री मुदित दुग्गड़ पुत्र श्री कपिल दुग्गड़ के पक्ष में आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेगी।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-तृतीय, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री ताराचन्द चौहान, सिंधी सागर के सामने, सांगानेर, जयपुर में निवास करती है। मेरी अभिभाष्या ने लूनियावास गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर से समिति की योजना बाल विहार, ब्लॉक बी, ग्राम कल्याणपुरा, तहसील सांगानेर में एक आवासीय भूखण्ड संख्या 1-ए, जिसका कुल क्षेत्रफल 100 वर्गगज है, को दिनांक 10.01.1993 को खरीद किया था, जिसका आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान व रूपये जमा कराने की रसीद आदि समिति द्वारा मेरी अभिभाष्या श्रीमती निर्मला देवी को सुपुर्द कर, भूखण्ड का कब्जा संभला दिया था। उक्त प्लाट में पानी का कनेक्शन चाहने हेतु दिनांक 20.01.2019 को प्लाट के उक्त दस्तावेजात के फोटो प्रति जमा करवाई थी। तदोपरान्त उक्त प्लाट के मूल कागजात व एक स्टाम्प हस्ताक्षित घर पर रखे हुये थे। मेरी अभिभाष्या की सास का दिनांक 29.08.2026 को स्वर्गवास होने के उपरान्त तलाश किया तो उक्त प्लाट के मूल कागजात व हस्ताक्षित स्टाम्प नहीं मिले है। कोई भी व्यक्ति / संस्था / कम्पनी उक्त दस्तावेजात का किसी भी प्रकार से दुरूपयोग ना करे व ना ही दस्तावेजात के आधार पर प्लाट बेचान व हस्तान्तरित करें अन्यथा उसके परिणामो के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। सूचित रहे।
जयपुर (जितेन्द्र कुमावत) एडवोकेट
दिनांक 09/10/2026 मो. 9351585883

नगर निगम जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर)
क्रमांकः एफ-6( )उपा.राज.-द्वितीय(स.प्र.)/ननिज/2026/1060 दिनांकः 06.10.2026
सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अर्जुन लाल सेठी योजना, जयपुर के दुकान संख्या 11, अर्जुन लाल सेठी योजना, जयपुर का आवंटन श्रीमती कृष्णा सहगल पत्नी श्री के.के. सहगल के नाम से जारी किया गया था। अब उक्त दुकान संख्या 11, सेठी कॉलोनी, जयपुर क्षेत्रफल 111.48 वर्गमीटर का विभिन्न पंजीकृत /अपंजीकृत श्रृंखलाबद्ध दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड पट्टा 1. श्री कार्तिक चौधरी पुत्र श्री मनोज कुमार चौधरी, 2. श्री मनोज कुमार चौधरी पुत्र श्री ओम प्रकाश चौधरी एवं 3. श्रीमती प्रमिला चौधरी पत्नी श्री मनोज कुमार चौधरी निवासी 11, सेठी कॉलोनी, जयपुर दूरभाष नं. 9784359051 के द्वारा चाहा गया है। अतः दुकान संख्या 11, सेठी कॉलोनी, जयपुर क्षेत्रफल 111.48 वर्गमीटर का लीज होल्ड पट्टा 1. श्री कार्तिक चौधरी पुत्र श्री मनोज कुमार चौधरी, 2. श्री मनोज कुमार चौधरी पुत्र श्री ओम प्रकाश चौधरी एवं 3. श्रीमती प्रमिला चौधरी पत्नी श्री मनोज कुमार चौधरी निवासी 11, सेठी कॉलोनी, जयपुर के पक्ष में किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी अथवा अन्य हितसम्बद्ध व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालयः उपायुक्त, राजस्व द्वितीय, कक्ष सं. 227 प्रथम तल, नगर निगम जयपुर मुख्यालय, लाल कोठी जयपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित करली जावेगी। उपायुक्त (राजस्व द्वितीय), नगर निगम जयपुर

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नि श्रीमती कोकिला पारीक एवं पुत्री सुश्री अपर्णा पारीक लगभग 3 वर्ष से मेरे सम्पर्क एवं नियंत्रण में नहीं है, न ही इन दोनो से मेरा व मेरे अनुज पारीक का कोई सम्पर्क व सम्बन्ध है और न ही ये हमारे साथ निवास कर रही है एवं इनके द्वारा मुझे अथवा मेरे पुत्र अनुज पारीक की बिना जानकारी व विश्वास में लिये बिना किये गये किसी भी प्रकार के लेन-देन व व्यवहार का हमसे कोई सरोकार नहीं है। यदि उपरोक्त दोनों से कोई किसी प्रकार का लेन-देन या व्यवहार करता है तो इस स्थिति में मैं व मेरा पुत्र अनुज पारीक किसी प्रकार से उत्तरादायी नहीं होंगे।
महेश पारीक
407, श्री गणेशम हाईट्स
जगदम्बा नगर-डी, गिरधारीपुरा, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान सरकार
कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, अलवर (राज.)
क्रमांकः खअ/अल/सीसी-राजगढ/अखप-335/09/ दिनांकः-7/10/2026
आम-सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खनन पट्टा संख्या 335/09 वास्ते खनिज मारबल निकट ग्राम टोडाजयसिंहपुरा तहसील टहला जिला अलवर में खनन पट्टाधारी श्री मूलचन्द मीणा पुत्र श्री महादेवा मीणा निवासी ग्राम टोडाजयसिंहपुरा तहसील टहला जिला अलवर का देहान्त दिनांक 17.09.2026 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री कमलेश मीणा पुत्र श्री मूलचन्द मीणा निवासी ग्राम टोडाजयसिंहपुरा तहसील टहला जिला अलवर द्वारा उक्त खनन पट्टा राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के नियम 76 के अन्तर्गत नामान्तरण अपने नाम करने बाबत इस कार्यालय में आवेदन दिनांक 07.10.2026 को किया गया है।
इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई ऐतराज हो तो अपना उज्र / दावा 15 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद कोई उज्र मान्य नही होगा एवं उक्त खनन पट्टे के नामान्तरण के सम्बन्ध में अग्रिम कार्यवाही की जावेंगी। सो सूचित होवें।
खनि अभियन्ता खान एवं भूविज्ञान विभाग अलवर (राज.)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय चूरू (राज.)
प्रकरण संख्या वर्ष सुनवाई तिथि
सुरेंद्र जांगिड़ विरूद्ध जयपाल सिंह आदि
वास्ते :
1. आनंद कुमार पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
2. ओंकारमल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
3. दुर्गा देवी पत्नी श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
4. बुधरमल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
5. रामेश्वर लाल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
6. श्रीमती नंदू देवी पत्नी स्व. श्री सांवरमल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
समस्त हाल निवासी, Glory Plaza, Police Bazar, Shop no BF-1, Shilong-793001
सूचित हो कि वादी सुरेन्द्र जांगिड़ ने रोही ग्राम झारिया तहसील चूरू भूमियां खसरा संख्या 459 तादादी 3.6042 हेक्टेयर, खसरा संख्या 460 तादादी 0.2908 हैक्टेयर, खसरा संख्या 548 तादादी 1.3405 हैक्टेयर एवं खसरा संख्या 549 तादादी 7.1705 हैक्टेयर कुल कीता 4 तादादी 12.4060 हैक्टेयर की बाबत एक विभाजन का वाद अन्तर्गत धारा 53 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत प्रस्तुत किया है जिसकी सुनवाई 15-10-2026 दिनांक 15.10.2026 को निश्चित की गई है। यदि इस सम्बन्ध में आपको कोई ऐतराज हो अथवा अपना पक्ष रखना चाहते है तो उक्त नियत तिथि को प्रातः 10 बजे स्वंय अथवा अधिवक्ता के जरिये उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त बाद की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। यह आज्ञा तारीख 29.09.2026 को न्यायालय की मुद्रा लगाकर की गई।
आज्ञा से
मोहर अदालत न्यायालय उपखखण्ड अधिकारी चूरू

आम-सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।
क्रमांक : F-JDA/Zone-08/2026/D-432
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन कमांक 330288 दिनांक 14/09/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Sub Division and Reconstitution जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है :

क. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी / लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. / निजी खातेदारी / जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिये आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Ashwin Dadheech S/o Kailash Chand Dadhich	श्रीमति मुन्नी देवी पत्नि श्री ताराचन्द	27	297.12 Sq Yards	Cooperative	PATEL NAGAR (THE KRISHNA GNSS)	Sub Division and Reconstitution	आवेदक श्री अश्विनी दाधीच पुत्र श्री कैलाश चन्द दाधीच द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर दी

कृष्णा कॉ-ओपरेटिव सोसायटी लि. की योजना पटेल नगर के भूखण्ड संख्या 27 क्षेत्रफल 297.12 व.ग. का भूखण्ड संख्या 27-ए क्षेत्रफल 148.75 व.ग. में उपविभाजन किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। दी कृष्णा कॉ-ओपरेटिव सोसायटी लि. की योजना पटेल नगर के भूखण्ड संख्या 27 क्षेत्रफल 297.12 व.ग. का पट्टा श्रीमति मुन्नी देवी पत्नि श्री ताराचन्द के नाम जारी किया गया। तत्पश्चात इनके द्वारा दिनांक 15.05.2013 को जरिये रजि. विक्रय पत्र के माध्यम से उक्त भूखण्ड का बेचान श्री रमेश मारवाड पुत्र स्व. श्री प्रभुदयाल को किया गया। तत्पश्चात इनके द्वारा दिनांक 21.06.2018 को जरिये रजि. विक्रय पत्र के माध्यम से भूखण्ड संख्या 27 क्षेत्रफल 297.12 व.ग. में से भूखण्ड संख्या 27-ए क्षेत्रफल 148.75 व.ग. का बेचान श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री टीकम चन्द को किया गया। तत्पश्चात इनके द्वारा दिनांक 29.01.2020 को जरिये रजि. विक्रय पत्र के माध्यम से भूखण्ड संख्या 27-ए क्षेत्रफल 148.75 व.ग. का बेचान श्रीमति सुरभी शर्मा पत्नि श्री रमेश कुमार शर्मा को किया गया। तत्पश्चात इनके द्वारा दिनांक 25.08.2026 को जरिये रजि. विक्रय पत्र के माध्यम से भूखण्ड संख्या 27-ए क्षेत्रफल 148.75 व.ग. का बेचान आवेदक श्री अश्विनी दाधीच पुत्र श्री कैलाश चन्द दाधीच को किया गया।
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Sub Division and Reconstitution जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-11 सांगानेर जयपुर महानगर प्रथम
मनीष भागचन्दानी विरूद्ध पूजा कोरचन्दानी
वाद/प्रार्थना पत्र 13A
प्रार्थना-पत्र संख्या 270 सन् 2026
नाम पूजा कोरचन्दानी पुत्री स्व.श्री शंकर लाल जाति... पता-प्लॉट नं. 11, दादू मार्ग, शिवाजी चौक, पोण्ड्रिक पार्क, ब्रह्मपुरी, जयपुर उक्त... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....
अतः अपाको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 03 माह 12 सन् 2026 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें ता उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज ता. 05 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर
मोहर

भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी 5वीं मंजिल, 15-एनबीसीसी टॉवर, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली-110066
शुद्धिपत्र
नीचे दिए गए पदों को भरने के लिए, 18-24 जुलाई, 2026 के एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ में छपे एडवर्टाइज़मेंट नंबर 03/2026 के तहत एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीख, एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ में इस करिगेंडम के छपने की तारीख से एक महीने तक बढ़ा दी गई है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

एस. नं.	पद का नाम	पे लेवल (7th CPC के अनुसार)	आवेदन का तरीका	पदों की संख्या
1	निदेशक (वित्त एवं प्रशासन)	14	प्रतिनियुक्ति/अनुबंध	01
2	निदेशक (परियोजना/तकनीकी)	14	प्रतिनियुक्ति/अनुबंध	01
3	उप निदेशक (परियोजना/तकनीकी)	12	प्रतिनियुक्ति/अनुबंध	02
4	सहायक निदेशक (वित्त एवं प्रशासन)	11	नियुक्ति	01

डिटेल्ड एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया और एप्लीकेशन फॉर्मेट या किसी भी बदलाव / अपडेट के लिए, कृपया वेबसाइट https://nrida.dord.gov.in पर एडवरटाइजमेंट आइकन के नीचे या https://www.dord.gov.in पर "ऑफरिंग्स" आइकन के नीचे जाएं।
नेशनल रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी (NRIDA) के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी स्टेज पर एडवर्टाइज की गई पोस्ट/वैकेंसी को कैंसल करने, वापस लेने, बदलने या न भरने का अधिकार है। एप्लिकेंट्स को अपनी एप्लीकेशन सिर्फ बताए गए फॉर्मेट में जमा करनी होगी, ऐसा न करने पर उन्हें तुरंत रिजेक्ट कर दिया जाएगा।
CBC 35104/11/0018/2627 सहायक निदेशक (एफ एंड ए)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)
Email :- bdabharatpur@rajasthan.gov.in, bdabharatpur@gmail.com
क्रमांकः- नियमन/2026/24980309 दिनांकः9/10/2026
सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न भूखण्डधारियों द्वारा अपने भूखण्ड का नियमन बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। सूचित इस भूखण्ड का नियमन / आवंटन आवेदकों के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति, व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के सात दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवें अन्यथा आवेदकों के पक्ष में भूखण्ड का नियमन कर दिया जायेगा :-

क्र. सं.	ऑनलाईन फाईल नम्बर	नाम आवेदनकर्ता	योजना का नाम	खसरा नं. चक नं./ ग्राम/तहसील	भू.सं.	क्षेत्रफल वर्गगज में	भूखण्ड किससे क्रय किया गया	क्रय का प्रकार एवं दिनांक अपंजीकृत इकरारनामा/वयनामा
1	4492329	ममता देवी पत्नी श्री संतोष कुमार	गिरीश विहार कॉलोनी	खसरा नम्बर 576 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 01	62	150.00	श्री चन्द्रकान्त तवानियां पुत्र श्री भोलाराम शर्मा	वयनामा दिनांक 17.07.2019
2	467992	श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री विक्रम सिंह	एल.बी.शास्त्री नगर फेज-2	खसरा नम्बर 1107/2469 कस्बा सेवरकलां	477	86.66	श्री फूलचन्द मित्तल पुत्र श्री मिट्ठन लाल	वयनामा दिनांक 22.01.2024
3	450113	श्री देवानंद पुत्र श्री भुगडामल	गिरीश विहार कॉलोनी	खसरा नम्बर 550 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 01	126	150.00	श्रीमती विमला देवी पुत्री पूरनचन्द पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार	वयनामा दिनांक 27.05.2004

उपायुक्त
भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

इतने सालों तक आपके साथ खेलना बेहद सुखद अनुभव रहा है। आपके 10 सालों का नेतृत्व बेहद शानदार रहा और अब हम मिलकर देश के लिए कई और उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगे। - स्मृति मंधाना

भारतीय महिला कप्तान, अपने खेल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ निक मैडिसन

दक्षिण अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में कंगारू टीम पहले बैटिंग के लिए मैदान में आई। सलामी जोड़ी के रूप में निक मैडिसन और ट्रेविस हेड उतरे। इस दौरान निक मैडिसन ने 33 बॉल खेल ली, लेकिन उनके बल्ले से एक भी नहीं आया। आखिर में शून्य पर आउट होकर वापस पवेलियन लौट गए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में प्रॉपर बैटर के तौर पर कोई बल्लेबाज काफी दिन बाद इतनी बॉल खेलकर भी बिना रन बनाए आउट हो गया। यहां पर हम प्रॉपर बैटर की जब बात रहे है, तो उसमें पहले नंबर से लेकर सातवें नंबर तक बैटिंग के लिए आने वाले बल्लेबाजों की बात हो रही है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

राजवर्धन सिंह तोमर के शतक से जीती क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 9 अक्टूबर। 14 मानसून कप में क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 299 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाए। राजवर्धन सिंह तोमर ने 159 नाबाद और हिम्मत सिंह ने सर्वाधिक 76 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट अकादमी 24 ओवर में 79 रन पर ऑल आउट हो गई। क्रिकेट अकादमी की ओर से कार्तिकेय राठौर और आयुष यादव ने 3-3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच राजवर्धन सिंह तोमर को चुना गया।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की छह विकेट से शानदार जीत

जयपुर, 9 अक्टूबर। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित प्रथम अंडर-14 श्याम कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने मरुधर क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए मरुधर क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट पर 186 रन बनाए। आराध्या व्यास ने 78 और हृदय ने 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से अंजनी कुमार शर्मा ने तीन विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने प्रियक जैन के 55 और विहान शर्मा के 40 रनों की बदौलत 27 ओवर में चार विकेट पर 187 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मरुधर क्रिकेट अकादमी की ओर से हिमांशु ने दो विकेट चटकाए, जबकि संगम और श्रेष्ठ शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

इंडिया ओपन बरेटा शॉटगन शूटिंग प्रतियोगिता 5 से 13 अक्टूबर तक

जयपुर, 9 अक्टूबर। प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने जबरदस्त कमाल किया। शॉटगन स्कीट आई.एस.एस.एफ. मैच में आज के दिन सीनियर वर्ग में ओलंपियन अनंत जीत सिंह नरूका ने सिल्वर मेडल जीता और जूनियर वर्ग में यशवर्धन सिंह राजावत वाटिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्कीट महिला जूनियर वर्ग में राजस्थान जयपुर की बेटी रिद्धि बत्रा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इन सभी खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन देते हुए ओपन चैम्पियनशिप में राजस्थान का मान बढ़ाया। यह उपलब्धि पूरे राजस्थान के लिए गर्व का क्षण है और प्रदेश के युवा निशानेबाजों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। राजस्थान राइफल एसोसिएशन सभी पदक विजेताओं को दिल से शुभकामनाएं देती है और प्रार्थना करती है कि आप आगे भी भविष्य में इसी तरह का शानदार प्रदर्शन करते रहें और राजस्थान व अपने देश का नाम रोशन करते रहें।

अंडर-19 महिला टी-20 ट्रॉफी राजस्थान की बेटियों ने मिजोरम को 9 रन से हराया

जयपुर, 9 अक्टूबर। बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर-19 महिला टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिजोरम को 9 रन से हरा दिया। नई चंडीगढ़ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 132 रन बनाए। प्रियांशी चौधरी ने 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि अंशिका चौधरी ने 28, प्रतीक्षा सिंह ने 20 और धृति माथुर ने नाबाद 16 रन का योगदान दिया। मिजोरम की जोथन संगी ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में मिजोरम की टीम 4 विकेट पर 123 रन ही बना सकी। सवंतलुआंगी ने 55 और रवतपुइ ने 50 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। राजस्थान की ओर से वंशिका सिंह सिंदल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर 4 विकेट झटके और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

जयपुर में सीनियर महिला टी-20 कैम्प कल से

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से सीनियर महिला टी-20 टीम के कैंप का आयोजन 11 अक्टूबर से जयपुर में किया जाएगा। कैंप के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों की 37 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों को 10 अक्टूबर को रिपोर्ट करना होगा। कैंप में जयपुर से ज्योति चौधरी, मेघा सैनी, अक्षिता माहेश्वरी, अर्चना योगी और संगीता कुमावत सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों की खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। इसके अलावा शानू सेन, सुमन मीणा, वंशिका यादव, रिंकू ताक, शिवानी चौधरी, आयुषी गर्ग, श्रेया जोशी और रीजा शेख सहित अन्य खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है।

अंडर-16 चैलेंजर ट्रॉफी : तीन दिन होंगे मुकाबले कल से

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की अंडर-16 चैलेंजर ट्रॉफी के मुकाबले 11 से 13 अक्टूबर तक जयपुर में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप में टीमों के बीच लीग आधार पर मुकाबले होंगे। पहले दिन 11 अक्टूबर को ग्रुप-1 में टीम ए का सामना टेलर क्रिकेट ग्राउंड पर टीम डी से होगा, जबकि टीम बी और टीम सी के बीच अनंतम ग्राउंड पर मुकाबला खेला जाएगा।

होप ने खेली धुंआधार पारी, वेस्टइंडीज ने 250 रनों के टारगेट को किया हासिल

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला रांची के स्टेडियम में खेला जिसमें वेस्टइंडीज की टीम ने 250 रनों के टारगेट को 18.3 ओवर्स में हासिल करने के साथ सीरीज को अब 1-1 की बराबरी पर ला दिया है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। इसके बाद टीम इंडिया की तरफ से शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें उन्होंने 20 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 249 रनों का स्कोर बनाया था।

भारतीय टीम की तरफ से इस मैच में संजू सैमसन के बल्ले से जहां 82 रनों की बेहतरीन पारी देखने को मिली तो वहीं ईशान किशन ने 43 रनों पारी खेली। इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 40

जबकि तिलक वर्मा के बल्ले से नाबाद 44 रनों की पारी देखने को मिली। वेस्टइंडीज की तरफ से गेंदबाजी में रोस्टन चेज ने कमाल दिखाया जिन्होंने कुल तीन विकेट हासिल किए तो वहीं इसके अलावा शमर स्प्रिंगर ने 2 विकेट हासिल किए। इसके बाद टारगेट का पीछा करने उतरी विंडीज टीम की शुरुआत तो अच्छी नहीं रही लेकिन उनके कप्तान शे होप की नाबाद 103 रनों की धुआंधार पारी ने उनको एक ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। इससे पहलेटीम इंडिया ने इस सीरीज के पहले मुकाबले को एकतरफा 8 विकेट सेअपने नाम किया था।

रांची टी20 मैचमें टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया को 249 के बडे स्कोर तक पहुंचाने में संजू सैमसन का बल्ले से अहम योगदान देखने को मिला, जिन्होंने ओपनिंग में जहां तेज शुरुआत दी तो वहीं 41 गेंदों में 82 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इसके अलावा ईशान किशन ने भी 43 रनों की पारी खेली। वहीं अंतिम ओवर्स में बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्ले से धुआंधार 44 और 43 रनों की पारी देखने को मिली। रांची में पहली बार कोई टीम टी20 इंटरनेशनल में 200 रनों का आंकडा पार करने में कामयाब हो सकी।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड टी-20 स्क्वॉड से 2 खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड स्क्वॉड में दो बदलाव हुए है। ऑलराउंडर मार्क चैपमैन और पेसरजैक फॉक्स बाहर हो गए। दोनों अलग-अलग चोटों की वजह सेभारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज नहीं खेल पाएंगे। इनकी जगह कीवी टीम में ऑलराउंडर जॉश क्लार्कसन और पेसर ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20 की सीरीज 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। इसके लिए कीवी टीम के साथ ही भारत ने भी स्क्वॉड घोषित कर दी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि चैपमैन को हैमस्ट्रिंग इंजरी है। उन्हें पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग के दौरान यह चोट आई थी। उनकी बायीं हैमस्ट्रिंग में टियर है। उम्मीद की जा रही है कि वे भारत के खिलाफ पांच वनडे की सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। वहीं पेसर फॉक्स को हाल ही में स्थानीय टीम कैंटरबरी की ट्रेनिंग के दौरान चोट लगी। उनके दाएं कूल्हे की हड्डी में चोट आई है। अभी तय नहीं है कि वे कब तक फिट होकर वापसी कर पाएंगे। कीवी टीम के हेड कोच रॉब वाल्टर ने स्क्वॉड में बदलाव के बारे में कहा कि वे मार्क और जैक के बाहर जाने से दुखी हैं। मगर किस्मत अच्छी है कि जॉश और ब्लेयर की विशेषज्ञता का सहारा मिल गया। क्लार्कसन ऑलराउंडर हैं और दाएं हाथ से बैटिंग और तेज गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट में छह वनडे औ 13 टी20 मुकाबले खेले हैं। टी20 इंटरनेशनल में 132/45 की स्ट्राइक रेट से 151 रन उनके नाम हैं। वहीं बॉलिंग में 7/37 की इकॉनमी से छह विकेट लिए हैं। उन्होंने 2023 में कीवी टीम में कदम रखा था। वे आखिरी बार मई 2026 में बांग्लादेश दौरे पर खेले थे।क्लार्कसन अभी तक भारत के सामने टी20 मैच नहीं खेले हैं।

अंडर-19 एशिया कप : भारत बनाम पाक के बीच महामुकाबला दीपावली पर

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। एशियाई क्रिकेट कॉउंसिल(एसीसी) ने अंडर-19 एशिया कप का ऐलान कर दिया है, जिसमें भारत और पाकिस्तान की युवा क्रिकेट टीमों के बीच दिवाली वाले दिन महामुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला अब तय हो चुका है और दिवाली वाले दिन अंडर-19 टीम के खिलाड़ी जीत दर्ज करके पूरे देश के क्रिकेट फैंस को जश्न मनाने की दोहरी खुशी देना चाहेंगे। अंडर-19 एशिया कप का आगाज पांच नवंबर से होगा और 14 नवंबर तक यह टूर्नामेंट ओमान की धरती पर खेला जाएगा। इसमें भारत के तमाम युवा खिलाड़ी अपना जलवा दिखाना चाहेंगे। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान की हॉकी टीम को बड़ा झटका लगा है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी इसी महीने भारत में खेली

जानी है और इस टूर्नामेंट से पाकिस्तान को बाहर कर दिया गया है। उसकी जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। दिवाली वाले दिन भारत-पाकिस्तान का बड़ा मुकाबला: सबसे पहले क्रिकेट की बात करें, तो अंडर-19 एशिया कप को लेकर अब फैंस का रोमांच चरम पर है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली सीनियर वनडे टीम इंडिया जहां न्यूजीलैंड दौरे पर उसकी टीम से लोहा ले रही होगी, वहीं अंडर-19 एशिया कप का आगाज भी नवंबर के महीने में होगा। यानी नवंबर में भारतीय फैंस को एक नहीं, बल्कि दो क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांच देखने को मिलेगा। इसमें दिवाली वाले दिन को अब बड़ा बना दिया गया है, जब भारत और पाकिस्तान के अंडर-19 क्रिकेट खिलाड़ी आठ नवंबर को महामुकाबला खेलते नजर आएंगे। भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया: अंडर-19 एशिया कप 2026 काआगाज ओमान की धरती पर पांच नवंबरसे होगा और 14 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट इस बार लिस्ट ए यानी वनडे फॉर्मेट (50-50 ओवर) में खेला जाएगा। इसमें कुल 15 मैच खेले जाएंगे और भारत व पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है।

आईपीएस अधिकारी पंकज चौधरी के पुत्र का सीबीएसई वेस्ट जोन क्रिकेट टीम में चयन

जयपुर, 9 अक्टूबर। जयपुर के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ी पद्मनाभ चौधरी का ऑल इंडिया सीबीएसई नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए वेस्ट जोन की अंडर-17 टीम में चयन हुआ है। सितंबर में आयोजित प्रारंभिक ट्रायल शिविर और 5, 6 व 7 अक्टूबर को खेले गए मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें 18 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। राजस्थान कैडर के आईपीएस अधिकारी पंकज चौधरी के पुत्र और सेंट जेवियर्स स्कूल के छात्र पद्मनाभ दाएं हाथ के बल्लेबाज, ऑफ स्पिनर और बेहतरीन क्षेत्ररक्षक हैं। चयन मुकाबलों में उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ कप्तानी में भी अच्छा प्रदर्शन किया। वह पिछले वर्ष भी सीबीएसई की वेस्ट जोन टीम के सदस्य रह चुके हैं।

ऑल इंडिया आईपीएससी बास्केटबॉल अंडर-19 गर्ल्स टूर्नामेंट

महारानी गायत्री देवी गर्ल्स स्कूल, जयपुर बना चैम्पियन

जयपुर, 9 अक्टूबर। एमजीडी गर्ल्स स्कूल, जयपुर की मेजबानी में आयोजित चार दिवसीय ऑल इंडिया आईपीएससी बास्केटबॉल गर्ल्स अंडर-19 टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला मेजबान टीम के नाम रहा। खेल उत्कृष्टता, अनुशासन और टीम वर्क से सजे इस राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में देश भर के 11 प्रतिष्ठित स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। प्रारंभिक मुकाबलों से ही

एमजीडी की टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा। टूर्नामेंट के चौथे दिन खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट ने मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई को 49-36 के अंतर से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। शाम को आयोजित बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले में एमजीडी गर्ल्स स्कूल और द लॉरेंस स्कूल, लवडेल के बीच बेहद रोमांचकारी खेल देखने को मिला। अंत तक चले कड़े संघर्ष में एमजीडी की छात्राओं ने उत्कृष्ट कौशल और रणनीति का परिचय देते हुए लवडेल को 21-18 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता के समापन समारोह में स्कूल डायरेक्टर अर्चना एस. मनकोटिया, प्राचार्या प्रमेंद्र खंगारोत, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल एस. एस. सॉंगवान और कॉर्डिनेटर भी उपस्थित रहे। मनकोटिया ने युवा खिलाड़ियों की खेल भावना, प्रतिभा और अनुशासन की सराहना की।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के टी-ब्रेक तक छह विकेट गिरे

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दिन स्कोर 149/6

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला डरबन में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टी-ब्रेक तक 149 रन पर 6 विकेट गंवा दिए है। स्टीव स्मिथ 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मार्नस लाबुशेन 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मैट रेनशॉ 32, जबकि कप्तान पैट कमिंस 9 रन बनाकर खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका की ओर से मार्को यानसन, वियान मुल्डर और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए हैं। लंच तक ऑस्ट्रेलिया के 3 विकेट गिरे: पहले दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट गंवा दिए है। मार्नस लाबुशेन 37 रन बनाकर आउट हुए। लाबुशेन को मुल्डर ने आउट किया। ट्रैविस हेड 9 रन बनाकर आउट हुए। निक

मैडिनसन खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। उन्हें यानसन ने बोल्ड किया। साउथ अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर ने 2 विकेट लिए, जबकि मार्को यानसन को 1 विकेट मिला।

हेड 9 रन बनाकर आउट, अफ्रीका को रिव्यू पर विकेट

ओपनर ट्रेविस हेड 9 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वियान मुल्डर ने विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच कराया। लेग स्टंप के बाहर की बॉल बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों पर चली गई। इस पर साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अपील की। लेकिन, अंपायर ने पहले उन्हें नॉटआउट दिया। ऐसे में रिव्यू की मांग की गई। रिप्ले से पता चला कि गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया था। रबाडा नहीं खेल रहे: तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना सके। वहीं, एनरिक नॉर्त्या 2023 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

साउथ अफ्रीका: एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, डेविड बेडिंघम, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, वियान मुल्डर, काइल वेरेने (विकेटकीपर), मार्को यानसन, साइमन हार्मर, केशव महाराज, एनरिक नॉर्त्या।

ऑस्ट्रेलिया: ट्रैविस हेड, निक मैडिनसन, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्यू वेबस्टर, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड।

34 जिलों के 700 स्केटर्स ने दिखाया दमखम

84 पदकों के साथ 70वीं एसजीएफआई प्रतियोगिता का समापन

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान के करीब 34 जिलों के 700 स्केटर्स की भागीदारी के साथ आयोजित 70वीं एसजीएफआई राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का बुधवार को श्री हरि ओम विद्या पीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, केशव नगर में भव्य समापन हुआ। शिवा स्पोर्ट्स क्लब, जयपुर के तत्वावधान में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी रफ्तार, तकनीक और खेल कौशल से प्रभावित किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने 28 स्वर्ण, 28 रजत और 28 कांस्य सहित कुल 84 पदक जीते। जयपुर, उदयपुर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के स्केटर्स का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। समापन समारोह में आरटीओ अधिकारी इंस्पेक्टर दिनेश, वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी अखिलेश, उप जिला शिक्षा शारीरिक शिक्षा संतोष, विद्याधर नगर थाना प्रभारी सज्जन सिंह और वार्ड-7 की पार्षद प्रत्याशी पूजा शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वक्ताओं ने खेल भावना, अनुशासन और सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य रामनिवास अजमेरा, ललिता सैनी और शिवा स्पोर्ट्स क्लब के कोच नियाज के सहयोग से प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए ऑफिशियल्स और रैफरी को भी सम्मानित किया गया। सात दिवसीय प्रतियोगिता ने प्रदेश की उभरती स्केटिंग प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान किया।

70वीं जिला एवं राज्य स्तरीय स्कूल प्रतियोगिता में जोधपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

बीकानेर, 9 अक्टूबर। बीकानेर एवं लक्ष्मणगढ़ में आयोजित 70 वीं जिला एवं राज्य स्तरीय स्कूल 14 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की आर्टिस्टिक, रिधिक एवं एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक की प्रतियोगिता में जोधपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम किया।

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में 19 वर्षीय खिलाड़ी रूद्राक्ष ने ऑलराउंड व्यक्तिगत वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्कूल चैंपियन का खिताब हासिल किया तथा पॉमेल हॉर्स, वॉल्टिंग टेबल, रोमन रिंग व पेरेलल बार में शानदार प्रदर्शन करते हुए चारों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किए। मंत्र ने एक स्वर्ण व दो रजत तथा वर्णिका ने एक रजत पदक अपना दावा पक्का किया नैतिका व्यास ऑलराउंड व्यक्तिगत वर्ग में द्वितीय स्थान, वॉल्टिंग टेबल, अनइवन बार व बीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया। आर्या गोड़ ने ऑलराउंड व्यक्तिगत वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर

कांस्य पदक एवं वॉल्टिंग टेबल व फ्लोर एक्सरसाइज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। काव्यक्षी ने फ्लोर एक्सरसाइज में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अलावा इशिता, मानवी एवं नमसिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जोधपुर टीम ने दोनो ही आर्टिस्टिक्स व रिधिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रिधिक जिम्नास्टिक्स में मेत्रेयी शर्मा ने पॉंच स्वर्ण व रजत पदक; याशिका जांगिड ने छ: स्वर्ण व एक कॉंस्य पदक; रक्षिता सोलंकी ने दो स्वण, 3 रजत व एक कॉंस्य पदक तथा काव्या सोनी ने एक स्वर्ण पदक जीत कर जोधपुर का दबदबा कायम रखा जिम्नास्टिक खिलाडियों की इस शानदार उपलब्धि पर सचिव राजस्थान जिम्नास्टिक संघ परमेश्वर प्रजापत ने खिलाड़ियों एवं जिम्नास्टिक प्रशिक्षक (चैनपुरा इण्डोर स्टेडियम) भवानी सिंह व (फ्लाई विंग्स अकादमी) श्री विशाल मिश्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कानसिंह राठौड़ (पूर्व सचिव भारतीय जिम्नास्टिक संघ), डॉ. शक्तिसिंह राठौड़ (सचिव जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर) एवं डॉ. भागीरथ सिंह ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षक एवं सहयोगकर्ताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से खेल प्रेमियों एवं जिले में खुशी का माहौल है।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने 2026-27 सीजन से पहले इटालियन कोच क्रिस्टाल्डी को मुख्य कोच नियुक्त किया

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान 9 अक्टूबर 2026। राजस्थान यूनाइटेड एफसी को आगामी 2026-27 सीज़न के लिए इटालियन फुटबॉल प्रोफेशनल ज्यूसेपे क्रिस्टाल्डी को क्लब का मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है 39 वर्षीय क्रिस्टाल्डी फुटबॉल में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव लेकर आ रहे हैं, जिसमें उनका करियर इटली, स्कॉटलैंड, माल्टा, लिथुआनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत तक फैला हुआ है। उनके पास यूईएफए प्रो लाइसेंस है और उन्होंने अर्जेंटीना के एक्कुएला मेनोटी स्कूल से अपना प्रो डिप्लोमा भी पूरा किया है। क्रिस्टाल्डी की कोचिंग और फुटबॉल-प्रबंधन यात्रा में इटली के एम्पोली एफसी यूथ के साथ अनुभव शामिल है, जहां उन्होंने खिलाड़ी विकास के क्षेत्र में कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने स्कॉटलैंड के हाइबरनियंस यू19, माल्टा के गज़ीरा यूनाइटेड और स्लीमा वांडरर्स, लिथुआनिया के उटेनिस तथा भारत के पंजाब एफसी के साथ भी कार्य किया है। उनकी पिछली भूमिकाओं में यूथ कोच, मैनेजर, सहायक मैनेजर और तकनीकी निदेशक शामिल रहे हैं।

डिफेंडिंग चैम्पियन राजपूताना रॉयल्स ने आर्चरी प्रीमियर लीग-2 के उद्घाटन मुकाबले में पृथ्वीराज योद्धाज को दी मात

जयपुर, 9 अक्टूबर। आर्चरी प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में डिफेंडिंग चैंपियन राजपूताना रॉयल्स ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बुधवार को हैदराबाद में खेले गए लीग के उद्घाटन मुकाबले में राजपूताना रॉयल्स ने पृथ्वीराज योद्धाज को रोमांचक मुकाबले में 5-3 से हराया। कंपाउंड वर्ग में अंकित ने ओजस देवताले और विश्व नंबर-1 एला गिब्सन ने शुरुआत से ही शानदार निशाने लगाते हुए रॉयल्स को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं टोक्यो ओलंपिक के रिकर्व चैंपियन मेटे गाजोज ने समय के दबाव के बीच अंतिम क्षणों में बेहतरीन निशाने लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक वर्मा की अगुवाई वाली पृथ्वीराजयोद्धाज ने शुरुआती पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की। मुकाबला अंतिम तीर तक पहुंचा, जहां मैक्सिको के माथियास ग्रांडे का 8 अंक का निशानायोद्धाज के लिए निर्णायक साबित हुआ।लीग में छह टीमें और कुल 48 तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 36 भारतीय और 12 शीर्ष अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज शामिल हैं। हैदराबाद के पीपुल्स प्लाजा में आयोजित यह लीग 18 अक्टूबर को ग्रैंड फिनाले के साथ संपन्न होगी। सेमीफाइनल में शीर्ष चार टीमें जगह बनाएंगी, जिसके बाद खिताबी

मुकाबला खेला जाएगा। पहले सेट में राजपूताना रॉयल्स ने 73-69 से जीत दर्ज की। योद्धाज के ग्रांडे ने अपने पहले ही तीर से 7 अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम शुरुआती दबाव में आ गई। ओजस देवताले ने पिछले सीजन की तरह इस मुकाबले में भी रॉयल्स के लिए आक्रामक शुरुआत की। एला गिब्सन ने उनका साथ दिया, जबकि भारत की अंकिता भगत नेगाजोजको मजबूत सहयोग दिया। दूसरे सेट में अभिषेक वर्मा ने 10 अंकों केनिशानेके साथ शुरुआत की। दोनों टीमों के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन के चलते आधे सेट के बाद स्कोर 37-37 था। अंतिम तीर पर समय समाप्त होने से पहले ग्रांडे ने शानदार 10 अंक हासिल किए। रॉयल्स को सेट जीतने के लिएगाजोजके 10 अंक की जरूरत थी, लेकिन वे 9 अंक ही हासिल कर सके। इसके बाद एक तीर के स्कोर में सुधार किए जाने सेयोद्धाजनेसेट अपने नाम कर मुकाबले में वापसी की और स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। तीसरे सेट से पहले योद्धाज ने बदलाव करते हुए एंड्रियाबेसेरा को राज कौर की जगह मैदान में उतारा। दोनों टीमों के कंपाउंड तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। देवताले और वर्मा ने एक्स-रिंग में 10 अंक के साथ शुरुआत की, जिसके बाद गिब्सन औरबेसेराने भी 10 अंक हासिल किए। अंतिम तीरों तक मुकाबला बेहद करीबी रहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा परिवादी से सीधे रूबरू हुए

उन्होंने सचिवालय में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन का निरीक्षण किया व समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जयपुर के शासन सचिवालय स्थित 'राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181' का निरीक्षण

- **मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को रात्रि में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को आपात स्थिति मानते हुए संबंधित अधिकारी से समन्वय कर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के शासन सचिवालय स्थित ''राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181'' का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं परिवादियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने गंगापुरसिटी के विकास कुमार से फोन पर उनके क्षेत्र में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना एवं परिवादी को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए, अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए, जिसकी अनुपालना में स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ घंटे में ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरुस्त कर दिया गया।

निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री वीडियो कॉल के जरिये भी झालावाड़ के परिवादी अनीष एवं सवाईमाधोपुर के परिवादी रिंकू कुमार से सीधे रूबरू हुए। इस दौरान परिवेदना से संबंधित विभाग के अधिकारी भी वीडियो कॉल पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने परिवादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उसके निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नेक्स्ट जनरेशन राजस्थान संपर्क की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने शिकायतों की विश्लेषण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली एवं आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आधारित 'संपर्क जीपीटी' के कार्यों और विश्लेषण क्षमता का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को रात्रि में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को आपात स्थिति मानते हुए, संबंधित अधिकारी से समन्वय कर, तत्काल समाधान के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान क्वालिटी परफॉर्मेंस डेशबोर्ड, हेल्पलाइन सेंटर की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण, फॉलो-अप एवं मॉनिटरिंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हेल्पलाइन के कार्मिकों से समय-समय पर फीडबैक लिया जाए एवं अच्छा काम करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित भी किया जाए।

भाजपा के आठ और सपा के दो राज्यसभा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ, 09 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी के आठ और समाजवादी पार्टी के दो राज्यसभा सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। नामांकन पत्रों की जांच एवं नाम वापसी की समय सीमा पूर्ण होने के बाद केवल 10 उम्मीदवार ही बचे थे, इसलिए मतदान कराने की जरूरत नहीं पड़ी।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की 10 सीटों के प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रोफेसर रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी को प्रमाणपत्र सौंपा गया।

वहीं, भारतीय जनता पार्टी के धर्मपाल सिंह, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका रावत, गोपी पांडे, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, राम प्रताप सिंह और श्रुति गंगवार को प्रमाणपत्र सौंपा गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में निर्विरोध निर्वाचित होने पर भाजपा के सभी प्रत्याशियों को बधाई दी है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में 10 नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

मुलाकात से पहले संसद भवन से राष्ट्रपति भवन तक विपक्ष के 150 सांसदों ने पैदल मार्च किया

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में विपक्षी सांसदों के एक ग्रुप ने संसद भवन से राष्ट्रपति भवन तक पैदल मार्च किया। जहां 10 नेताओं ने राष्ट्रपति भवन पहुंच कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

- **राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि वोट चोरी हो रही है। नरेन्द्र मोदी इसके सूत्रधार हैं तथा अमित शाह व ज्ञानेश कुमार इसे लागू करने वाले हैं।**

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, पूरा देश जानता है कि वोट चोरी हो रहे हैं। नरेंद्र मोदी इसके सूत्रधार हैं, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार इसे लागू करने वाले हैं। भारत के राष्ट्रपति ने आज इस बात से इनकार नहीं किया।

10 नेताओं को ही ग्रुप मीटिंग के लिए अंदर जाने दिया गया और बाकी नेताओं ने विजय चौक पर धरना दिया। विपक्षी सांसद "ज्ञानेश, बस बहुत हुआ!" लिखे पोस्टर पकड़े हुए थे और वोट चोरी के आरोप लगाते हुए नारे लगाए गए।

संसद के सेंट्रल हॉल में इंडिया ब्लॉक के लगभग 150 सांसदों की बैठक के बाद यह मार्च निकाला गया। 16 अलग-अलग पार्टियों के 16 नेताओं ने राष्ट्रपति को सौंपे जाने वाले ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत के चुनाव आयोग (ईसी) के कामकाज पर चिंता जताई गई।

इस बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में विपक्ष के प्रदर्शनों ने सरकार की नींव हिला दी है। मार्च से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, मांग वही है जो पूरे देश की है: बेईमानी के पूरे ढांचे को खत्म करना और ज्ञानेश कुमार एक ढाल की तरह खड़े हैं।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा,सभी देशभक्त देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में लगे हैं, चाहे वे किसी राजनीतिक दल के सदस्य हों या न हों। मैं उन सभी देशभक्तों को सलाम करता हूं, जो सड़कों पर उतरे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आव्हान के मद्देनजर मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और ट्रेन सेवाओं को रद करने का जिक्र करते हुए सरकार पर डर के कारण ऐसा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति डरता है, वह आज नहीं तो कल मरेगा ही।

केरल हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन, पत्नी व दामाद के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए

ईडी की कोचीन मिनरल्स से जुड़े रिश्वत के मामले की जाँच रिपोर्ट पर हाई कोर्ट ने यह निर्णय सुनाया

कोच्चि, 09 अक्टूबर। केरल हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित रिश्वत मामले का है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच की थी और ईडी की रिपोर्ट के आधार पर अब केरल हाई कोर्ट ने एफआईआर का आदेश दिया है।

- **प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि सीएमआरएल ने ''सूचना प्रौद्योगिकी परामर्श सेवा'' की आड़ में पुत्री वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी ''एक्सालॉजिक सोल्यूशंस'' को फर्ज़ीवाड़ा कर के 2.78 करोड़ रूपए का भुगतान किया था।**

न्यायमूर्ति ए. बदरुद्दीन ने अधिवक्ता के. एम. शाहजहां की याचिका स्वीकार कर ली। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि पुलिस को प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर प्रारंभिक जांच करने के बजाय प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए।

ईडी ने दलील दी थी कि उसकी रिपोर्ट को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट माना जा सकता है और इसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। हालांकि, राज्य सरकार ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा था कि एजेंसी की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पर्याप्त नहीं है और इसके लिए प्रारंभिक जांच जरूरी है।

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने हाल में ईडी के उस पत्र के आधार पर पुलिस जांच का आदेश दिया था, जिसमें राज्य पुलिस प्रमुख से विजयन, वीणा और रियास के खिलाफ जांच कराने को कहा गया था।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि सीएमआरएल ने "सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) परामर्श सेवाओं" की आड़ में वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को फर्जीवाड़ा करके 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

दिल्ली में मेट्रो सेवाओं को बंद करना नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करता है- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 10 अक्टूबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने पर उच्चतम न्यायालय ने चिंता जताई है। चीफ जस्टिस

- **अदालत ने कहा कि रेगुलेट करना समझ में आता है, पर पूरे तरीके से बंद करना चिंता की बात है**

सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केन्द्र सरकार से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कल के विरोध प्रदर्शन से पहले दिल्ली के लिए ट्रेन सेवाएं पूरी तरह बंद न हों और दिल्ली मेट्रो के स्टेशन भी बंद न किए जाएं। अदालत ने सरकार से कहा है कि रेल और मेट्रो सेवाओं को नियंत्रित तरीके से जारी रखने की अनुमति दी जाए, ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो।

सुनवाई के दौरान अदालत ने 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने पर कहा कि सेवाओं को पूरी तरह बंद कर देना नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने जैसा है। अदालत ने कहा कि रेल और मेट्रो ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्राधिकार जो भी फैसला करें, उसे पूरे तरीके से प्रचारित किया जाए, ताकि आम लोगों को परेशानी नहीं हो। अदालत ने कहा कि रेलवे सेवा और मेट्रो स्टेशनों को बंद करने के आदेश की वजह प्रदर्शन को बताया गया है। ऐसे में अगर प्रदर्शन का आयोजन करने वाले चाहें तो वे उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर सकते हैं।

दिल्ली में छात्रों के पीजी की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज होगी

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। दिल्ली में पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने पहल तेज कर दी है। राजधानी में छात्रों के पीजी आवासों से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया जा रहा है। इसके माध्यम से यह जानकारी मिल सकेगी कि छात्र किन जगहों पर रह रहे हैं और वहां उन्हें कौन-कौन सी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, दिल्ली में चिह्नित 100 पीजी आवासों का अगले तीन दिनों में निरीक्षण करने की योजना है। इसका उद्देश्य आवासों की स्थिति और सुरक्षा

- **तीन दिन में 100 चिन्हित पीजी आवासों की स्थिति व सुरक्षा मानकों की जांच की जायेगी**

मानकों की जांच करना है।

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद छात्र आवासों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। इसी पृष्ठभूमि में सरकार पीजी व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। योजना के तहत, भवनों में सुरक्षा मानकों और संबंधित नियमों के पालन की स्थिति की जांच की जाएगी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की संयुक्त टीमें अगले तीन दिनों में चिह्नित 100 पीजी आवासों का निरीक्षण करेंगी। इस पहल का मकसद संभावित सुरक्षा खामियों की पहचान करना और छात्रों के लिए सुरक्षित आवास व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता में छात्र आवास एवं सुरक्षा से जुड़ी उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने का फैसला लिया गया।

विधानसभा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस के उम्मीदवार अशोक आनंद ने जीत दर्ज की। वहीं, असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा के देवाशीष शर्मा ने 1.66 लाख से अधिक मतों की निर्णायक बढ़त बना रखी है।

नंदीग्राम में हासिरानी रथ की जीत इसलिए भी चर्चा में रही, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पिछले चुनावी जीत के अंतर को पीछे छोड़ दिया। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में 81,230 मतों से जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर उनकी जीत का अंतर 1,956 मत रहा था, जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 9,665 मतों से जीत हासिल की थी।

हरमाड़ा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क कर घटना की सूचना दे दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

बाबूलाल कटारा को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रार्थी के एकमात्र बेटे का विवाह 12 दिसंबर को होना तय हुआ है। उसकी पत्नी मानसिक रूप से गंभीर बीमार है। ऐसे में उसे विवाह की व्यवस्थाएं और रीति-रिवाजों में शामिल होने के लिए साठ दिन की अंतरिम जमानत का लाभ दिया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपी ने आरपीएससी का सदस्य होते हुए वरिष्ठ अध्यापक भर्ती के सामान्य ज्ञान व शैक्षिक मनोविज्ञान विषय का पेपर लीक कर लाखों रुपए वसूले हैं। अभी चुनाव का समय है और आरोपी मतदाताओं को भी प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, उसका बेटा एमबीबीएस कर रहा है और उसने अपनी सगाई समारोह की स्वयं व्यवस्था की है। ऐसे में वह शादी की व्यवस्था भी कर सकता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्रों को खारिज करते हुए उसे 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक पुलिस अभिरक्षा में विवाह समारोह में शामिल होने की अनुमति दी है। दूसरी ओर एडीजे कोर्ट ने एसआई भर्ती, स्कूल व्याख्याता और कृषि व्याख्याता भर्ती परीक्षा से जुड़े तीन मामलों में आरोपी को साठ दिन की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है।

भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करियर इस बात को दर्शाता है कि दुनिया भर में कानून के शासन को समर्थन देना, मजबूत करना और उसका विस्तार करना कितना जरूरी है। न्याय और मानव गरिमा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन लोगों को प्रेरित करती है, जो ज्यादा शांतिपूर्ण दुनिया बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

अपने उल्लेखनीय करियर के दौरान, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय, "इन्टरनैशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल फॉर रवान्डा" तथा "इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट" में काम किया है। इसके अलावा, वे संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त भी रह चुकी हैं। उन्होंने कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर संयुक्त राष्ट्र के जांच आयोग का नेतृत्व भी किया।

पिल्लै के सबसे उल्लेखनीय कार्यों में उनके वे महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं, जिनसे यह स्थापित हुआ कि बलात्कार और यौन हिंसा को नरसंहार तथा मानवता के विरुद्ध अपराध माना जा सकता है।

इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने शुक्रवार को अपनी पूर्व जज को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने का स्वागत किया। न्यायालय ने कहा कि यह सम्मान स्थायी शांति सुनिश्चित करने में अंतरराष्ट्रीय न्याय के महत्व को दर्शाता है।

"एएफपी" के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की अध्यक्ष तोमोको अकाने ने कहा, "यह (नोबेल प्राइज) उस महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान है, जो स्थायी शांति की नींव के रूप में अंतरराष्ट्रीय न्याय निभाता है।"

उन्होंने आगे कहा, "अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था और कानून के शासन के सामने गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, यह सम्मान विशेष महत्व रखता है।"

पंजाब सीएम के ओएसडी की सुनवाई नहीं करेंगे जस्टिस नागू

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय के जज, जस्टिस शील नागू ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन के ख़िलाफ़ सीबीआई जांच को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। जस्टिस नागू पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रहने के दौरान कई उन मामलों पर सुनवाई कर चुके हैं जो आम आदमी पार्टी से जुड़ी थीं।

'जयपुर डिस्कॉम अगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मासिक किश्त है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि उपभोक्ता महेन्द्र जैन की नवंबर 2022 से जनवरी 2023 तक की कुल खपत 804 यूनिट थी। इसके आधार पर औसत मासिक खपत 268 यूनिट निकाली गई और 0.13 रुपये प्रति यूनिट की दर से 34.84 रुपये की मासिक किस्त निर्धारित हुई।

याचिका में यह भी कहा गया कि गत 1 अक्टूबर 2025 से लागू रेगुलेटरी सरचार्ज और पिछली अवधि के फ्यूल सरचार्ज की किस्तें अलग-अलग मद हैं। विद्युत लोकपाल ने इन दोनों के बीच अंतर को सही तरीके से नहीं समझा और अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर उपभोक्ता को राहत देने के आदेश पारित किए थे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 व 2024 में राज्य विद्युत नियामक आयोग ने अलग-अलग आदेशों में कहा है कि डिस्कॉम्स अपने उपभोक्ताओं से बिजली बिलों में फ्यूल सरचार्ज ले सकती हैं, यह शुल्क सुचारू विद्युत सेवाओं के लिए लिया जाता है। आयोग ने प्रति यूनिट 1.33 रुपए वसूलने के आदेश पारित किए थे। उपभोक्ता अगर इस आदेश को चुनौती देना चाहें तो वे विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण (ए.पी.टी.ई.एल.) में जा सकते हैं।

ज्ञात रहे कि स्पेशल फ्यूल सरचार्ज वसूले जाने से संबंधित मामले राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित हैं। इस मामले में न्यायाधीश पुष्पेन्द्र भाटी की एकलपीठ ने आदेश दिए थे कि "स्पेशल फ्यूल सरचार्ज" इसलिए वसूला जा रहा है कि राजस्थान के डिस्कॉम्स को 3000 करोड़ रुपए से अधिक का ब्याज अडानी को चुकाना है, क्योंकि राजस्थान सरकार ने ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी, इस कारण मामला अदालत में 5 साल तक लंबित रहा, जिसके कारण अडानी को अतिरिक्त ब्याज देना पड़ रहा है। न्यायाधीश पुष्पेन्द्र भाटी ने अपने आदेश में कहा था कि मामले की दुबारा अपील सुप्रीम कोर्ट में करने का निर्णय पूर्ववर्ती वसुन्धरा राजे सरकार का था, इसलिए यह ब्याज बिजली उपभोक्ताओं से नहीं वसूला जा सकता, जिनका इस फैसले से कोई लेना-देना नहीं है।

ज्ञात रहे कि कोयला घोटाले के चलते सुप्रीम कोर्ट ने पहले तो अडानी को उनकी खदानों का उपयोग करने से रोक दिया था, जिसकी वजह से अडानी को विदेश से कोयला मंगवाना पड़ा। इस वजह से अडानी ने अतिरिक्त भुगतान की मांग राज्य सरकारों से की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश थे कि नियम परिवर्तन के कारण अडानी को अतिरिक्त भुगतान किया जाये। इस वजह से राजस्थान सरकार को 2017 में अडानी को लगभग 4500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान करना था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अपील करने और वहां मामला लंबित रहने की वजह से यह रकम बढ़कर 7438 करोड़ रुपए पर जा पहुंची। अब इस राशि की भरपाई के लिए बिजली बिलों में उपभोक्ताओं से स्पेशल फ्यूल सरचार्ज वसूला जा रहा है।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के 2017 के फैसले के बाद केन्द्र सरकार ने भी नियमों में पुन: परिवर्तन कर अडानी को "कॉल ब्लॉक्स" में पुन: खनन करने का अधिकार सौंप दिया था।

'क्या केन्द्रीय सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला किया है। यह कदम डर और फासीवादी सोच को दर्शाता है।

राष्ट्रीय राजधानी आपातकाल जैसी स्थिति में है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश, जिन्हें कॉकरोच पार्टी का जनक माना जाता है और जिसके जन्म का श्रेय उन्हें दिया जा सकता है, उन्होंने आज कहा कि एक मक्खी को मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

वह इस बात पर आपत्ति जता रहे थे कि राजधानी में ट्रेनों और मेट्रो स्टेशनों को क्यों बंद किया जा रहा है।

अब शायद हम एक "मक्खी पार्टी" का जन्म होते देखेंगे!

दिलचस्प बात यह है कि चिराग पासवान ने कहा है कि युवाओं को विरोध प्रदर्शन करने से कोई नहीं रोक सकता। यह भाजपा के रुख से अलग बयान है। क्या वे डूबते जहाज से कूदने की तैयारी कर रहे हैं?

लेकिन पासवान जूनियर महत्वपूर्ण नहीं हैं, न उनके माथे पर लगा तिलक ही कोई मायने रखता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका बयान संकेत देता है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (नैशनल डैमोक्रैटिक अलायंस/ एनडीए) अब वैसा अटूट गठबंधन नहीं रहा, जैसा पहले था। उनके अलावा और भी लोग हैं, जो अमित शाह द्वारा स्थिति को गलत तरीके से संभालने से नाखुश हैं।

संभव है कि युवाओं के समर्थन में आने का उनका (चिराग पासवाल का) यह साहस इसलिए है, क्योंकि उन्हें पता है कि और लोग भी इसी तरह की राय रख रहे हैं। उनमें अकेले आगे आकर विरोध करने का पर्याप्त साहस नहीं है।

एनडीए और भाजपा की ओर से ऐसी और आवाजें उठ सकती हैं। गठबंधन के भीतर मतभेद अब साफ दिखाई देने लगे हैं।

लेकिन अगर कल जंतर-मंतर पर एक भी प्रदर्शनकारी नहीं पहुंचता, तब भी भारत सरकार ने पूरे विरोध प्रदर्शन को एक बड़ी सफलता घोषित कर दिया है।

सरकार के कदमों ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की वजह से कॉकरोच जीत गए हैं!

तीये की बैठक

Kamal
Since 1936

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय
श्री दयानिधि कासलीवाल (गट्टा बाबू)
का आकस्मिक निधन 08 अक्टूबर 2026, गुरुवार को हो गया है।
* * * * * * * * * * * * * * * * * * *
तीये की बैठक 10 अक्टूबर 2026, शनिवार को प्रात: 08:30 से 09:30 बजे रखी गई है।

स्थान
भट्टारक जी की नसियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

शोकाकुल परिवार
विजयलक्ष्मी (पत्नि), राजुल-अनुज जैन (पुत्री-दामाद),
आदित्य-श्रद्धा (पुत्र-पुत्रवधु), हर्षवर्धन, पारितोष, ईशनिधि-आशा, मंजू,
पयोनिधि-रजनी, सुधानिधि कासलीवाल, मेघमाला सेठी, लोकमणि जैन, परिमल
(भाई-भाभी एवं बहिन), अन्नया-कृश मेहता, अरनव, अदिश्री, अदविका
(पोते-पोतियां) एवं समस्त कमल एण्ड कम्पनी ग्रुप परिवार।
पीहर पक्ष : श्री नरेन्द्र जैन (भाई), गीता भाभी, किरण भाभी (जबलपुर) एवं समस्त परिवार

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908